मन–पम्पोश

भवानी 'भाग्यवान' पंडित

<u>राधास्वामी</u>

" <u>मन-पम्पोश</u> "

रचयिता

प्रभू चरणों

में लीन

<u>भवानी पंडित</u>

प्रकाशक

पृथ्वी नाथ पंडित
निरंजन नाथ पंडित
सोम नाथ पंडित

३, मातृ छाया
जे. वी. पी. डी. स्कीम
गुलमोहर क्रास रोड न. ६
मुम्बई ४०० ०४९

Price
Rs. 35.00

२, नेमी नाथ
शास्त्री नगर
वसई रोड (प)
मुम्बई ४०१ २०२

(सर्वाधिकार सुरक्षित)

द्वितिय संस्करण- ५०० --- जनवरी २००३

Price Rs [illegible]/-

प्रस्तावना

"भवानी" हमारी पूज्य माँ, इस भजन माला की रचयिता हैं। यह नाम उनको माता पिता का दिया हुआ था। ससुराल का नाम तारावती था पर सब लोग उनको भवानी के नाम से ही पुकारते थे।

अति गम्भीर तथा शान्त रहने वाली हमारी माँ सदा ही किसी न किसी काम में व्यस्त रहती थी। शीतल तथा परोपकारी स्वभाव के कारण वह सबकी प्यारी थी तथा सब उनका सम्मान करते थे।

वह सदा ब्रह्म मुहुर्त में उठ कर ध्यान में बैठा करती थी। वह जो कुछ भी करती थी उसका बखान किसी के सामने नहीं करती थी। करीब 17 साल की उम्र तक मैं माँ के पास ही सोया करता था। इसी कारण मुझे माँ की कुछ बातों का पता चलता रहता था। यह उन दिनों की बात है जब मैं दसवीं कक्षा में पढता था। एक दिन मैं शाम 4 बजे घर लौटा तो माँ को उपर वाले कमरे में, जहां वह हमेशा बैठा करती थी, न पाकर मैं नीचे वाले कमरे में गया तो देखा माँ बैठी है और सामने चावल की थाली पडी है। माँ की आंखें आसुँओं से तर हैं। मैने पूछा 'माँ क्या बात है। तुम तो हमेशा उपर वाले कमरे में बैठ कर चावल साफ किया करती थीं। फिर आज यहां क्यों आई हो'। माँ बोली 'मैं तो उपर ही बैठी थी पर नीचे के कमरे से घुँघरू की आवाज़ आने लगी। मैं नीचे उतरी। कमरे का दरवाज़ा खोला तो देखती हूं कि बाल-कृष्ण पैरों मे घुँघरू बांदे घुटनों के बल चल कर कमरे का चक्कर लगा रहा है। मैने झट से कमरे का दरवाज़ा बन्द किया और उसको देखने लगी। इस दौरान वह कई बार मेरे पास आया, मेरी गोद मे बैठा, मेरा दूध पिया, मेरा चावल इधर उधर बिखेरने लगा। बहुत समय तक यह खेल चलता रहा। उसके बाद तुम्हारी आवाज़ आयी और वह कमरे में टंगी अपनी फोटो में समा गया'। मैं हैरान था। मैने माँ से विनती की कि मुझे भी यह खेल देखना है। माँ बोली 'कल देखते हैं'। मैं बडी बेसबरी से कल का इन्तिज़ार करने लगा। दूसरे दिन माँ कमरे में गई और मुझे बाहर रहने को ही कहा। थोडी देर में दरवाज़ा खोला तो माँ कहने लगी 'वो मानता नही है। कहता है इसके लिये अभी समय नहीं आया है। हर बात अपने समय पर ही होती है'।

भूमिका

लीला-काव्य का अज्ञात नक्षत्र ।

यों तो कश्मीरी लीला-काव्य का अंतिम अध्याय, एक विधा के रूप में, परमानन्द, कृष्णजू राज़दान के साथ ही पूरा होता है, फिर भी उनके परवर्ती कवियों में गोविंद कौल जैसे कुछेक संत कवियों में कश्मीरी भक्ति-साहित्य के ठंडे अंधेरे में एक से बढकर एक लीला कविताओं की जोत जलाये रखी।

भाग्यवान द्यद इस परम्परा की अब तक ल भग अज्ञात एक संवेदनशील कवयित्री हैं। मुरन गांव के एक मध्यवर्गी परिवार में र्धमिक परिवेश में पली-बढी भाग्यवान द्यद का कविता संसार अपनी समूची सादगी और शुद्धता के साथ हमारे मानस में पूर्वी राग की तरह फैलकर सराबोर कर जाता है। अपने अनुभव-लोक को पूर्त और सार्थक बनाता हुआ। ये लीला-कविताएं बाह्य-आडम्बर, पांडित्य या किसी तरह की चमक से दूर एक अल्हड समर्पित ग्रामीन भक्तिन का सहज भावाद्रेक हैं।

यह भाग्यवान द्यद के भक्ति संवेदन की तीव्रता और सौम्य अभिव्यक्ति तथा उनकी जन्मजात प्रतिभा का ही प्रभाव माना जायेगा कि उनकी अनेक आद्धुतीय लीला-रचनाएं मौखिक परंपरा से कश्मीरी जनता के एक बडे हिस्से में, विशेषकर संत गोविन्द कौल के शिष्य वर्ग में, बरसों से अपना स्थान बना चुकी हैं। यह आकस्मिक नहीं कि भाग्यवान द्यद की अध्यात्मिक चिन्ताओं, उनके दर्शन, उनकी धारणाओं, एवं उनकी अपनी भाषा शैली पर संत कवि गोविन्द कौल का प्रभाव रेखांकित किया जा सकता है। संत कवि गोविन्द कौल कवयित्री का साहितिक गुरू ही नहीं, उनके अद्यात्मिक गुरू भी हैं।

भाग्यवान द्यद के समूचे लीला-काव्य के रेशे रेशे में कवयित्री का आत्म-निवेदन मूखर रूप से अभिव्यक्त हुआ है। संत कवि गोविन्द कौल जी इन लीला कविताओं में एक ऐसे अलौकिक और विलक्षण गुरू के रूप में उभरते हैं जिसे कवयित्री ने प्रत्येक कोण से देखा, छुआ और पाया है।

समूचे कश्मीरी लीला-काव्य में भाग्यवान द्यद पहली और अकेली ऐसी कवयित्री हैं जिन्होंने लगभग सभी रचनाओं में गुरू को ही प्रतिपाद्य विषय के रूप में चुना है। मैं ने कवयित्री की सौ से अधिक लीला-रचनाएं पढी हैं। मैं यह देख कर दंग रह गया कि कवयित्री के यहां गुरू के हज़ार हज़ार रंग और आयाम हैं। वह उनकी भक्ति करती है, अनुनय-विनय करती है, सखा के रूप में देखती है, उन्हें ईश के रूप में देखती है, पिता के रूप में देखती है, अपने समतुल्य भी पाती है, कभी खिलंदडेपन पर भी उतर आती है और कभी विरह-विदग्ध नायिका

की तरह गुरू से मिलने की आतुरता का भी ऐसा वर्णन करने बैठती है कि सूरदासकी गोपियाँ याद आने लगती हैं। एक उदाहरण देखिये:

या लाग तनि तन नतुँह पान ज़ालय, गोवेन्द नाऽली नालय़ म्य।
गोवेन्दुँह नावुँक्य कुकिलि दित्य् नालय , गरि गरि रो'टुमय नालय म्य ।।

भाग्यवान द्यद की लीला-कविताओं में बार-बार लल-द्यद, अहद ज़रगर का भी उल्लेख आता है जिनके साहित्यिक वैभव का साझीदार बनने के लोभ का वह संवरन नही करपाती। कवयित्री का यह कथन *'' बुँय लल आमुँच़ छ्रल कऽरिथ, रऽक्षमन तुँ राधा बुँय ''* उनके केंद्रीय भाव को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

साहितिक परिवेश की दृष्टि से भाग्यवान द्यद कश्मीरी लीला-काव्य के जिस काल-खण्ड में हुई हैं उस पर कृष्णजू राज़दान (सन 1848-1927), वज़ा मुहम्मद (सन 1845-1924), समद मीर (1893-1955) तथा अहद ज़रगर (सन 1908-1984) जैसे प्रतिष्ठित कवियों के तस्सव्वुफ का असर मौजूद था। चूँकि कश्मीरी लीला-काव्य ने अपनी मूल प्रेरणा भारतीय भक्ति-आंदोलन से ली है, इसलिए परमानन्द, कृष्णजू राज़दान, गोविन्द कौल जी की परम्परा में भाग्यवान द्यद की लीला रचनाओं में भक्ति संवेदन का जो रूप-निखार सामने आता है, उसकी मूल-भावधारा और प्रकृति शुद्ध रूप से भारतीय है।

भाग्यवान द्यद की लीला रचनाओं को स्थानिकता कश्मीर की ज़मीन से ही नहीं जोडती, बल्कि उन्हें आत्मीयता और निजता प्रदान करती हैं। इन लीला कविताओं की भाषा किसान-जीवन के प्रतीकों, रूपकों, उपमाओं, मुहावरों तथा कश्मीरी लोक-संगीत की धुनों से समृद्ध है। इस भाषा में ग्रामीन-संवेदना की एक ऐसी लयकारी है, जिससे उसमें वर्णित सजीव और निर्जीव प्रकृति झूमने लगती है । जैसे प्रेम रस में पगी कवयित्री की दीवानगी की एक मात्र सहचरी हो यह भाषा।

मेरा विश्वास है कि यदि भाग्यवान द्यद के विपुल लीला-काव्य का सम्पादकीय विवेक से चयन किया जाए, तो न केवल धर्मिक रूझान वाली कश्मीरी जनता अपितु साहित्य के गम्भीर अध्येताओं का ध्यान भी भाग्यवान द्यद की तरफ आकर्षित होगा। क्योंकि वह स्वयं हमसे कहती है :

'मीलि बो'रुम कुल आगुरुय' तथा 'कारतूस मंज़ शोरुँहखानस बो'

10-बी. भवानी नगर,
जानीपुर, जम्मू 180007

अग्निशेखर

माँ ने मुझसे वचन लिया था कि इस बात का ज़िक्र मैं किसी के सामने उनके जीते जी न करूं जिसका पालन मैने बराबर किया। इन्ही दिनों माँ का साक्षात्कार परम पूज्य गुरू महाराज स्वामी गोविन्द कौल जी से हुआ। इस मुलाकात ने सोने पर सुहागे का काम किया। माँ अपने गुरू के रंग में रंग गई। गुरू महाराज ने उनको नाम दिया ''भाग्यवान''।

माँ संसारिक दृष्टि से पढी लिखी नहीं थी पर उस में वह सब कुछ था जो एक ज्ञानी में होना चाहिए। वह ज्ञान तथा भक्ति की सजीव मूर्ती थी। माँ मुझे और हमारी छोटी बहन दुलारी को ब्रह्म-मुहूर्त में उठाती थी और अपने भजन सुनाती थी। हम उसी समय उन भजनों को लिपि-बद्ध करते जाते थे। अपने गुरू महाराज श्री स्वामी गोविन्द कौल जी के प्रति माँ का अगाध प्रेम था। यही कारण है कि उनके प्रत्येक भजन में गुरू महाराज का उल्लेख आया है। उनकी अपार दया थी माँ के ऊपर, धीरे धीरे माँ में परिवर्तन आने लगा और वह अध्यात्मिकता की उस मंज़िल पर पहुँच गई जिसकी अनमोल देन यह भजन हैं। यह सारे भजन ज्ञान तथा भक्ति रस से भरपूर हैं।

माँ को कभी कभी आने वाली घटना का साक्षात्कार बहुत पहले से ही हो जाता था। मुंबई आने के कई साल पहले ही उन्होने कहा था कि हमें यहां नहीं रहना है। हमारा पूरा परिवार वहां बसेगा जहां सागर होगा। संतों की शिक्षा उस परम प्रभू की सत्ता की कहानी है जो हर एक युग में हर एक ज़माने में मानव देह में प्रकट होकर जीवों का कल्याण करने इस संसार में आती है । संसार ऐसे समर्थ पुरूषों से कभी खाली नहीं रहा है और न रहेगा। जहां भूख है वहां रोटी है, जहां प्यास है वहां पानी है। मांग और पूर्ती का यह दैवी नियम अटल है। इसे कोई बदल नहीं सकता।

हम आशा करते हैं कि भक्ति तथा ज्ञान रस से भरपूर पूज्य माँ की यह भजनमाला कल्याणप्रद साबित होगी। पाठकगण इन्हें पढ कर अपने अन्दर आनंद का अनुभव करेंगे। अपने में परिवर्तन पायेंगे तथा भक्ति और ज्ञान की प्राप्ति करेंगे। जीवन का अनन्त अथाह सुख सागर इन भजनों में ठाठें मार रहा है। या यूं कहें कि गागर में सागर है।

नवम्बर, १९९८

सोम नाथ पंडित
वसई

अनुक्रमणिका

क्र.	भजन	पृष्ठ
	ग्वरुॅ-अस्तुती	
१	सतग्वरुॅ सतुॅचिय वति	१
२	होशि आयस चानि सोगंधि	३
३	सतग्वरुॅ कन थाव	४
४	सत बोज़ सतग्वरुॅ	६
५	सतग्वरुॅ ज़ारन कन थवुम	८
६	वनी वे'स्य् चुॅई सतग्वरुॅसुॅई	९
७	रसुॅह रसय दिल म्य न्यूथम	१०
८	तन मीज्य् सतग्वरुॅ तने	११
९	प्यालुॅह बरुॅह प्रेमुक हे'यि	१२
१०	ग्वरुॅ वाकुॅह वर म्यूल	१४
११	म्यानि सतग्वरुॅ चानि	१५
१२	सतग्वरुॅ तनि गोम	१७
१३	द्युत कुकिले कुकिलि	१८
१४	सतग्वरुॅ सोजुम सतुॅकुय	२०
१५	पर-उपकाऽरियन परमुॅह	२२
१६	सतग्वर हय आमुत	२५
१७	म्यानि सतग्वरुॅ	२६
१८	सुय छुय ईश्वर सुय	२८
१९	ग्वरुॅवई म्य कऽरहम	३०
	प्रेयम (लोल)	
२०	क्या'ह लोलुॅह कऽर्यथम	३१
२१	अनू खबरा'ह लोलुॅकि	३३
२२	लोलन द्युतनम नुॅ	३५
२३	वलो लोलो म्य को'रमय	३७
२४	छु लोलुॅय लोलुॅसुॅई गारान	३९
२५	वलय वे'स्य् वनुॅयय लोलुक	४०
२६	लोलुॅह मंज़लिस लोल	४१
२७	प्रेयमुॅह क़ुय को'रमय सवाला	४३
२८	आव लोलुॅह कलम	४४
२९	वनुॅह कस मदुॅहनो	४५
	भक्ती	
३०	च़ऽजिम गटुॅह दूर	४७
३१	युस लोलुॅह सूकलि	४८
३२	न बुॅ मस्तानय	४९
३३	ही अघोरय नूरुॅकि नूरय	५१
३४	कुनिय कथ म्याऽञ	५२
३५	पालुॅहवुॅञ अज़ हय वादुॅह	५३
३६	ऐ दुशमने दाना	५४
३७	ओ'मकारुॅह सुन्द सिंगार	५५
३८	शब्बानुॅह यिखना सोन	५६
३९	कृष्णुॅह नावस लगय पाऽरी	५७
४०	चंगुॅह बीन मुर्ली	५८
४१	दिलबरुॅह दिलारामुॅह	५९
४२	नो'वुय बुलबुल नो'वुय	६०
४३	जल वलुॅह जलवुॅह म्य	६१
४४	वलय गछुॅवय सतग्वरुॅ	६३
४५	दिलुॅह गोश दारुम	६५

क्र.	भजन	पृष्ठ	क्र.	भजन	पृष्ठ
४६	दिलुँह मंजुँह काऽसनम	६८	७१	परवाय छुम नो दानुँह	१०५
४७	छुम पोशिनूलुँञ 'जामुँह	७०	७२	मैं गूरू की दास दयालू	१०६
४८	द्राम तमना'ह अनुँहऽन	७१	७३	युस म्य ओसुय	१०७
४९	बुँ मालुँह पोशन करुँह	७२	७४	जागो जागो कृष्णा	१०८
५०	हरुँहनुँई ह्युतुनम हरुँकुय	७३	७५	चाऽञ लोलन	१०९
५१	कस वनुँह वे'सिये	७५	७६	मतुँह गिन्दतम	११०
५२	ही ग्वरुँ हर दिम	७६	७७	लोलुँह नादन दाऽरिथ	११२
५३	रूदुम म्य दूरि दूरे	७७			
५४	दिवान छस कन	७९		ज्ञान	
५५	यथ को'र म्य पानय	८१	७८	मस न्यन्दरि मंज़	११४
५६	आलव ह्युतुय म्य	८२	७९	शा'ह तोसुँह	११५
५७	नालय रऽटुँस बुँ यारन	८३	८०	शा'ह छुम दीदुँनुँई मंज़	११६
५८	दशिरावने दुरदानुँह म्याने	८५	८१	हम त्राव आहम कर	११७
५९	म्य लाऽलि पो'रमय	८७	८२	रुम छिम बोलान	११८
६०	वो'लो थञि चूरय	८९	८३	आम कुस बहानुँह	११९
६१	कुनिय कथ म्याऽञ	९१	८४	न बुँय प्वखुँतय न बुँ	१२०
६२	म्वञि मंज़ करय गूरुँह	९२	८५	घरुँह घरुँह मशि म्य	१२२
६३	छुम मुराऽरी मंज़ मञे	९३	८६	तोशिना रोशि मति	१२४
६४	को'रुम ओ'म ओ'मुँई	९४	८७	नूरुँह मंजुँह वुछमय	१२६
६५	रुम छिम बोलान	९६	८८	क्या खबर छम	१२७
६६	प्यारे मन मोहन	९७	८९	सहस्रुँह दलुँह वुजुँहमलुँह	१२८
६७	बुँ सोज़ वनय शब्बानुँह	९८	९०	ऐ दिलबरे गुलरो	१३०
६८	चुँई गोवे'न्दय ह्यो'र	९९	९१	गंगुन हे'छुम मंऽगिथ ओ'नुम	१३१
६९	दिमय लोलुह आलव	१०१	९२	खत लेखुँनय खताब	१३२
७०	संगरमालन क्वलुँ-क्वलो	१०३	९३	अय्याऽशी अय्यार बुँय	१३३

क्र.	भजन	पृष्ठ	क्र.	भजन	पृष्ठ
९४	म्य मंज़ सादुँह संगन	१३४	१२१	सथ ताज दितिम	१७२
९५	छखय शक्ती किनुँह	१३५	१२२	यारन कऽरनम आरफताऽरी	१७३
९६	वो'थन बे'हन शों'गनुँई	१३६	१२३	नवि सालुँह म्यूलुम	१७४
९७	ही ग्वरुँह घरुँह घरुँह	१३७	१२४	ग्वरव को'रुँहऽम	१७५
९८	बुँई जसुधा बुँई राधा	१३८	१२५	वर द्युत म्य ग्वरव	१७६
९९	वना ग्वरुँसुँई किनुँह	१३९	१२६	म्य ज्ञानुँह रव	१७७
१००	गाशरुँह को'रथम	१४१	१२७	ही मनोहरुँह	१७८
१०१	हा तुँ हू रूदुय अऽक्य्सुँई	१४२	१२८	सुय मनोहर सुय शंकर	१८०
१०२	ये'लि बनुँह फिदा	१४४	१२९	छ़ाँडान जानानुँह तय	१८१
१०३	ज्योति स्वरूप ये'लि	१४५	१३०	ग्वरव दाज द्युतुम	१८२
१०४	यियि म्य सुय युस दियि	१४७	१३१	कदम तुलुम सु दम	१८३
१०५	आहम बुँये सूहम बुँये	१४८	१३२	दुर्दानुँह डुमर सोवुम	१८४
१०६	आसि बिहिथ सु	१४९	१३३	रामन होवुम नूरि अनवारय	१८५
१०७	रठ नाव अन्दर वावुँसुँई	१५०	१३४	यियि कर गुलुँनुँई क्राव	१८६
१०८	द्रो'न लऽज्य् मान मान	१५१	१३५	बुँई करदुँह बुँई खुरदुँह	१८७
१०९	दूरि रूज़िथ चूरि ज़ागन	१५२	१३६	वतन शुरुम सतुक	१८८
११०	हर म्य द्युतुमय नटि नटे	१५६	१३७	यनुँह म्य स्वनि हुँद्य	१८९
१११	करय जुव जान फिदा	१५७	१३८	ही च़राच़र छस बुँ अमर	१९१
११२	अवल तुहुन्द म्य फाल	१५८	१३९	बुँ मस च्यथ गऽयस	१९२
११३	म्य जूरय् द्युत जूरय्	१५९	१४०	कुन छुय बोज़ान	१९४
११४	कति आयस को'त	१६०	१४१	छ़ो'पि हुँद्ये सालुँह	१९६
११५	वायय सूहम तारुँह	१६३	१४२	मस दिथ कऽम्य	१९७
११६	भवानि कऽरमुँच़ उमेदवाऽरी	१६४	१४३	मालुँह फिरन माल	१९८
११७	ग्रायि लज्यम आयि परन	१६५	१४४	वुछुम यार रो'छुम ख्वत्रि	२००
११८	छु सुबुहुक वाव कऽरिथ	१६६	१४५	चे'श्मुँह बुँ वन्दय	२०१
११९	छुम हावस लाऽजिनस	१६९			
१२०	पीरन हाऽवुँम तीरन्दाऽज़ी	१७१			

१ - सतग्वरुॅ सतुॅचिय वति

सतग्वरुॅ सतुॅचिय वति पकुॅनावतम।
शे'यि शे'यि शिवुॅई चुॅई।।

पादिकमलव तलुॅह ज़ां'ह मतुॅ त्रावतम
छय शक्ती हुँज़ुॅई द्वुॅई।
परवानुॅह ज़ाऽनिथ निर्वान हावतम, शे'यि शे'यि ...

दो'ह गोम लूसिथ लो'ह प्रज़ुॅलावतमे
छय लो'ह कलुॅमुॅच्य् द्वुॅई।
लो'ह लेखुॅनाऽविथ मो'ह मो'ह हावतम, शे'यि शे'यि ...

कामुॅह-दीवुॅञ हिव्य् जामुॅह गंडुॅनावतम
छय श्यामुॅह-स्वन्द्वुॅञ द्वुॅई।
कामुॅनायन हुँज़ुॅह पामुॅह मतुॅह द्यावतम, शे'यि शे'यि ...

लाल लुटाऽविथ लोल म्यति च्यावतम
छय लालुॅह लोलुॅच्य् द्वुॅई।
लूकुॅह निंद्यायन कन मतुॅह थावतम, शे'यि शे'यि ...

गटुॅह कुठिसुॅई मंज़ पटुॅह यलुॅह त्रावतम
छ़टुॅह छ़टुॅनावतम ज़ुॅई।
मठ म्वकुॅलाऽवि । म्वठ वटुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

रथ चलाऽविथ रास करुॅनावतम
छय रासुॅह मंडलुॅच द्वुॅई।
रा'ह ब्यो'न थाऽविथ रो'ह करुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

आकाश खाऽरिथ प्रकाश हावतम
नकाश छ्यावतम ज़ुॅई।
सू खनुॅनाऽविथ बू बोलुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

मो'ह निन्द्राये मंजुॅह वुज़ुॅनावतम
हा हू हावतम च़ुॅई ।
खुह खनुॅनाऽविथ मुह छलुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

नार नरुॅमाऽविथ नूर फो'लुॅनावतम
छुख नारानुॅई च़ुॅई ।
गा'ह शोलुॅनाऽविथ गोर्वें'न्द हावतम, २ 'यि शे'यि ...

मस चावुॅनाऽविथ मस्त बनावतम
ह्यस फिरुॅनावतम च़ुॅई ।
खाम मरुॅनाऽविथ खाम मतुॅह थावतम, शे'यि शे'यि ...

तोल गरुॅनाऽविथ तोल बरुॅनावतम
ज़ल बाऽगुॅरावतम च़ुॅई ।
नूरुॅचि ने'हालि सग वातुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

दूरिरुॅच दूरबीन निशि च़ुॅई थावतम
वारुॅह प्रज़ुॅनावतम च़ुॅई ।
नारस नूरुॅच नज़रा'ह त्रावतम, शे'यि शे'यि ...

नूरुॅक्यन चमनन गुल फो'लुॅनावतम
गुल च़ुॅई तुॅ बुलबुल बुॅई ।
बेरंगुॅह पोशस मुशका'ह ह्यावतम, शे'यि शे'यि ...

हरदुॅनि वावुक प्वछुॅरा द्यावतम
श्रावुॅनुॅञ ज़न फ्वलि हिय ।
थरिनुॅई कृष्णुन म्वखुॅह लोनुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

कुकिले गूवे'न्द गू करुॅनावतम
हू हू करुॅहा बुॅय ।
<u>भाग्यवान</u> बसति सूॅत्य दम द्यावुॅनावतम, शे'यि शे'यि ...

* * *

२ – होशि आयस चानि सोगंधि

होशि आयस चानि सोगंधि लो लो ।
सत-ग्वर्रुं म्यानि पम्पोशि ग्वैंधि लो लो ।।

ग्वर्रुं लगुँयो पम्पोशि पादन बो
अदुँह लगुँयो सतसमवादन बो ।
अदुँह लगुँयो बालाबंदि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि अथुँनुँई बो
बे'यि लगुँयो सतुँच्यन कथुँनुँई बो ।
सतुँह सूँतिय न्याय म्योन अंदि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि रंगुँसुँई बो
बे'यि लगुँयो सत-सतसंगुँसुँय बो ।
सतुँह सूँतिय सत युस मंदि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि म्वखुँसुँई बो
सुय डी'शिथ वाऽचुँस परमुँह स्वखुँसुँई बो ।
प्रोवुम आनन्द त्राऽविथ गंधि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि जामन चे़'य
मे'ति वनतम क्या छि मनिकामन चे़'य ।
ग्रे'ज़ि आगुर प्रार्‌या स्यन्दि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि कामनाये
पम्पोशिय फो'लिमो जायि जाये ।
सोंतुँह हरदुँह तुँ रेतुँकालि वंदि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि ने'त्रन बो
साल कर्रुहऽय सत ख्यलुँवऽत्रन बो ।
भार्वुँह पम्पोश फो'लिमो वों'दि लो लो, सत-ग्वर्रुं म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि ड्यकसुँई बो
वछ़ि वांऽलिंजि पोंबरि नखुँसुँई बो ।
पछ़ि पछ़्रुँई तुँ ये'छि हुँदि कंदि लो लो, सत-ग्वरुँ म्यानि ...

अदुँ लगुँयो पम्पोशि सरुँसुँई बो
चे'शमुँह वन्दुँयो ज़रस ज़ुरुँसुँय बो ।
खशमुँह सूँतिय तार लो'ग नँदि लो लो, सत-ग्वरुँ म्यानि ...

अदुँह लगुँयो पम्पोशि सूरच़ बो
बे'यि लगुँयो कृष्णुँनि मूरच़ बो ।
पाँछ़ प्राण तथ छ़्य भाग्यवान वंदि लो लो, सत-ग्वरुँ म्यानि ...

❀ ❀ ❀

३ - सतग्वरुँ कन थाव

सतग्वरुँ कन थाव ज़ीरुँह बमुँसई
छय महरमसुँई मनि मंज़ जाय ।।

ग्वरुँ छुम गरि गरि घरि आश्रमसुँई
गाऽर महरमसुँई क्या प्रुँछुँह दाय ।
पोंपुँर्य् गथ कऽर ज़ाऽनिथ शमुँसुँई, छय महरमसुँई ...

ओ'म आकार वुछ अन्दर ओ'मुँसुँई
ओ'मुँनुँई रऽट सरखमसुँई जाय ।
सत बोज़ पथ रोज़ अथ अहमसुँई, छय महरमसुँई ...

ध्यानन ज़ान कऽर अथ अगमसुँई
छुनुँह आलमसुँई पोशनपाय ।
यार गार तार वुछ छ़्यथ नावि नमुँसुँई, छय महरमसुँई ...

छो'टि तारुँह बठि लाग सूँत्य ह्यथ शमुँसुँई
हार बर लारि नुँ कर आहार ।
छ्लुँह अकि नाल वो'ल ललि जमजमुँसई, छय महरमसुँई ...

कृष्ण तुँ कीशव भऽसिथ भ्रमुँहसुँई
कुन छुय कीवल दूर कर छ़ाय ।
म्वखतस हार बनि सीनुँह दार त्रमुँसुँई, छय महरमसुँई ...

पय ह्यथ पानस लय कर ओ'मुँसुँई
स्वय लीला ज़ान अपरमपार ।
लोलुँक्य् नारन लार कऽर यमुँसुँई, छय महरमसुँई ...

गोवे'न्दुँह गोवे'न्द नाव छुय ओ'मुँसुँई
कुकिलि दमुँहसुँई मंज़ वुछ त्राय ।
दम ह्यथ दम रठ मव प्रार तमुँसुँई, छय महरमसुँई ...

वाऽतिथ अर्दुँह प्यठ गाऽबि गाऽबानस
कर जानानस ल्वलुँहमतुँह लाय ।
नारुँह फम्वार वुछ आबि ज़मज़मुँसई, छय महरमसुँई ...

गोवे'न्द नावस टाऽठिस शमुँसुँई,
मनि मंज़ कर्युँहाऽस ल्वलुँहमतुँह लाय ।
न्युव भाग्यवानि सूँत्य आगमुँसुँई, छय महरमसुँई ...

४ - सत बोज़ सतग्वर

सत बोज़ सतग्वरुं छुम शक्तिनाथुंई
म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ गोम ।
नो'न जानानुंई वंदस जानुंई, तऽम्य सुंद ध्यानुंई धऽरिथ गोम ।।

सतग्वरुं शब्दुंई ये'लि गोम व़निथ
मनुंचे वाजे खऽनिथ गोम ।
पापन तुं पो'ञन त़्यलि गोम हऽरिथ, म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ...

न्यऽबरय दो'पनम अन्दुंई अचुन
दिह द्वारिकाये नचुन छुम ।
सम च्यथ समन्दरस तऽरिथ, म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ...

ब्वनुंई आऽसुंस खऽचुंस ह्योरुय
सोरुय मो'रुय हऽरिथ प्योम ।
युस ग्वरुं प्रेमय यियी बऽरिथ, म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ...

कुकिलि हुंन्द्य पाऽठ्य दित्य्मय दमुंई
वुछुम हमुंई सू हम सू ।
सूहस तुं हमस अपोर तऽरिथ, म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ...

ग्वरन दो'पुम छ़ो'पय छ़ो'पय
छ़ो'पय ऩपय नपय छय ।
वुछ नपुंह नपय गो'ट प्योम हऽरिथ, म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ...

तथ वति नियिनस अऽन्दी अऽन्दी,
बाला बऽन्दी गंऽडिथ गोम ।
ज़रस ज़रस ज़र छुम जऽरिथ, म्य शक्तिपातुंई कऽरिथ...

वाऽछ़ास थानस अन्दर पानस
ला मकानस हाऽविथ गोम ।
युस ग्वरुँ ध्यानस रूदुय सो'रिथ, म्य शक्तिपातुँई कऽरिथ...

मंज़ ल्वकुँहचारस अहंकारस
सोदागारस द्युतुम नाद ।
नादान गऽयस सोदा कऽरिथ, म्य शक्तिपातुँई कऽरिथ...

बुज्यर वुछुम शमन शमन
ओ'मन रऽटुँम रुमन जाय ।
यिम आयि शमन तिम गऽयि तऽरिथ, म्य शक्तिपातुँई कऽरिथ...

ललद्यदि थो'वुम तो'न्दूरुँह बऽरिथ
मनसूर काऽठिस गऽरिथ गोम ।
भाग्यवान रूज़ुँई ज़िन्दय मऽरिथ, म्य शक्तिपातुँई कऽरिथ...

❁❁❁

विशय भोग से
दिल के पुरज़े अपनी जगह से
खिसक जाते है
और वह ज़रूरत से ज़्यादा
चंचल हो जाता है।

❁❁❁

५ - सतग्वरुँ ज़ारन कन थवुम

सतग्वरुँ ज़ारन कन थवुम, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मन म्योन कोताह ज़ोरावार, मनुँनुँई कऽरनस यीच् खार ।
बन्द रज़् करतस ज़न सुँहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मनुँनुँई त्राऽवुँम दोरुँई, पथ छुनुँह मूरान खोरुँई ।
दोरान छुम रातस दो'हस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मनुँसुँई कोता'ह ज़ोरुँई, मन म्योन गव च़ोपोरुय ।
वो'थ दऽरियावस खो'त को'हस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मनुँनुँई कऽर्यनम खन्दुँई, मन म्योन थवतम अन्दुँई ।
युथ तन छि आसन निशि रूहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मनुँनुँई रो'टनम थज़ुँरुँई, मनुँनुँई बन्द कऽर नज़रुँई ।
युथ दम छुय पादरसुँहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मन छुम नुँ रोज़ान डँजे, मनुँनुँई च़चिनम लँजे ।
छँ़डान छु हमस सूहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मन म्योन कोता'ह बलवान, मन छुनुँह दिवान अथि प्राण ।
बन्द करतन मंज़् सू सूहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मनुँसुँई काऽच़ाह युक्ती, मनुँनुँई अऽज्ञनम सख्ती ।
छँाडान गोवें'न्दुँह-गो'हस, भन म्योन अनतन कोबूहस ।।

मन फ्यूर ज़रस ज़रुँसुँई, मन वोत निशि ज़रगरुँसुँई ।
ज़रुँह ज़रुँह हावे'म प्रो'भूहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

गोवे'न्द-गो स्वरि भाग्यवान्, लय गछि़ पानय मन तुँ प्राण ।
लय गछि़ स्वय हमस सूहस, मन म्योन अनतन कोबूहस ।।

❀❀❀

६ - वनी वे'स्य् चुंई सतग्वरुँसुँई

वनी वे'स्य चुंई सतग्वरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

वऽछ़सय पऽतिमे प्यारे, प्रारान दऽछिने दारे ।
दमुँह दमुँह अमरीश्वरसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

वऽछ़सय न्यत प्रभातस, पूज़ करुँह शक्तीनाथस ।
ज़रुँह ज़रुँह श्री भास्करुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

वो'थुँहाऽ सूले वूले, प्रारस तूलहमूले ।
भवानि भूतीश्वरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

क्षणुँह क्षणुँह रातर-द्यनय, पूज़ा करुँह तनुँह मनय ।
गङ्गायि गङ्गाधरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

छ़ाँज्योम सुबुँह तय शामय, सोज़स को'त पाऽगामय ।
घरुँह कति करूणाकरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

छ़ाँज्योम ज़रस ज़रुँसुँई, घारुँह छुस मनमन्दरुँसुँई ।
शक्ती-शिव-शंकरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

लोलुँह सूँत्य लायस नादुँई, सीवस पम्पोशि पादुँई ।
गरि गरि तस आगरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

द्रायस तोशन तोशन, गो'न्द्य करुँह प्रेमुँह पम्पोशन।
मुशताक मुशकि अम्बरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

दो'ह गोम प्रारान प्रारान, अशि कनि ख्रून छस हारान ।
यियि नतुँह अदुँह मा मरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

पकुँहाऽ सतग्वरुँ राये, वऽञ दिमुँह जाये जाये ।
जायि जायि जटाधरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

छ़ाड्यस गोवे'न्दुँह नावय, भाग्यवान भक्ती-भावय ।
विज़ि विज़ि वे'शम्बरुँसुँई, वो'ञ क्वसुँह पूज़ा करुँहसुँई ।।

७ - रसुँह रसय दिल म्य न्यूथम

रसुँह रसय दिल म्य न्यूथम, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

मसुँह फिरुँहनाव बरुँह बरय, घरुँह मंज़य दिम हरय ।
दिम मुराऽरी शङ्करय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

प्राण ओसुम व्यसुँहमरय, ध्यानुँह सूँतिय गव खरय ।
च्योम प्याला'ह आगरय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

छस गलन ईश्वरुँह शरय, कालुँह भयुँचे छम थरय ।
नूरुँचिय करतम नज़रय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

बो'ड छुम चोनुय दफतरय, अज़रय अमरय ।
चुँई छुख दिल तय दिलबरय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

ब्रोंठ छुम आमुत बुज्यरय, तमि किञ छस व्यस्मरय ।
क्वल फिरुँनाव आगरय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

अछि-पोशन मालुँह करय, लछिनावे सतग्वरय ।
अछि दाऽर ज़न गऽयस बरय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

रंगुँह कुठिनुँई वथरय, प्रंग म्याने ईश्वरय ।
यिखनय अदुँह पान मारय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

ते'लि च्योम ओ'मुँकुय हरय, ये'लि टोठ्योम सतग्वरय ।
चे'यि म्य सथ समन्दरय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

वो'न हा भाग्यवानि कन बो दारय, आगरय सतग्वरय ।
लोलुँकुय करतम गुफतारय, असुँवुँञे सतग्वरय ।।

❀ ❀ ❀

८ - तन मीज्य् सतग्वरुॅ तने

तन मीज्य् सतग्वरुॅ तने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

सतग्वरुॅ दीवन वो'नुम, ध्याना'ह तसुन्द ओ'नुम ।
थोवुम म्य मंज़ मने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

सतग्वरुॅ दीवन बूज़ुम, तऽम्य ध्यान पनुन सूज़ुम ।
थोवुम सुय ब्रोंठुॅकने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

सतग्वरुॅ दीवुॅई टोठ्योम, व्वञ शुर्य्-बाशन मेठ्योम ।
ज़ेठि खोतुॅह लो'ग ज़ेठञे, म्य यार वुछ हनि हने ।।

सतग्वरुॅ दीवन पानय, सूज़ुम म्य प्रेमुक बानय ।
गुलि कमलस क्यथ अने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

सदाशिवनि खोतय, गोवे'न्द रूपा वोतय ।
शोलान म्य ब्रोंठुॅकने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

गरस हय रोपुॅह मंज़ोलुय, बरस जिगरुक लोलुय ।
वुछस व्वञ कोरुॅह कने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

दूरन छु मारान गाये, वुछ्यम अऽन्दरिमि राये ।
वुछस ते'लि ये'लि बने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

सदाशिवनि रूपय, ज़न गटि अन्दर दीपय ।
सुय ज़ानि युस यी बने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

वुछुॅहऽन गोवे'न्दुॅह कोलुय, वो'व तऽम्य प्रेमुक ब्योलुय ।
सुय लोनि यस लोल गने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

यी <u>भाग्यवानुॅई</u> वने, ती कोनुॅह पानय बने ।
ये'लि लोलुॅह कलमुॅह खने, म्य यार वुछ हनि हने ।।

❀❀❀

९ - प्यालुँह बरुँह प्रेमुक हे'यि कुस च्यो'नुय

प्यालुँह बरुँह प्रेमुक हे'यि कुस च्यो'नुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

बो'द्धुं ब्रेर सूज़मस ग्वडन्युक को'नुय, बो'द्धुं ब्रेर हे'यि द्वो'ष च्यो'नुये ।
नुरुँह सूँत्य ह्यमुँहऽस गुरुँह करोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

प्रेमुक बूज़न छुम पाकुँहवोनुय, पानि कनि द्वो'ध मन्दोनुये ।
लोलुँकि नारुँह छुम पाकुँह अनोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

भवानि ह्यो'तमस थाल मंगोनुय, ह्यथ यियि भूतीश्वर म्योनुये ।
गोवे'न्द नावस छु साल करोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

सतुँकि स्वभावुँह सूँत्य म्य रो'नुय, भवानि ह्यो'तुम भाऽगरोनुये ।
वे'द्यायि ह्यो'तनय पानय आपरोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

वरुणन ह्यो'तनय वर्श त्रावोनुय, वर्षुन छु अमृत प्रोनुये ।
प्रेमुक पोञ छु त्रेशि कनि च्यो'नुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

गंगायि गंगा ज़ल ह्यो'त द्युनुय, नऽदियन ह्यो'तुन फेरोनुये ।
ग्वरुँसुँई तमि सूँत्य अर्थुँह स्वरशोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

आऽशिमति करुँहयो पोशुँवरशोनुय, ख्वश कर दिल अज़ म्योनुये ।
म्योन ठोकुर गछ़ि वुज़ुँहनावोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

लोलुँह नार थो'वथम ज़ोरुँह दज़ुँहवोनुय, तमि सूत्य ह्यमुँह शोलोनुये ।
दमुँह दमुँह क्षमुँह हाऽ ओ'मुं छ्यो'ट चेनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

गोवे'न्द-गो ह्यो'त कुकिलि वनोनुय, शिव-शक्ती बोज़ुँहवोनये ।
बोज़ कन दाऽरिथ दिल फ्वलि म्योनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

भाग्यवानि हयो'तनय लोलुँह वनवोनुय, म्योन सतग्वर हय नुन्दुँबोनुये ।
साल कऽरिथ छुम नालुँह रटोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

गटॅुह कुठिसुँई गछ़ि बर मुँचरोनुय, ज्ञानुँह चोंग गछ़ि ज़ालोनये ।
वे'शियिकि वाकुँह ना छे'तुँह गछ़ेनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

वटुँह सूँतिय गछ़ि वठ फुटरोनुय, त्रटुँह वरशुन च़ालोनुये ।
खालि बेखाल नेरि लाल अकुँह नो'नुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

सूहम शब्दस कन दारोनुय, ओ'म लयि पन खारोनुये ।
अटुँह मुँचरिथ गछ़ि पटुँह वोनोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

रठ रूकाऽविथ हठ करोनुय, गठ दुशमन करोनुये ।
नठ नशिराऽविथ नो'ट गछ़ि च्यो'नुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

गटि सूँत्य लो'गमुत ज़ूँनि ओस ग्रुहनुय, लटि लटि हाव दरशोनुये ।
सिरयिनि छ़टि गोम पोशि वरशोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

क्रालन मों'डनम मे'चि़ हुन्द बो'नुय, रूपा बन्योम नुन्दुँहबोनुये ।
अऽन्द्रिम जानाकुँह ह्यो'तनम बदलोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

लोलुक असरार <u>भाग्यवानि</u> वो'नुय, सतग्वर म्योन नुन्दुँहबोनुये ।
भाग्यवान कलमुँह सूँत्य गछ़ि लेखोनुय, सालुँह यियि सतग्वर म्योनुये ।।

१० – ग्वरुँ वाकुँह वर म्यूल

ग्वरुँ वाकुँह वर म्यूल गरि गरि लल्ले
बो गलि गले चाऽवनस मस ।।
ख्वजि क्यथ खाऽरनस बुँ मंज़ क्वल्ले, बो गलि गले ...

यस टोठि सतग्वर सु कवो डले
सुय गलि गलि चे'यि प्रेमुक मस ।
रोजि़ मंज़ ज़्वले अदुँह कोनुँह ज़ले, बो गलि गले ...

स्यदुँह माऽल्य् अर्था प्रुँछूयोव लल्ले
लऽल्य् मे'ति वनतम मे'ति दितुँह ह्वस ।
ह्वसुँकुय मस छुय प्रेमुँचि क्वल्ले, बो गलि गले ...

निन्द्रायि दकुँह दिथ कासि ज़्वलि ज़्वले
कलि कलि थवि क्वलुँह बऽठिनुँई ह्वस ।
दम दिथ दुरदानुँह खारि मंज़ क्वल्ले, बो गलि गले ...

ल्व'ति ल्व'ति लाल खारि यऽच् मो'लले
बे'यि मंज़ क्वलि चे'यि प्रेमुक मस ।
दामा च्यथ अदुँह पानय फ्वल्ले, बो गलि गले ...

मो'लुँल्यन लालन मालुँह ये'लि करे
थरि पोश ज़न यियि हरुँहसुँइ ह्वथ ।
घरुँहसुँई मंज़ तस ललुँविय ल्वल्ले, बो गलि गले ...

हरुँह सुँदि ललवुँनुँह कुल मल छले
लोलुँह सूकले सुय वलि पान ।
यस ग्वर छले प्रेमुँह सयकले, बो गलि गले ...

मनुँकिस आऽनस मल ये'लि तुले
ज़न मंज़ माले चमकिय लाल ।
सुय ग्वरुँ चरणन ज़ुव कोनुँह मले, बो गलि गले ...

यस ग्वरुँ दया सु नो ज़ांह डले
हो'छिमुँचि क्वले सुय अनि ज़ल ।
सरुँसुँइ मंज़ ज़न पम्पोश फ्वल्ले, बो गलि गले ...

गोवे'न्द-गू को'र अमि कुकिले
शीवस तुँ शक्ती लोयुन नाद ।
भवानि <u>भाग्यवानि</u> ह्योत मंज़ ल्वल्ले, बो गलि गले ...

❀ ❀ ❀

११ – म्यानि सतग्वरुँ चानि चिकुँहचावय

म्यानि सतग्वरुँ चानि चिकुँहचावय
भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय नावय ।।

वथ शेरय ओं'गलय ओं'गलय
अथुँहनुँई मंज़ लदुँहाऽय बों'गलय ।
कथुँहवुँई सूत्य गुन फो'लुँहनावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

ज़न गाड छस मंज़ दऽरियावस
यूत ज़ोर छा लोलुँकिस वावस ।
छुम न रूकन क्या रूकावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

साल करुँहाऽय चे'य जानानस,
फरशि मखमल प्यठ डालानस ।
लोलुँह प्यालय छिम त्रावुँह त्रावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

साल कर्‌हाऽ चान्यन मित्रन
प्यालुँह गरुँहा पम्पोशि पऽत्रन ।
अन्न अनुँहा सूहम छावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

ये'लि चे'य निशि बूज़न अनय
त्यलि बागन गुल फो'लुँनय ।
गुलि दस्तव करुँहाऽय वावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

माल करुँहाऽय लोलुँक्यन पोशन
कुनि रोशन कुनि छस तोशन ।
कुनि वनुँहाऽय अंऽदरिमि ग्रावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

माल करुँहाऽय गुलि कोसुमन
साल करुँहाऽय बमन बमन ।
सीनुँह मुँच़रिथ सीरुँह कथुँह भावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

मनुँह मंऽज़लिस मंज़बाग थावथ
युथ रोशख ते'लि मनुँहनावथ ।
लो'लुँह मंजुल लो'त अलुँहरावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

कृष्णुँह रूपन दिल न्यूम चूरे
सनुँह को'रनम स्वर्गुँचि हूरे ।
तनि सूँतिय तन मिलुँनावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

द्युत कुकिले गोवे'न्दुँह आलव
पानुँह शिव आव तिमुँवुँई नालव ।
ज़्यादुँह टोठ छुम गोवे'न्द नावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

सो'र भाग्यवानि गोवे'न्द नावुँई
यि छु सोरुय भक्ती-भावुँई ।
छो'ल म्य गम बम गोवे'न्द नावय, भवसरुँसुँई गंडुँहाऽय ...

✽✽✽

१२ - सतग्वरुँ तनि गोम

सतग्वरुँ तनि गोम तन मिलुँनाऽविथ ।
सोरुय सीर अज़् भाऽविथ गोम ।।

कुस हे'कि बूज़िथ कस ह्यकुँह भाऽविथ
मनुँक्रिस आऽनस नाऽविथ गोम ।
गरि गरि रूज़ुँस लरि पान साऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

रंगुँह-कुठि थो'वमस प्रंग वो'थराऽविथ
सोरुय गम गोसुँह त्राऽविथ गोम ।
आऽशिमो'त पोशिगों'द शांदुँह कनि थाऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

लल्लुँमचि़ नफच़स कलुँह तुलुँहनाऽविथ
तो'न्दरस मंज़् बुज़ुँनाऽविथ गोम ।
तनहा ताऽमील ओ'न म्य करुँहनाऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

बुजिरस द्युतनम बहार हाऽविथ
सोरुय सोदा छाऽविथ गोम ।
नाहक ल्वकुँहचार छ्रुन म्य रावुँहराऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

लल्लुँमचि़ ग्वरुँसुँय यी द्युत हाऽविथ
ने'न्दरे मंज़ुँह वुज़ुँनाऽविथ गोम ।
शेरस शा'हमार लाऽम द्याऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

सत दऽरियावुँय पथकुन त्राऽविथ
बठि प्यठुँह बूल्य् बोज़ुँहनाऽविथ गोम ।
हमसुँन्यव परवुँई दम उडनाऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

गगनस खऽसिथ आकाश हाऽविथ
पातालुँह ब्वन वातुँहनाऽविथ गोम ।
पापन पडताल गोम करुँहनाऽविथ, सोरुय सीर अज़् ...

पापन तुँ पो'ञन वो'न दिथ द्यावृथ,
नो'न संगलाल कर्डुँहनाऽविथ गोम ।
शिवुँह सुँजि़ शशकलि सूँत्य छलुँनाऽविथ, सोरुय सीर अज़ ...

भवानि भाग्यवानि यी द्युत हाऽविथ,
गोवे'न्द-गू करुँहनाऽविथ गोम ।
सतग्वर गोमो दिल फ्वलुँहनाऽविथ, सोरुय सीर अज़ ...

❀❀❀

१३ - द्युत कुकिले कुकिलि दम

द्युत कुकिले कुकिलि दम तुँ लो लो
ग्वरुँ कासुम व्वञ सरखम तुँ लो लो ।।

ग्वडुँह बोजुम लोलुक नादुँई म्योन
अदुँह वुछय ग्वरुँ प्रसादुँई चोन ।
बोज़ुँनावतम कुस ओ'म तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

अदुँह बोज़तो सूहम नादुँई म्योन
लोलुँह पूज़य पम्पोश पादुँई चोन ।
सरखमुँकुय छुम म्य गम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

बाऽल्य् बाऽली फीरुँस बालुँह भावस
युथ नुँ खाऽली रोज़य दयुँ नावस ।
खासुँह म्वखतस ताऽर्य़ज़्यम त्रम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

ल्वकुँचारस गिन्दुय ज़ारस म्य
सूँत्य गिन्दुमय तस गमखारस म्य ।
गमखारन ह्यो'तनम नुँ गम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

वारुँह वारुँह गव ज़ायि ल्वकुँचार म्योनुय
सोर द्राकुँय नुँ यि गमखार म्योनुय ।
गम ख्याऽविथ छूयफ दिच़नम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

ल्वकुँचारस फीरुँस मंदरन मंज़
सूँत्य व्यसन दासन तुँ स्वन्दरन मंज़ ।
श्यामुँह-स्वन्दरन ह्योत म्योन गम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

श्यामुँह-स्वन्दरन ज़ाऽनिस कूरुँई बो
वादुँह चोनुय अज़ हय करुँह पूरुँई बो ।
अनिगऽटिसुँई थवथ शम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

घरुँह मंज़य आऽसुँस दूरि बाज़ार
म्वलुँहनावान आऽसुँस कुन्दन कार ।
सतग्वरुँनुँई नारुँह कऽडनस तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

नखचि निगार कऽर्यनस ज़ेवरुँसुँई
यिछ़ मूरत आसान खावरुँसुँई ।
सतग्वरुँ मिम्बर छुम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

ह्युत कुकिलव गोवे'न्द नादुँई चोन
गोवे'न्दुँई दिल करि शादुँई म्योन ।
हावि ओ'म ओ'म हावि सुय तम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

रो'ट भाग्यवानि गोवे'न्दुँह दामानय
सतग्वरुनुय ओसुस बहानय ।
ललि हुँद्य पाऽठ्य दियि दम तुँ लो लो, ग्वरुँ कासुम व्वञ ...

१४ - सतग्वरुॅ सोज़ुम सतुॅकुय

सतग्वरुॅ सोज़ुम सतुॅकुय प्यालय
शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

लोलुॅह सूॅत्य दिचुॅनम ब्रोंठुॅकनि डालय
रोज़ि भाग्यवाऽनी गोशव बोज़ ।
च्रे'चि प्यठ थुरुमय पानय प्यालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

वुछ ग्वरुॅ चालय किछ़ ग्वरुॅ डालय
क्रालय सुॅन्द्य पाऽठ्य तुलनय सोज़ ।
खो'श डोल थुरुॅनय म्योनुय प्यालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

लोलुॅह सूॅत्य थुरुॅनय म्योनुय प्यालय
लोलुॅह अथुॅह दाऽरिथ ब्रोंठुॅकनि रोज़ ।
लोलुॅह म्वखुॅह च्यतुॅहमय रठुॅहथय नालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

लोलुॅह सूॅत्य थुरमय चोनुय प्यालय
लोलुॅहक्यव गोशव वारय बोज़ ।
ज़ामुत द्वो'ध तय ओमुय प्यालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

वारुॅह वारुॅह रऽटिज़्यम नाऽली नालय
लोलुॅह म्वख दाऽरिथ वारुॅह वारुॅह रोज़ ।
यो'तताञ छ़ाँडस पयनुॅच चालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

अमि लोलुॅह प्यालुॅच चे'य छय मालय
क्रालय सुॅंद्य पाऽठ्य तुलुमय सोज़ ।
नखुॅच्यन करिमस कृष्णुॅनि चालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

चटनस ओ'नमस शेवुन कीशिय
वारुॅह वारुॅह नारस नीशी वोत ।
लोलुॅह नारन पो'य कांह कांह खालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

चोनुय नार्टुई ज़ोरावार्टुई
चोनुय प्यालय पयनय आव ।
रंगुँह कनि कऽरिमस ज़रुँची चालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

मऽस्तीयि प्युनस मसुँकुय प्यालय
मज़्रुँह वुछि पानय मऽस्तीवोल
मऽस्ती सूँत्य दियि नचुँनुँचि डालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

मसुँकुय प्यालुँक छु त्रावय त्रावय
सू हम सू सूँय छवय आव ।
यिम युथ मस च्यन तिम मतुँवालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

अमि मसुँक सूँत्य गऽयि मतवालुँक वूँतिय
यिम अथ मसुँसुँई सूँतिय रूद्य ।
युथ मस छुतमय कांऽसि कांऽसि खालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

युथ मस छु च्यवान युथ लोलुँह वोलुय
गोवे'न्द कोलुय मोलुय म्योन ।
लोलुँह सूँत्य रो'टमय नाऽली नालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

युथ मस ओसुय गो'डुँह स्यदुँहमाऽलिस
लल्लद्यदि थो'व निथ आऽलिस मंज़ ।
आलि मंज़्रुँह रो'टनम नाऽली नालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

भाग्यवान दपान ती बुँति हावय
गोवे'न्दुँह कोलुँनि नावय सूत्य ।
लोलुँह मस च्यथ दियि लोलुँचि डालय, शीरीञ शुर्य खयालय बोज़ ।।

१५ - पर-उपकाऽरियन परमुँह ग्वरुँनुँई

पर-उपकाऽरियन परमुँह ग्वरुँनुँई
तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

छांऽडिथ कति ओ'न शिवशङ्करुँनुँई
ज़न हय आऽस नारुँच रे'ह ।
लोलुँह प्यालुँह च्युतनय परमुँह ग्वरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

प्यिुर तऽम्य च्युतनय कुल दफतरुँनुँई
दो'पनम शशकल चे'ह ।
ग्वडुँह साल करुँहा श्री सतग्वरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

गछि़ नय खोचुन शेरि बबरुँनुँई
ये'लि आसि शोरस रे'ह ।
लोलुँह तीर सोरुँना निशि तीरगरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

तार लो'ग सतुँवुँञ समन्दरुँनुँई
पानि मंजुँह वुछ म्य नारुँह रे'ह ।
द्वशुँवुँञ तार च्युत परमऽहग्वरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

तरुँनय तिम यिम ज़िन्दय मरुँनुँई
पनुनुय माजुँई पानय खे'ह ।
नूरस नारस छि श्राख मा तरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

काऽत्याह चा़यि सतग्वरुँह घरुँनुँई
काँऽसे मंज़ छअ शोरुँच रे'ह ।
ज़ोरुँह शोरस छिय काऽत्याह डरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

ज़न्मादि ज़न्मन हरुँह हरुँह करुँनुँई
ग्वरुँडुँई बरतल बे'ह ।
औंऽश्वस वाऽत्य् वाऽत्य् तेति खेयि घरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्यिुरनय म्य ।।

सतग्वरुँ स्वाऽमियस गऽयिसय शरनुँई
दिक्नम लोलुँच रे'ह ।
अमृत ज़ोनमय ग्वरुँसुँद्य च़रनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

आशकस निशि छुम माशोक डरुँनुँई
यिछ़ छि लोलुँह नारुँच रे'ह ।
तथ रे'हि सीकुँ दोर श्री भास्करुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

लोलुँक्य'न पोशन मालुँह रोज़ करुँनुँई
ओ'मुँ सूँत्य तारुँत्र हे'ह ।
खमुँ सूँत्य सर दोर शिवशङ्करुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

हरुँह सुँदि हरुँह सूँत्य घरुँह आव बरुँहनय
शक्तीयिह शक्ती छे'ह ।
शशकलि भक्तन छु शक्तिपात करुँनुँ, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

ओ'मा ओ'मुँसुँई मालुँह यिम करनय
सज़ि कोनुँह तिमुँनुँई तिय ।
गुलि अनार गछ़ि गुलि जाफरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

शिवपूज़ायि कित्य् पोश यिम च़ारनय
शिल्सुँई निशि तिम छिय ।
पवनुँह सूँत्य पो'ञ तिम द्वधुँह निशि च़ारनय, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

गोविन्दगू यिम शा'हस खारनय
मदुँह हो'स मारनुँई छिय ।
दारि बर त्रो'परिथ नवन द्वारुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

सीनुँह यिम दारुँनय शोरुँह शा'हमारुँनुँई
सूँत्य ओ'मकारनुँई छिय ।
बीन तिम वायुँनय सूहम तारुँनुई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

ललद्यदि कल क ऽर डल शिकारुँई
ग्वरुँसुँई दो'पनय खे'ह ।
हरदुँह फो'ल्य दरकुँ-पोश सेतुँह सबज़ारुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

गालनस तुँ गेलनस छि काऽत्या डकुँनई
गाऽलिथ छि मूरान ते'ह ।
गाऽलिथ छु मेलान ललि हुंद वरनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

नालुँह यिम रटनय कालुँह बो'म्बरनुँई
यऽम्बुँरज़्वलय छे'ह ।
मालुँह तिम करनय लालि जवहरुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

लल आऽस वऽरमुँच़ शिवशङ्करुँनुँई
शक्ती पानय छे'ह ।
बन्द शेर को'रनय शेरि बबरकुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

<u>भाग्यवानि</u> मों'गमुत ललि हुंद वरनुँय
ग्वरुँनुँई मनि मंज़ छे'ह ।
बूज़ुस ग्वरुँनुँई तुँ परमुँ'ह-ग्वरुँनुँई, तऽम्य ह्यस प्युरनय म्य ।।

१६ - सतग्वर हय आमुत

सतग्वर हय आमुत कथुँह ब्रोंजुँनि अस्तय अस्तय ।
बुँ लोलुँह पोशन मालुँह करुँसय किनुँह पोशि दस्तय ।।

मन छुम गो'मुत म्य गमुँसुँई मंज़ ज़न बस्तय ।
पँजरुँह म्योनुय फुटुँहरावि ना पनुँने दस्तय ।।

परवाज़ करुँहाऽ हँसुँनी पर मंऽगिमस तय ।
ध्याना'ह द्युतुन म्योन भक्त कऽम्य को'र खस्तय ।।

खुर्य् आव कासान शुर्य् गाऽमुँत्य् अऽथ्य् मंज़ बस्तय ।
च़टख यि ज़ालुँई नालुँह रटख अस्तय अस्तय ।।

धनुँह तुँ दौलत सु ति गोमुत सोरुय खस्तय ।
दयि धनुँह बिसियार गछि़ तमुन दुश्मनस तय ।।

बुँ घारुँह मंज़य करुँह तजवीज़ ज़रगरस तय ।
बुँ ज़रुँह ज़रुँह सूँत्य घारुँह बरस तय ।।

शमुँह ह्यिव भक्त गमुँहकुय ज़ाल अज़ चो'टमस तय ।
छुम सीनुँसुँई मंज़ सूहमुक बीन बाजि तस तय ।।

तारव कने कीशवुन कीश गों'डमस तय ।
सूँत्य ओ'मकारय वारुँह वारय चार द्युतुँमस तय ।।

छो'ञन जायन बनुँह कृष्णुँनि र्‌व'नि गंजिमस तय ।
सूहम लये वारुह वारय वायान छस तय ।।

कन दारि सतग्वर शब्दुँह सूँत्य प्राण गोम बस्तय ।
प्यठ अखँडस कुञ तुँ कीवल प्रारान छस तय ।।

गोवे'न्द नावस अथुँह दाऽरिथ <u>भाग्यवान</u> छस तय ।
च्यमुँह लोलुँह प्याला'ह गुलदस्तस ह्यस फ्युरमस तय ।।

❀ ❀ ❀

१७ - म्यानि सतग्वरुँ

म्यानि सतग्वरुँ ख्वश सूरुँतय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

मन न्यूथम स्वरगुँचि हूरे, पानुँह रूदुख दूरे दूरे ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय कथय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

राजुँह हँस लऽजिस ज़ालय, शशपँजस गोम दुखालय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय मालय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह करय सालय, छुम नुँ पता'ह मीम क्या'ह दालय ।
बालुँह कृष्णुन ह्युह छुय खालय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह बूज़न रनय, सो'दामुन ह्युतुथम धानय ।
बालुँह कृष्णुन ह्युह छुय मनय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह क्षमय छ्यो'टुय, छे़'टि चाने चो़'लुम गो'टुय ।
बालुँह कृष्णुन ह्युह छुंय हो'टुय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छे़'टि चाने चऽजिम ब्वछे, छुम तमा'ह रो'ज़य क्वछे ।
लोलुँह भक्तस निशे हे'छे, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छे़'टि चाने रूजुँस शादुँई, छे़'टि विजे़ हे'तम यादुँई ।
बालुँह कृष्णुँनि हिव्य् छिय नादुँई, चे़'ग पतय पतय यिमय ।।

छे़'टि चाने बन्योम ज्ञानुँई, तथ छे़'टिस वन्दय प्राणुँई ।
बालुँह कृष्णुन ह्युह चोन ध्यानुँई, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमाह रो'ज़य निशे, करमुँह लाऽनिस चो़नथम पुशे ।
बालुँह कृष्णुँन्य् हिव्य् छिय कीशे, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

म्वखुँह म्वख्रय चे़'य कुन वुछे, जसुदाये निशे हे'छे ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय म्वछे, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह हावतम शीवुँई, अदुँह सतग्वरुँ गीतुँई ग्यवय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय गावय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

ललि हुन्दुय वर म्य गछ़िय, युस च़्य निश वातुन ये'छ़िय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिव्य् छिय वऽछ़िय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह वुछय वतय, ये'लि ब्रोज़्य चाने कथय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिव्य् छिय अथय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

वारुँह वोनुम प्रेयमुक ज़ालय, वारुँह हावुम अज़् संगलालय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय चालय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

लोलुँह सूँत्य करतम कथय, दकुँह दिहऽम फेरय नुँ पथय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय थ्यथय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

म्यानि सतग्वरुँह आनन्दुँह कन्दय, तथ रूपस बुँ सोरुय वन्दय ।
बालुँह कृष्णुँञ हिव्य् छिय खन्दय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

म्योन सतुँग्वर आनन्दुँह कन्दय, बब माऽज्य् म्योन बोय तुँ बन्दय ।
बालुँह कृष्णुँञ हिव्य् छिय दन्दय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह रातो-द्यनय, ग्वरुँ भजन चाऽनी वनय ।
बालुँह कृष्णुँञ ह्युह छुय क्षणय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

म्वखुँह म्वखुँह युस ह्'य कुन वुछिय, रक्षमन तुँ राधा सु छुय ।
बालुँह कृष्णुँनि हिशि छय अऽछिय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह यिख कर योरुँई, लोलुँह वावन त्राऽवुम दोरुँई ।
बालुँह कृष्णुँञ हिव्य् छिय खो'रुँई, चे'य पतय पतय यिमय ।।

छुम तमा'ह लोला'ह बरय, अदुँह वुछन श्री भास्करय ।
बालुँह कृष्णुन ह्युह छुय सरय, चे'य पतय पतय यिमय ।।

म्वख म्य हावुम दमय दमय, मंज़ गटे वुछुथ शमय ।
बालुॅह कष्णुॅनि हिशि छय बुमय, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

नाव चोन छुम गोवे'न्द रूपुॅई, मंज़ गटे प्रज़लान दीपुॅई ।
भाग्यवाने सोरुय मूफ्तुॅई, चे़'य पतय पतय यिमय ।।

❀❀❀

१८ - सुय छुय ईश्वर सुय

सुय छुय ईश्वर सुय अमीश्वर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।
तस कुन वुछिथ मन रूदुम थ्यर, सुय दिल तुॅ दिलबर म्योनुये ।।

ज़ुॅह ज़ुॅह वुछमय सुय ज़ुॅह भासकर, सुय स्वन्दर नुन्दुॅहबोनुये ।
तस कुन वुछिथ म्य चो़'ल कालुन डर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

तोशन तोशन पोशन अम्बर, पूज़ायि छुस नो'व तुॅ प्रोनुये ।
गरुडस खऽसिथ बूज़ुम डुमर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

कुकिल आऽसिथ बन्योम कुमर, बोल्यन नुॅ अर्थ ज़ोनुये ।
वावस अपोर नेर्‌यस समर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

वावस मंज़ुॅई हऽरिम म्य पर, छाऽनिथ पथ क्या छोनुये ।
गोवे'न्दुॅह वन्दय आश्चर अछर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

ज़रस ज़ोरावर प्योम ज़रगर, नारस नूरुक ग्रोनुये ।
तमिय शिवाह शिवन शङ्कर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

वुछ दीशि त्यागुॅई कुस दीशान्तर, लो'ब ओस म्य रूज़िथ लोनुये ।
स्वन गऽयि ब्वन कुन मन गव मनोहर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

यमस ज़ीनिथ म्य मंज़ सु वर, कश्यप रे'शिस ति कोनुये ।
गागुॅरि मंज़ुॅई ह्यथ आम सागर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

हम हमशानुँह सुय युस छु किशवर, तस छुय निशानुँह म्योनुये ।
बुमन मंज़ छुस रुमन खञजर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

आकाश पाताल अऽञनम खबर, सुय शेरि बबर म्योनुये ।
अन्दर अऽचि़थ नेऱ्यम नुं न्यबर, सुय छुय सतग्वर म्योनये ।।

सिया'ह कलम सिया'ह दफतर, सिया'ह सूँत्य लेखवोनुये ।
सिया'ह च्यशमव कऽरनम म्य नज़र, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

पूरब पश्चिम दक्षिण उत्तर, ह्यो'त ललि तिय ललुँहवोनये ।
आबस आबुँक्य् छिय जानावर, सुय छुय सतग्वर म्योनये ।।

वतन´वुछिम कथन शकदर, अथन ह्यथ ताज़ोनुये ।
सामानुँह ह्यथ छम रामुँञ लशकर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

खबर म्य साऽरुँई अन्दर न्यबर, गज़लन गज़लुँह लोनुये ।
नऽटिस मंज़ छुम नटान नटवर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

छय भाग्यवानुँई जंगम थावर, यस मंज़ बावर च्रोनुये ।
भूगिथ छि भूगी कम यूगीश्वर, सुय छुय सतग्वर म्योनुये ।।

यदि तुम चाहते हो कि तुमहारा जीवन पवित्र और र्निमल रहे तो दृष्टि को, हृदय को, ओर मस्तिष्क को फैलाकर प्रकृति को अपना काम अपने आप करने दो। हस्ताक्षेप न करो और हृदय रूपी खेत में ईश्वर के बीज बोओ जिससे कि वह समय पर पत्ते फल फूल आदि उत्पन्न करे।

१९ - ग्वरुँवुँय म्य कऽरहम याऽरिये

ग्वरुँवुँय म्य कऽरहम याऽर्यये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।
नाम म्याऽन्य गामुँह-शहाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

ग्वरुँवुँय आवाहन को'रुम, स्वखुँहसान रातर-द्यन दो'रुम ।
मालस करुँन्य शूमाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

तशनन करुन छुम वर्शुनुय दुखियन दवा म्योन दर्शुनय ।
सुखियन सतुँच नादाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

ग्वरुँवुँय द्युतुँहऽम दफतरुँई, आगरुँह आमुत अफसरुँई ।
रुमुँह रुमुँह छु ब्रुमुँह चाऽर्य चाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

मूड छस मूर्ख वन ज़ानुँह क्या, इला करुन ऐलान क्या ।
करनस करुँन्य हुशियाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

ग्वडुँह छुम वुछुन नादानुँनुँई, रऽखियन हुँद्यन रथबानुँनुँई ।
दुशवारुँकिय दरबाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

ज़्ख वातुँहनावुन ज़ीरुँहकस, हातमितयकुय हीरुँह कस ।
यस छस हकुँच हमवाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

फेरुन म्य च़ववापोर छुम, बुतराऽच् वालुन बोर छुम ।
कुफरस तुँ काबस काऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

वनुँह सोरुय दिल खूलिथुँई, अऽलिफस तुँ वावस मीलिथुँई ।
बाज़न करुँन्य बम्बाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

सतग्वरुँ-नावुँय टिकुँह म्य, नविसालुँह द्युतुँहऽम सिकुँह म्य ।
शेरेबबर सवाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

सतग्वरुँ नावुक म्य शान छुम, तवुँह किञ नाव भाग्यवान छुम ।
शीव-शक्ती नर नाऽरिये, ग्वरुँपादन लगय पाऽर्य पाऽर्यये ।।

२० – क्या'ह लोलुँह कऽर्यथम पारुँह

क्या'ह लोलुँह कऽर्यथम पारुँह
कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

पनुँन्यन मंज़ नुँ चे'य जाय, परद्यन हुन्द खाकिपाय ।
छुख बऽनिथ बरखुरदार, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

पनुँन्यन निशि ज़न शीन, परद्यन हुन्द खुरदबीन ।
दूरि रूज़िथ च़्य दुचारुँह, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

पनुँन्यन काऽर मार्य मार्य, परद्यन बन्दुँह बरदाऽर्य ।।
खन्दुँह अकि रूदुम खारुँह, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

पनुँन्यन रूदुख दूर, परद्यन होवुथ नूर ।
तवुँह पो'र म्य सूरुँह सिपारुँह, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

म्य ज़ार वऽन्य् बालुँह यारस, तवुँह गोम संगिफारस ।
रंगि क्याह गुलि अनार, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

परद्यन सूँत्य रलुन, पानस खाक मलुन ।
छुय छलुन नरकुँनि नारुँह, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

पानस पान भारे, गरूडस सवारे ।
हंसन सूँत्य रा तार, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

ज़नमन हुँन्द्यी भूग, भूगिथ म्यूलुम यूग ।
को'रमस सूदुँह बापार, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

ग्वरुँवुँई द्युतुँहऽम ज्ञान, तवुँह छम पऽतिमुँई ज़ान ।
बनुँहा दस्तबरदार, कुस जानावारुँई ज़ुँई ।।

कें'ह भूग भूगुॅज छिम, ग्वर्‌वुंई दितिहऽम तिम ।
तथ छुम वादुॅह करार, कुस जानावारुॅई च़ुॅई ।।

तमि किञ रोज़ुन प्योम, ज़नमस ओसुम बोम ।
बालुॅह बावुॅह करुॅह खे'लुॅह तारुॅह, कुस जानावारुॅई च़ुॅई ।।

छुम बनुन नवजवानुॅई, तवुॅह नाव भाग्यवानुॅई ।
घारुॅह म्योन हर दरबार, कुस जानावारुॅई च़ुॅई ।।

गरि गरि बुॅ हरुॅसुॅई सूॅत्य, ज़र ज़रगरुॅसुॅई सूॅत्य ।
ज़रुॅह ज़रुॅह कऽडनस नारुॅह, कुस जानावारुॅई च़ुॅई ।।

कुकिलि म्य गोवे'न्दुॅह लोल, हंसन ह्यो'र म्योन ओल ।
दयालुॅह सुॅंदि यखतियारुॅह, कुस जान वारुॅई च़ुॅई ।।

❀❀❀

कर्म करो और फल मिलेगा। कर्म का मूल्य पाना मनुष्य के अपने बस की बात नही है। इस पर भी कोई कर्म निष्फल नही होता है।

❀❀❀

२१ - अनू खबरा'ह लोलुँकि

अनू खबरा'ह लोलुँकि वावय लो ।।

कन दारय दिल फ्वल्लुँनाव म्योनुय
सतग्वरुँसुँई ग्वडुँह वन नाव म्योनुय ।
अदुँह वनतस लोलुँचि ग्रावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

ग्वडुँह वनतस लोल आस बारुँह चोनुय
अदुँह वनतस बे'यि दुबारुँह म्योनुय ।
रो'नमुत अन्न अनिह्यम छावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

अदुँह दफतस अऽलुँरावि दूरय कन
पूरुँह पूरय वातुँनावि सारिनुँय अन्न ।
अदुँह लेखख ब्यो'न ब्यो'न नावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह सूँतिय खस्तुँ गव पान म्योनुय
लोलुँह सूँतिय फ्वलि मन प्राण म्योनुय ।
लोलुँह सूँतिय बो'ठ लाग नावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह सूँतिय शाद रोजुँह हनि हने
लोलुँह सूँतिय मिलनावुँह तन तने ।
लोलुँह सूँतिय मन-गाऽनुँ नावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह सूँतिय कास गटुँहकार म्योनुय
लोलुँह सूँतिय फ्वलि गुलज़ार म्योनुय ।
लोलुँह अमृत अन दऽरियावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह गुलुँनुँई लोलुक सग दिम म्य
लोलुँह दानस लोलुक गग दिम म्य ।
लोलुँह अन्न ख्यथ लोलुँह छ्यो'ट ख्यावुँई लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ..

लोलुँह बानन लोलुक अन्न दिम म्य
लोलुँह यऽन्दरस लोलुक पन दिम म्य ।
लोलुँह पों'म्बऽर्य कर्युँहयो वावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह म्वखतस लोलुकुय त्रम दिम म्य
लोलुँह त्रमुँसुँई पन सूहम दिम म्य ।
लोलुँह सूहम ओ'मकार नावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह पोंम्बर तुँ लोलुँकुय थर दिम म्य
लोलुँह पनुँसुँई लोलुक ज़र दिम म्य ।
लोलुँह ज़र छुय गोवे'न्द नावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह पोंम्बर वलुँहाऽय लोलुँह नखुँनुँई
लोलुँह खतुँहखाल वुछुँहाऽय लोलुँह डखुँहनुँई ।
लोलुँह पोंम्बर लोलुँह तनि छावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह चे'श्मव वुछिहिय लोलुँह भाग्यवान
लोलुँह रूपस वन्दुँहऽय लोलुक प्रान ।
लोलुँह सूँतिय दिम सत-स्वभावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

लोलुँह छ्यो'ट छांडान छय भाग्यवानुँई
गोवे'न्दुँनुय रो'टनय दामानुँई ।
गुलि दस्तव कऽर्यज़्यस वावय लो, अनू खबरा'ह लोलुँकि ...

२२ - लोलन द्युतनम नुँ

लोलन द्युतनम नुँ दार्कुह करारय, लोलुँह वायि लोलुँह सेतारय बो ।।

लोलुँह वनुँह वोलुम लोलुँह दिवदारय
तथ गरुँह लोलुँह सेतारय बो ।
लोलुँह छान आमुत छु लोलुँह खुमारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह सूँत्य कऽर्यनस नक्शि निगारय
बे'यि तारुँह गंजिनस वारुँह मो'ह मो'ह ।
सूह्म सू सूँत्य द्युतुँनख चारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह तारुँह गंजिनस नारो नारय
लोलुँह भजनन करि लोलुँह हो हो ।
लोलुँह सतग्वर दारि लोलुँह गोशवारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँनुँई को'रनम पारय पारय
लोलुँह सूँत्य रोज़ुँह खुमखारय बो ।
लोलुँह सूँत्य वुछुमय चँऽद्रमुँह तारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह सूँत्य कोसनम कुल गर्टुँहकारय
लोलुँह सेतारुँह खावारय छू ।
ओ'म ओ'म बोलुँनावि सूँत्य ओ'मकारय,, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह ओ'मकारुक वो'न म्य असरारय
लोलुँह सूँत्य लोलुँह बहारय आम ।
लोलुँह सूँत्य को'रमय लोलुँह बापारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह बापारय छु लोलुँह बाज़ारय
लोल म्योन कुन्दनकारुँई छू ।
सतग्वर करिसय नक्शि निगारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह सूँत्य गो'रनस गुलि गोशवारय
लोलुँह सूँत्य लोलुँह गोश दारय बो ।
लोलुँह नाम रोज़न लोलुँह शहारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह असरारन छु लोलुँह म्वल बारय
लोलुँह गोशवारन गोश दारुँह बो ।
लोलुँह गोश मीलिम सतग्वरुँ द्वारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह सूँत्य मो'न्दमय कुल शहारय
सतग्वरुँ द्वारय वाऽचुँस बो ।
रंगुँह रंगुँह मीलिम हंगुँह तूमारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

लोलुँह नेत्रुँह-कमलव वुछुँहा वारय
गुलि गोशवारय छु नारोनार ।
नारुँह मंज़ुँह द्रामुँत्य छि कुन्दनकारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

सतग्वर स्वाऽमियस प्रछुँहा वारय
गुलि गोशवारय चे'ग रो-ब-रो ।
या वुछ वारय नतुँह कर चारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

गोवे'न्द छु वनान बारम्बारय,
लोलुँह असरारय छु ज़ोरावार ।
भाग्यवान अशकुँपेचान रज़ि खारय, लोलुँह वायि लोलुँह ...

२३ - वलो लोलो म्य को'रमय

वलो लोलो म्य को'रमय साल लो लो ।।

वनू लो लो च़्य क्या छुय नाव लो लो
वनू लोलो च़्य क्युथ स्वभाव लो लो ।
च़ुँ रूदुख ना म्य नाऽली नाल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लोलो च़्य क्युथ छुय खाल लो लो
म्य हावुम वारुँह नन्नुँच डाल लो लो ।
बुँ मारय लोलुँह ज़ोरुँच ताल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लोलो च़्य किथ्य् छिय जामुँह लो लो
म्य वुछमख लोलुँह छुख अनाम लो लो ।
च़ुँ रूदुख म्य पतय दुम्बाल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लोलो च़्य क्युथ छुय रंग लो लो
वनू लोलो च़्य क्युथ सतसंग लो लो ।
म्य वुनुथ वारुँह प्रेयमुक ज़ाल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लोलो च़्य किथ्य् छिय खो'र लो लो
च़्य त्रोवुथ लोलुँ वावुक दोर लो लो ।
च़्य होवुथ लाल सुय बेखाल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लोलो च़्य क्युथ छुय पान लो लो
म्य कऽडिथम लोलुँ सूँतिय प्राण लो लो ।
तिमन गोवे'न्द म्य छुम दुम्बाल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लोलो च़्य क्युथ अनहार लो लो
वनू लोलो च़्य क्युथ दरबार लो लो ।
च़्य कऽरथम लोलुँह जादू चाल लो लो, वलो लोलो म्य को'रमय ...

वनू लाला च़्य क्युथ छुय नूर लोलो
च़्य होवुथ लोलुँह नूरुक नूर लो लो ।
च़्य कोंरथम दुम्बरे दुखाल लो लो, वलो लोलो म्य कोंरमय ...

वनान गोवेन्द छु लोलुक हाल लो लो
छु हावान लोलुँह ज़ोरुँच चाल लगे लो ।
म्य छुनम लोलुँ लोलुक प्यालुँ लो लो, वलो र लो म्य कोंरमय ...

च़्य नावुँई लालुँह कालुँह समहार लो लो
च्रुँ हावुम पानुँह दुशमनदार लो लो ।
कोंरुथ शशपंजुँसुँई दुखाल लो लो, वलो लोलो म्य कोंरमय ...

वनन भाग्यवान यिमय असरार लो लो,
च़ुँ वोंत्र सतग्वर यिमन कन दार लो लो ।
छु शेवुँई वोंत्र म्य नाऽली नाल लो लो, वलो लोलो म्य कोंरमय ...

❀ ❀ ❀

गुप्त वे बातें रखी जाती है,

जो अनुचित होती है।

गुप्त रखना भय का द्योतक है

और

भयभीत होना मनुष्य के

अपराधी होने का द्योतक है।

❀ ❀ ❀

२४ - छु लोलुय लोलुँसुँई गारान

छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान. छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

म्य मोलुय गोवे'न्द-कोलुय, शुप्यन क्यथ म्वखतुँह अऽम्य डोलुय ।
म्वखुँह किन्य् ज़न छु सुय नारान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

वनन भाग्यवान छय म्याऽनी ट्रिई, ल्वकुँट बेटी छसय ना बुँय ।
अमिय आऽसस बुँ च़्यय प्रारान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

घरिय बूज़ुम म्य चोनुय नाव, मंगान हम छकुँह यि चाऽनी नाव ।
पनुँनि खोरे चुँ छुख तारान. छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

छअ आसान आवलुँनिसुँई मंज़, करान गोवे'न्द छु तमिकुय संज़ ।
भयन यकदम शिन्या'ह करान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

ज़यन हुन्दुय चुँ छुख सागर, ज़हर प्यालस म्य अमृत कर ।
भक्त छिय म्वख ह्यथुँई प्रारान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

अमिय आयस बुँ च़्य निशे, म्य मा रूदुम कें'ह पुशे ।
अनुम ते'लि अमृतुक बारान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

ओ'नुम स्वकुँह शीन घरुँसुँई मंज़, करान गोवे'न्द छु तमिकुय संज़ ।
बुँ तथ शीनस छसय प्रारान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

वो'नुय असरार भाग्यवाने, म्य लोलुक प्यालुँह मंज़ मने ।
सुँ ह्यथ छस सतग्वरस प्रारान, छु लोलुय लोलुँहसुँई गारान ।।

२५ - वलय वे'स्य् वनुँयय लोलुक हालुँय

वलय वे'स्य् वनुँयय लोलुक हालुँय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बुँ वे'स्य् वनुँयय कुस गव लोलुँय, बूज़िथ पनुँनुय मोलुय गोम ।
वुछ वे'स्य् गोवे'न्दुँह-कोलुँञ चालुँय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् कोता'ह लोलुँई वनय, खाऽरिथ ज़ाऽव्युल पनुँई गोम ।
लोलुँह सूँत्य वो'ल्लुँनम लोलुँह दुशालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् लोलुँय छु कुने कुने, कऽतिथ लोलुँह काचुँह जूने गोम ।
सतुँह सूँत्य करिनस सिरियिनि चालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् गोशव लोल क्या करन, पानय वोवुँर्य् घरन गोम ।
लोलुँह वोवुँर्य् कऽर लोलुँच्य् चालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् लोलुँई ज़ाँ'ह नय मशिनुँई, दुशमन पशिनुँई पशिनुँई तल ।
दशिनुँई कऽरिनस कृष्णुँञ चालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् गोशव लोलुक शरफुँई, लोलुँह रंगुँह बरफा बरफुँई गोम ।
चोरन तरफन छअ ग्वरुँसुँज़ चालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

लोलुँह रंग द्युतुँनस गरमा गरमुँई, लोलुँह सूँत्य नरमा नरमुँई गोम ।
लोलुँह नारानुन छुस खत-खालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

लोलुँह सूँत्य् छोंड्डुम लोलुँह काऽर्यगरुँई, बूज़िथ ज़रुँई ज़रुँई गोम ।
पसिनुँई कऽरनस प्रेयमुँच चालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् कोता'ह लोल गोम खलुँहुसुँ, वोडि दिथ लोलुँहकिस कलुँसुँई गोम ।
लोलुँह सूँत्य होर्वुँनम मीम क्यां दालुँई, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् कोता'ह लोलुँय तोशन, लोल गव सतग्वर गोशन मंज़ ।
लोलुँह सूँत्य रऽटनस नाऽली नालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

लोलुँह सूँत्य छोंडुम लोलुक ज़ुरुंई, लोलुँह सूँत्य लोलुँह ज़रगरुंई आव ।
ज़ुरुँह सूँत्य कऽरनम ज़ुरुँची चालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

लोलुँह सूँत्य सतग्वर नावय बलय, लोलुँह सूँत्य जलय जलय आव ।
लोलुँह सूँत्य च्यमुँवय लोलुक प्यालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

बोज़ी वे'स्य् गोशव लोल क्युथ बनन, छ़ाँडुँनि कुल सतज़नन गोम ।
सतुँवय च्यमुँवय सतुँकी प्यालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

भाग्यवानि कऽरमुँच़ लोलन ज़ायिय, छ़ाँडुँनि सतग्वर जाये गोम ।
सतग्वर रो'टमय नाऽली नालय, शशपँज मंज़ दुखालय गोम ।।

❀ ❀ ❀

२६ - लोलुँह मंज़लिस लोल

लोलुँह मंज़लिस लोल वथरोनये लो
लोलुँह ग्वरुँसुँई छु गूरुँह करोनये लो ।।

लोलुँह गोवे'न्दुँह ओ'नमय लोलुँह सालय
लोलुँह सूँत्य बऽर्यनस लोलुँह प्यालय ।
लोलुँह डाल दिथ लोल हे'यि च्यो'नुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

लोलुँह सूँत्य गंऽज़रस लोलुँह डालय
लोलुँह सूँत्य वुछुँसय खत-खालय ।
लोलुँह दूर हे'यि लोलुँह अलुँहरुनुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

लोलुँह सूँत्य बे'हमय लोलुँह दारे
लोलुँकुय द्वध फिरसय लोलुँहवारे ।
लोलुँह दाने ह्यमुँह मन्दोनुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

लोलुँह दानस छुम सो'न्द्वनुये लो
लोलुँह बूज़न छुम पाकुँहवोनुये लो ।
लोलुँह नारुँह छुम छावुँह अनोनुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

लोलुँह ज़रुँकुय थाल गरुनुये लो
गुलदस्तुक प्यालुँह अनोनुये लो ।
भाग्यवाने छु बतुँह बाऽगरोनुये लो, ल ज़ुँह ग्वरुँसुँई ...

लोलुँह बूज़न ब्रोंठुँकुन ओ'नये लो
लोलुँह बाज्यन सूँत्य सूँत्य ख्यो'नुये लो ।
खाल काऽँसि छुम साल करोनुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

सतग्वरुँनुँई पानुँह द्युत वो'नये लो
लोलुँह नारन जोश कस ओ'नुये लो ।
तऽस्य तऽस्य छुई ओ'मुँ छ्यो'ट ख्यो'नुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

लोलुँह सूँत्य तऽम्य हायुक ओ'नुये लो
भाग्यवानि ह्यो'त मुर दारोनुये लो ।
युथ नुँ रोज़्यस परमानुँह छो'नुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

सतग्वरुँसुँई छु वारुँह द्युन वो'नुये लो
लोल कस मंज़ छु गनि खो'तुँह गो'नुये लो ।
सुय मिम्बर गछ़ि आसोनुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

वो'न भाग्यवानि लोलुक दासतानय
तुलि गोवे'न्द लोलुँह कलम पानय ।
अऽमिसुँई शूभि खताब द्युनुये लो, लोलुँह ग्वरुँसुँई ...

✽ ✽ ✽

२७ - प्रेयमुँहकुय को'रमय सवाला

प्रेयमुँहकुय को'रमय सवाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

ह्यो'र म्य प्रेयम ब्वन म्य प्रेयम, शे'हमुखी शे'यग दऽरुँम ।
मीमुँहसुँई मंज़ वुछ म्य दाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

वति म्य प्रेयम अथि म्य प्रेयम, दति म्य प्रेयमुक कुल द्युतुम ।
लऽज्य फुलय अनवारि आला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

ज़र प्रेयम ज़ेवर म्य प्रेयम, सर प्रेयम गुफतारि हू ।
प्रेयमुँहसुँई मंज़ वुछ म्य चाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

क्रूर प्रेयम नूर प्रेयम, पूर प्रेयम आमुँहताव ।
सूरुँह प्रेयमुँक्य परि यि लाऽला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

अनुँह म्य प्रेयम धनुँह म्य प्रेयम, तनुँह म्य प्रेयम छोरुँमय ।
प्रेयमकुय वो'लमय दुशाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

दोस्त प्रेयम पोस्त प्रेयम, ओस प्रेयम द्वो'न मञ्जे ।
कोस ये'म्य तस छि ज़वाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

ग्वरुँ प्रेयम ग्वरुँ ग्वरुँ म्य प्रेयम, स्वर म्य द्युतनम प्रेयमुँकुय ।
प्रेयमुँसुँई मुशताक माला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

सत प्रेयम अ-सत प्रेयम, अथवा प्रेयम कथ जायि रूद ।
प्रेयमुँची वऽञमय । साला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

वाज़ प्रेयम राज़ प्रेयम, साज़ रो'टमय प्रेमुँकुय ।
प्रेयमकुय जहाज़ बाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

मञि प्रेयम रक्षमनि प्रेयम, खनि प्रेयम ओ'मकारुँह रूप ।
प्रेयमुँहकुय द्वो'न बनि गवाला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

प्रेयमुँहकुल छय <u>भाग्यवाऽनी</u>, प्रेयमुँह गुल नुन्दुँहबाऽनिये ।
हरदुँह फो'ल्यूमुँत्य ख्वो'रदुँह साला, रो'ट म्य प्रेयम नालुँह हू ।।

***

२८ - आव लोलुँह कलम

आव लोलुँह कलम ओरय, तथ अथुँह बुँ दारुँह वे'सिये ।
बुँ ले'खुँह कोता'ह लोलुय, छुनुँह तथ शुमार वे'सिये ।।

छु लोल भावुँकि रूपय, बे-यखतियार वे'सिये ।
ह्यच़ोव म्य दूर दूरुँई, दियिना करार वे'सिये ।।

यि लोल बे'यि पो'त फ्यूरुय, छु यार तयार वे'सिये ।
छु लोल पानस निशे, छु न कुनि शहारुँह वे'सिये ।।

बुँ पन तारस ज़ोरय, सूहमचि तारुँह वे'सिये ।
छु लोल ओ'मुँके रूपय, छु खुश-गुफ्तार वे'सिये ।।

बुँ मीठ्य दिमसय पादन, छु ग्वर तयार वे'सिये ।
छु लोल ग्वरुँसुँदि रूपय, ज़न म्वखतुँह हार वे'सिये ।।

छु लोल बोज़न वोलुय, भक्त छि तयार वे'सिये ।
छु लोल गटि गवहारुँई, छु गङ्गाधार वे'सिये ।।

छु लोल शशकलि रूपय, ह्यथ शिव तयार वे'सिये ।
छु लोल शोरुँकि रूपय, छु नारो नार वे'सिये ।।

छु लोल पारय पारय आशक छि तयार वे'सिये ।
छु लोल तीरुँकि रूपय, शिकार तयार वे'सिये ।।

छु लोल हमसनि रूपय, छ़ारन छु गार वे'सिये ।
छु गार लोलस गारन, छु ग्वर तयार वे'सिये ।।

छु लोल सरुँहकि रूपय, कमल छि खुमखार वे'सिये ।
छु लोल भाग्यवान रूपय, दम दिथ बुखार वे'सिये ।।

छु लोल गोवे'न्द रूपय, छु गुलि नहार वे'सिये ।
छु लोल भूषन रूपय, भाग्यवान तन दार वे'सिये ।।

२९ - वनुँह कस मदुँहनो

वनुँह कस मदुँहनो वनुँहनस वार नो
यारि गमखार हो तनि सूँत्य तन ।।

लोलस ह्युव कां'ह ज़ोरावार नो, लोलन को'रनम सरतलि स्वन ।
द्वो'न गोशन मंज़ लोलुक्र बार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कँाह आतश नार नो, लोलुँई प्यूरुम च़्वो'न तरफन ।
खो'त्रि ये'म्य ललुँहवुय तस करार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कँाह च़न्दन दार नो, करतलि कऽर्यनम हनि हनि गन्न ।
च़न्दुँनस सूँत्य मान करि दिवुँहदार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कँा'ह खुशबूदार नो, लोलन हऽरिनम जंगल तुँ वन ।
मस च्यथ मस युस तस निंशि गार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कां'ह बाऽनीकार नो, लोलन कऽरनम लाऽञ मिलुँवन ।
संग ये'म्य फुटुँरिय तस ज़ंगार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कां'ह उमेदवार नो, लोलन गम गोसुँह को'डनय द्वो'न ।
रूज़ि़थ रोज़न मंज़ सहार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कां'ह म्वखतयहार नो, लोलुँह सूँत्य दाऽरुँमस लोलुँह गरदन ।
नाऽली नाल यस तस गुफ्तार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कां'ह फैशनदार नो, लोलन गंऽडिनम कम भूषन ।
छोव ये'म्य बहार रोव ल्वकुँचार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्युव कां'ह कुन्दनकार नो, लोलन ताऽवम नारुँह मनन ।
गालि यथ ज़रगर गालि तथ खार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्यिव कां'ह वज़नदार नो, लोलुँह सूँत्य लोलस छिय तोलन ।
सीम बानुँह ज़ानिय नीम प्वखतुँहकार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्यिव कां'ह पुर खुमार नो, चूँकुँ चूँकुँ को'रनय दूरि आशकन ।
सूरुँह पऽर्य पऽर्य कुनि पूरुँह शुमार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्यिव कांह खऽरीदार नो, लोलन दो'पनम लोलुँई च्यन ।
रो'ल क्या गो'ल क्या नो'ल नतुँह हार नो, यारि गमखार हो ...

लोलस ह्यिव कांह तालेवार नो, लोलुँई छुय निशि भाग्यवानन ।
भस्मा'ह बऽनिथ भस्मुँह आकार नो, यारि गमखार हो ...

❀ ❀ ❀

दान लेने वाला दूसरों का
मोहताज ही नही बल्कि अनके
एहसान के नीचे दब जाता है,
उभरता नहीं। योग दिल के
उभारने और उस
को ताकतवर बनाने का साधन
है, अगर वह गुलाम होगया तो
आज़दी कहाँ से आयेगी।

❀ ❀ ❀

३० - च़ऽजिम गटुॅह दूर

च़ऽजिम गटुॅह दूर सिरियन त्रोव प्रकाश ।
वलय वन-हाऽर्य मुॅख़र बर ताऽर्य फो'ल गाश ।।

म्य कऽरिमुॅत्य चानि बापत दारि बर बंद
च़्य को'रथख चूरुॅह चूरुॅह पुरुॅह अन्दुॅ वन्द ।
मुॅचऱ मखमूर गछ़िमा द्वो'न सिरन फाश, वलय वन-हाऽर्य ...

म्य हे'चुॅमुॅच़ चानि बापत छम फऽकीरी
च़्य कऽरथम आलॅमन द्वो'न प्यठ अऽमीरी ।
खसख आकाश भ्रमुॅरिथ छांडुॅह कति लाश, वलय वन-हाऽर्य ...

म्य को'रमुत चानि बापत नामुॅह पैगाम
च़्य थविथम पामुॅह रोज़न साऽरिसुॅई नाम ।
म्य आऽसुॅम आश हावख पुरुॅह प्रकाश, वलय वन-हाऽर्य ...

छु ग्वरुॅसुन्द वाक्य आसान द्वो'न बरन तोर
छु ग्वरुॅसुन्द वाक्य आसान छो'पि अन्दर शोर।
छु ग्वरुॅसुन्द वाक्य आसान कुन्दुॅनस चाश, वलय वन-हाऽर्य ...

छु ग्वरुॅसुन्द वाक्य आसान गटि अन्दर शम
छु ग्वरुॅसुन्द वाक्य आसान सुबह शबनम ।
छु ग्वरुॅसुन्द वाक्य आसान दुशमनस दाश, वलय वन-हाऽर्य ...

यिमन सतग्वर पनुन आसिय दयाये
तिमन छुय सायिबानय जायि जाये ।
समन्दर तस बनिय यो'द आसि अख माश, वलय वन-हाऽर्य मुॅवऱ ...

ये'मिस सतग्वर पनुन करि शक्ती-पातुॅई
तऽमिस बब माऽज्य् शक्ती तुॅ शक्ती-नाथुॅई ।
तऽमिस कति भय सु छुय अभय तुॅ अभिनाश, वलय वन-हाऽर्य ...

गछ़य्म आसुन पनुन सतग्वर खो'जे मँज़
थवन तिथुँह पाऽठय् छु यिथुँह जामुँह तने मँज ।
बऽनिथ शा'हमार छ़ोंडुम मनुँकुकुय गाश, वलय वन-हाऽर्य ...

छि मनुँकुक गाश छ़ौंडान भाग्यवानुँई,
वनय क्या'ह तस छु युस अथ गाऽरज़ानुँई ।
तऽमिस छु हिवुय सितारुँह तुँ सिरियुँह प्रकाश, वनय वन-हाऽर्य ...

✿✿✿

३१ - युस लोलुँह सूकलि

युस लोलुँह सूकलि पान वले अदुँह फ्वले सू ।।

ननुँवाऽर गऽयसस भाग्यवानुँई वुछ म्य पानय सू ।
ग्वरुँनुँई वुछनम थलि थले अदुँह फ्वले सू ।।

ग्वरुँनुँई कोसुम ज़रुँह ज़रय यी ना ज़रय बू ।
ज़न गाड़ आऽसुँस मंज़ क्वले अदुँह फ्वले सू ।।

कथुँह म्यानि बोज़तो दूरुँह फ्वले वथ छु हावान सू ।
तिछ़ वथ छु हावान युथ नुँ डले अदुँह फ्वले सू ।।

ने'न्दुँर म्य गऽजिम ज़्वलि ज़्वले चानि कले सू ।
बो'म्बुर म्योन युथ नो डले अदुँह फ्वले सू ।।

शशकल चे'यिमो गलि गले शीवुँह सुँन्ज़ुँई बू ।
अदुँ हिय गऽयिमो मसवले अदुँह फ्वले सू ।।

त्युथ वर द्युतुँथम युथ लल्ले गलि गले सू ।
युस ग्वरुँसुँई प्यठ पान गाले अदुँह फ्वले सू ।।

✿✿✿

३२ - न बुॅ मस्तानय

न बुॅ मस्तानय न बुॅ देवानय ।
म्य जानानय पानय आव ।।

मकॅ़ह किञ छोंडुम सत-ग्वरुॅ थानय, पानॅ़ह भगवानय म्य निशि आव ।
गोवे'न्दुॅह नावस रटि भाग्यवानय, म्य जानानय पानय आव ।।

ग्वरुॅनुॅई द्युतुॅनम कृष्णुॅह सुंद ध्यानुॅई, मंज़ काऽदखानय देवकी आव ।
जसुदा तुॅ नन्दुॅगूर तस प्रारानय, म्य जानानय पानय आव ।।

दुय त्राऽविथ छुम दो'युम ध्यानुॅई, शिव-शक्ती ह्यथ पानय आव ।
अशि कनि वुछुनम खूनि बारानय, म्य जानानय पानय आव ।।

त्रे'. कारण छिम सूॅत्य सूॅत्य पानय, चोर वीद व्यस्तारानय आव ।
सत-ग्वरुॅ वुछुनम पूॅचि़म प्राणय, म्य जानानय पानय आव ।।

शशकलि दोरमस शीतल बानय, सत-स्वभावुक को'रनम भाव ।
अष्ट्हस्येज़ुॅह थविनम पतुॅह दोरानय, म्य जानानय पानय आव ।।

नवन द्वारन दारि दिमुॅह पानय, छे'तह करुॅह पानय वे'शियुन वाव ।
द्वादशिहारुक अदुॅह करुॅह श्रानय, म्य जानानय पानय आव ।।

ईकादशी हुन्द क्षमव खानय, कृष्णुॅनि यारुॅह-बलुॅह प्रारान नाव ।
तथ मंज़ शमा'ह तुॅ बे'यि परवानय, म्य जानानय पानय आव ।।

बा'हन बुरजन मंज़ बुॅय पानय, त्रे'योदशि सिरियि सुन्द छुम स्वभाव ।
च़्वदुॅहुॅशि हुॅज़ ज़ून छस पूरि नूरानय, म्य जानानय पानय आव ।।

पुॅनिम दो'ह वुछुमय सिरियिताबानय, खावरसुई प्यव भास्कर नाव ।
अकि ज्योति वुछुमय नो'न नारानय, म्य जानानय पानय आव ।।

मालामाल छुय अमृत बानय, च्य'नुँहवाल्यन छिय ब्यो'न ब्यो'न नाव ।
बार्नुंह छु कुनुय तुं ब्यो'न ब्यो'न खानय, म्य जानानय पानय आव ।।

वुछुँहा पानय अकि अकि दानय, कस कूत कोता'ह लेखुँनुँह आव ।
ग्वरुँसुँई सूँत्य करि शे'ष्य ति मान मानय, म्य जानानय पानय आव ।।

नज़रा दिचुँमय दुतरफानय, कस प्यठ कोता'ह ग्वरुँ सुंद भाव ।
करुँहवुन पानय ग्वरुँ बहानय, म्य जानानय पानय आव ।।

दारि प्य'ठ ड्यूँठुम यारि दुरदानय, सर्‌ुँह प्यारि करुँहाऽ चोनुय नाव ।
कारि-पऽत्य् वुछुँमय मारि पेचानय, म्य जानानय पानय आव ।।

सिरियि सुँदि रूपुँह आव सर्व सामानय, सतुँचे कथुँह करानय आव ।
अरज़नदीवुन वुछ म्य रथुँबानय, म्य जानानय पानय आव ।।

तोशिना द्युतनम पोशि विमानय, शिव ह्यथ शिवनिर्वानय आव ।
सत-ग्वर वुछुमय चरागानय, म्य जानानय पानय आव ।।

शुर्य्-बाशन ओस शुर्य् दोस्तानय, खुर्य् वालुँह-वाशि लागानय आव ।
खुर्य् वालुँह-वाशन गोम ज़ोलानय, म्य जानानय पानय आव ।।

भाग्यवानि वऽञुँनय लोलुँकुँ अफसानय, सतग्वर म्योन छुय कृष्णुँ सुंद नाव ।
परमुँह-ग्वरुँ म्योन छुय नवशेरवानय, म्ये जानानय पानय आव ।।

३३ - ही अघोरय नूर्ऱकि नूरय

ही अघोरय नूर्ऱकि नूरय, बुं गूर्ऱह गूरय कराऽहयो ।
म्य मंज़ म्वजे छम चानि ख्वजे, बुं छ्वजि छ्वजे कराऽहयो ।।

ही सतग्वरय च़राच़रय, च्यय च़ामरय कराऽहयो ।
ही गोवे'न्दय च़रनारबे'न्दय, बुं बन्दुंह बन्दय छलाऽहयो ।।

सूहम लये कालुंनि भये, चाने जये बलाऽहयो ।
कनन अन्दर कनुंह दूरय, च़्यय कोफूरय मलाऽहयो ।।

ही सतग्वरय हा आगरय, कर सोर्‌यम क्या'ह कराऽहयो ।
मंज़ हृदये गोख उदये, बुं पम फ्वलय सराऽहयो ।।

छुख म्वखुंह म्वखय, चो'लुम द्वखय गरक गऽयस घराऽहयो ।
सुदाम ज़ाऽनिथ सुधाम द्युतुंथम, युस मों'ग यूगीश्वराऽहयो ।।

छुख मा शुरुय करमुन खुरुय, म्य कास सु छुम ज़राऽहयो ।
अन्दर अच़ाय अऽन्दरी नच़ाय, फेरय नुं बरुंह बराऽहयो ।।

प्रेयमुंचि ब्वछे म्य ह्यतुंह क्वछे, निनम नुं यमुंकेंकराऽहयो ।
सु छुम डरुंई मों'गमय म्य वरुंई, द्युतुंथम शिवशंकराऽहयो ।।

छस अनज़ानुंई अन परमानुंई, तोलुम पूरुंह दराऽहयो ।
यस चाऽज ज़ानुंई स्वय भाग्यवानुंई, वनान छुम सतग्वराऽहयो ।।

३४ - कुनिय कथ म्याऽञ

कुनिय कथ म्याऽञ कर मंज़ूर, वनन छय बागि इरमुॅच्य हूर ।।

वुछुम वीदन पुरानन मंज़्, वुछुम आऽईन कुरानन मंज़् ।
वुछुम द्वो'न मज़हबन सुय नूर, वनन छय बागि...

डलन छुम द्वो'न अऽछन स्वरमय, छलन छस चानि शबनमय ।
गलन छस यारुॅह मो ह्यम दूर, वनन छय बागि...

ह्यचुॅम यारस पतय खाऽरी, तमिय आयम म्य अनुॅवाऽरी ।
ह्यथुॅई साऽरिय गऽयस मन्ज़ूर, वनन छय बागि...

यि को'रनम ग्वरुॅ सुॅनंदिय वाक्यन, न खूचुॅस काऽतिलन श्राकन ।।
न रूज़ुॅस लोलुॅह तीरन दूर, वनन छय बागि...

म्य निश मो रोज़् क्षनस चुॅई दूर, यि कथ म्याऽनिय करतुॅह मन्ज़ूर ।
मनुक मंजुल ओ'मुक गुरुॅह गूर, वनन छय बागि...

म्य मों'गमय ग्वरुॅ सुन्दुय ध्यानुॅय, तो'तुय प्यठ दिम म्य पर्‌ुॅवानय ।
तिमय पूरन करुॅञ छिम्य पूर, वनन छय बागि...

ग्वरस सूॅतिय करुम कीवल, वरुॅई दिश यी म्य मों'गमय फल ।
कुकिलि हुॅंज़ि बोलि मंज़् को'स्तूर, वनन छय बागि...

करुन त्रे'यलूकिये प्रक्रम, गछूयम आसुन गुलस शबनम ।
गुलस सूॅतिय ज़्लान छय मूर, वनन छय बागि...

ज़िन्दस गिन्दुन म्य जानानय, मऽरिथ दिम शिव-निर्वानय ।
वतन यावुन सतुक सन्तूर, वनन छय बागि...

म्य मों'गमय अवलि प्रभातन, गछूयम सतग्वरुॅ पनुन क्षण क्षण ।
करन भाग्यवान च़्य अऽछ्य मजबूर, वनन छय बागि...

***

३५ - पालुँहवुँञ अज़ हय वादुँह

पालुँहवुँञ अज़ हय वादुँह म्योन पोलुय लो
वलय करुँसय खो'ञि मंज़ोलुय लो ।।

अख राधायि बे'यि मनि रुँक्षमने
भाग्यवाने जसुदायि ह्यो'तहऽय खो'ञे।
लोलुँह वायस लोलुक डोलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

गूर्य् कनिकुँह तुँ बे'यि द्रायि गूर्य्-बाये
वलय छांडोन कृष्ण जायि जाये ।
हट्युक हऽज़रुँह कनुँहकुय वोलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

वलय छुँ़डोन बिन्द्राबनुँसुँई मंज़
मुरली नाद गछ़ि ना कनुँसुँई मंज़ ।
बादामुक यि बादाम खोलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

वलय छुँ़डोन जमनायि नालन मंज़
च़लय आसि मा शुर्य् खयालन मंज़ ।
मुरिनुँई क्यथ वो'वुन म्वखतुँह ब्योलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

जान क्या'ह सोन जानि जानानय छुय
जानानय पनुँने पानय छुय ।
बोय बन्द सोन माऽन्य तय मोलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

नाव अऽम्युसुन्द शूभिय श्यामलालुँई
अऽमिय लालन वो'लुँनम दुशालुँय ।
वाजि हुन्दुय क्रेंख मो'लोलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

वलय छुँ़डोन ज़रस ज़रुँसुँई मंज़
च़लय आसि मा कुनि गूर्य् घरुँहसुँई मंज़ ।
डे'कुँहकुय टिकुँह वो'डि हुन्द सोलुय लो, वलय करुँसय खो'ञि...

वलय छ़्ाँडोन भक्ती-भावस मंज़्
वुछ कुकिले गोवे'न्दुँह नावस मंज़् ।
ओ'मकारब्यन्द गोवे'न्द-कोलुय लो, वलय कर्ुँसय खो'ञि...

❀❀❀

३६ - ऐ दुशमने दाना

ऐ दुशमने दाना, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

गर्टुँह कुठि वो'थ गव बर्ुँई, नो'न द्राव शिवशङ्कर्ुँई ।
रव त्रोव म्य सतग्वर्ुँ दायिसुँई, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

मन मन्द्रस वथरोनुय, नो'न द्राव जानानुँह म्योनुँई ।
रोज़ुँना बुँ करनि गऽज्य़्गा'ह, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

प्रछुँहऽस क्या क्या खे'ये, सतगुरू ओ'नुम लये ।
फो'ल सूहमसू चो़'ल प्रा'ह, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

च्योमय म्य प्रेयमुक मयी, तमिय टोठ्योम दयी ।
ग्वर्ुँ सुँन्दि सूँत्य को'र म्य वाह वाह, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

बे'हना बुँ तस ब्रोंठुँकने, बयान को'र म्य हनि हने ।
बयानुँह सूँत्य गोम बन्द शा'ह, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

ज़्रुँनुँई म्य होवुम ज़्रुँ ज़्र, तमि किन्य् टोठ्योम सतग्वर ।
मों'गुम म्य यी दरगा'ह, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

रूज़्रिन यि सतग्वर्ुँ घरे, पानय बयान करे ।
बऽहियन तार्यस पनुन शा'ह, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

अरज़ाह को'र भाग्यवाने, म्योन सतग्वर कति बने ।
छ़ांऽडिथ ज़्रुँसुँई अने, जानानुँह रूदुम सायिसुँई ।।

❀❀❀

३७ - ओ'मकारुँह सुन्द सिंगार

ओ'मकारुँह सुन्द सिंगार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

शब्बानुँह शूबान छुम, ताबानुँह छुम ओ'म ओ'म ।
चे'श्मन हुन्द खुमार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

म्य प्यठकुन दिर्चुंनम जाय, तथ दऽपुँहऽय सतग्वरुँ माय ।
यथ आऽसुँस उमेदवार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

मोरुँह छलुँह छम चारोपास, तिम मेलन खासो खास ।
तथ म्वखुँतुक छुम जालार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

बुँय म्वखतस अन्दर चूञ, यी लैलायि वो'न मजनूञ ।
ग्वरद्वारय ज़ोनुम गार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

छुम शोलान शमा'ह रो'य, हिय फो'जिम सिया'ह मो'य ।
तथ दो'पुँहऽय नव-बहार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

बुँय राधा बुँय रऽक्षमन, तवुँह मीजिम तनि सूँत्य तन ।
शिल न्यूथम दिल करार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

दरि दस्त छुम गुलि कमल, दस्त बस्त यम्बुँरज़ल ।
तल पादन मंज़ आबुशार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

बोश खोरुम मस्तानन, गोश दितिमस अस्तानन ।
छुम सायस आयुँ सिपार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

तनुँह छोंडुम जानि जानान, बुँय तऽम्यसुँन्ज़ महलखान ।
वो'नमुत छुम बारम्बार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

पारिज़ातस तल बीठुँस, राधायि हुँद्य पाऽद्य् रूठुँस ।
तमि किञ प्योम युन दूबार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

तवुँह रऽक्षमन छ्य नालान, व्वञ दूरे'र छनुँह चालान ।
<u>भाग्यवानि</u> वऽञ असरार, ग्वरद्वारुँह म्यूलुम म्य ।।

❀ ❀ ❀

३८ - शब्बानुँह यिखना सोन

शब्बानुँह यिखना सोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

लोलुँह वावन त्राऽवुँम दोर, सूँत्य कावन आयस योर ।
यि लोल ओसुम प्रोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

तमि किञ म्य फंजखुँ चो'ट, क्वमि ओ'नुँमय म्य अमृत नो'ट ।
मंज़ थो'वमस सूहम दोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

यि दामुँह च्यतम चुँई, छय श्यामुँह म्याऽनी द्रिई ।
त्रे'चारह परिनिस छोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

मस च्यथ यियि वसलुक जोश, अदुँह दारुम लोलुँक गोश ।
बरतल हा सर छुय म्योन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

तमि पे'ठ्य छम चाऽनी वथ, तति ब्वन कुन पे'यि कसरत ।
हर च्यथ छुम ज़ुरुँह ज़ुरुँह चोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

यो'त निथिथस पानस सूँत्य, तो'र वुछ वाऽतिय कूँत्य ।
तमि अपोर द्युत म्य वोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

तति वुछुम ज़ुरुँई ज़र, तनुँह आऽसुँस बेखबर ।
कति रूजि़थ म्योनुय लोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

सुय वुछुम बाऽनीकार, तनुँह दाऽरिन कम अवतार ।
वुछ दीदव वीदव वोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

को'र कुकिले गोवे'न्दगु, तऽथ्य मंज़ छुय सूहम सू ।
मंज़ सूहस सदा म्योन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

ग्वड्डुँह छोवुम ज़र्ुई ज़र, अदुँह हरन द्युतुँनम हर ।
मंज़ स्वठकस म्वखतुक दोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

तऽथ्य म्वखतस को'रमय हार, बन तमिकुय खऽरीदार ।
छुय ज़रस जीत म्योन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

दो'न चे'शमन जरय लाल, तथ मंज़ छुय चोनुय खाल ।
ह्योत चे'शमव ओ'श त्रावोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

वुछ दो'न चे'शमन मा गाश, तति सीरस वुछुमय फाश ।
भाग्यवाने वो'नुँनय नोन, जानानुँह वन्दय क्रोन ।।

❀ ❀ ❀

३९ - कृष्णुँह नावस लगय पाऽरी

कृष्णुँह नावस लगय पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

छलस पाद अशिके ज़लुँह सूँती, सूहम ने'त्रुँ-कमलुँह सूँती ।
छलस पादुँई लगस पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

दिमस गो'ड अशिके ज़लुँह सूँती, सूहम ने'त्रुँ-कमलुँह सूँती ।
दिमस गो'डुय लगस पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

पूज़ायि लागस सर्ुँहकी पोश, सूहम सर्ुँहकुय सुय पम्पोश ।
करस पूज़ा लगस पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

म्य द्युतुँनम सर्ुँहकुय स्वभावुँई, वुछिव क्युथ कृष्णुँह सुन्द नावुँई ।
कृष्णुँह नावस लगस पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

सतुक अमृत सतुक बानय, चे'ने गऽयि पानुँह भाग्यवानय ।
च्यमस अमृत लगस पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

गोवे'न्दुँह नावुक ट्यो'कुय को'रनम, टे'किस मंज़ ज़र्ुची चूऩ जऽरनम ।
जरस चूने लगस पाऽरी, वुछिव कुस कृष्णुँह मुराऽरी ।।

❀ ❀ ❀

४० - चंगॅह बीन मुर्ली

चंगॅह बीन मुर्ली नादा बूज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

दया कऽरनम दीनॅह दयालन, यथ दपान हातमि तय ।
आऽठन बऽनिथ कुनिय रूज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

संतव साधव हिसाब बूज़ुम, फाऽज़िल बाकॅई नय ।
गागॅरि मंज़ॅई सागर पूज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

ज़ुरॅह ज़ुरॅह वुछमस ज़ुरॅहकुय माया, छ़ाया काऽसिथ भय ।
विज़ि विज़ि शशकल सूहम वुज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

ब्वन कुन रूज़िथ च़्वन मंज़ छ़ोरुम, शे'न हुँज़ आऽसम प्रय ।
द्वो'न सॅत्य मीलिथ कुनुय सूज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

आगर्मॅह दीशुक पय ये'लि बूज़ुम, नयि मंज़ हू तय हय ।
तो'न्दॅकि नारय बुज़मुत बुज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

पाताऽल्य् पकनन पऽद्य ये'लि ज़ाऽलिम, आकाऽश्य् तुज़ॅमस खय ।
नऽहविथ ननि क्या वर्नॅहनुक नज़ॅम, राधा-स्वामी हय ।।

हू छा हा छा मेहवर मा'ह छा, जा'ह बॅ जा'ह क्या छय ।
सुय गव नज़ॅम इस्मि अज़ॅम, राधा-स्वामी हय ।।

इस्मि अज़मस कन छस दाऽरिथ, फ्याऽरिथ च्योमय मय ।
ये'ति क्या रो'टुम तो'त क्या सूज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

भागि छु आमुत यी भाग्यवानस, अबक छानस सय ।
ये'मिय बॅ पूज़ॅस सुय म्य पूज़ुम, राधा-स्वामी हय ।।

***

४१ - दिलबरुँह दिलारामुँह

दिलबरुँह दिलारामुँह चुँये मनि निगारो ।।

प्रणाम ग्वड्डुँनिकि थानुँह, बो'जुँ हुँदि ध्यानुँह निगारो ।
प्याला रूजुँस च्यनि अन्दर मनि निगारो ।।

द्वो'न अछि पोशन मालुँह, च्यय दुम्बालुँह निगारो ।
रठ नालुँह पन मा छे'नि अन्दर मनि निगारो ।।

आम्यन पनन पोश ताऽरिम, तोशि निगारो ।
च़्यय निशि लऽग्य् चमकुँनि अन्दर मनि निगारो ।।

यिछ़ तारुँकन मंज़ ज़ूनि शूबान, चूनि निगारो ।
नक्काश नकशुँह खनि अन्दर मनि निगारो ।।

सिरियन होवुम तीज़ छु क्या'ह, चीज़ निगारो ।
ठंड ये'लि प्रचंड बनि अन्दर मनि निगारो ।।

शिवस कऽरिम बोसुँह, वलस तोसुँह निगारो ।
बस गोम बसम तनि अन्दर मनि निगारो ।।

हा'ह रूद हूचे जायि ज़ोनुम नुँ पायि निगारो ।
छाऽनिथ पथ क्या छे'नि, अन्दर मनि निगारो ।।

ग्वरन दो'पुम दाय हमसनि त्रायि निगारो ।
यि ओस ती रूद बनि अन्दर मनि निगारो ।।

गोवे'न्दुँह नावस लोल बो'रुम शोलुँह निगारो ।
कुकिलि ओ'नुम वनि अन्दर मनि निगारो ।।

कें च़व छोंडुय टूरि चन्दुन दूरि निगारो ।
कें च़व मो'लुय तनि अन्दर मनि निगारो ।।

कें'ह बरुँह नीरिथ न्यासुँह थऽविथ दास निगारो ।
कें'ह सास मऽलिथ छे'न्य् अन्दर मनि निगारो ।।

हर मन्ढ़ुँ सूहम दानि प्रेमुँह चानि निगारो ।
भाग्यवान ती रूज़ चे'नि अन्दर मनि निगारो ।।

❀❀❀

४२ - नो'वुय बुलबुल नो'वुय गुलज़ार

नो'वुय बुलबुल नो'वुय गुलज़ार, नो'वुय बहार वुछमय म्य ।।
सो'रुम सूहम को'रुम छो'पुँह दम, छो'पि गुफ्तार वुछमय म्य ।।
नो'वुय तथ ज़ीरुँह बमुँसुँई तार, वज़न मज़ुँहदार वुछमय म्य ।।
नो'वुय छुस साज़ नो'वुय आवाज़, दो'गुँत्र तथ चार वुछमय म्य ।।
नो'वुय छुस च्यथ नो'वुय अंमृत, बे शुमार वुछमय म्य ।।
नऽविय सतज़न छि दाऽरिथ कन, उमेदवार वुछमय म्य ।।
नऽविय बरतन नो'वुय छुख अन्न, करुन आहार वुछमय म्य ।।
नो'वुय सोदा तुँ सोदागार, नो'वुय बापार वुछमय म्य ।।
नऽविय छो'ख आऽस्य गाऽमुँत्य इज़हार, नो'वुय कुलगार वुछमय म्य ।।
नो'वुय परहेज़ तुँ परहेज़गार, नो'वुय अनवार वुछमय म्य ।।
नो'वुय छुय शा'ह नो'वुय गव गा'ह, नो'वुय दरबार वुछुमय म्य ।।
नऽविय सीवक छि सीवाकार, नो'वुय समसार वुछमय म्य ।।
वनन भाग्यवान लोलुँच ज़ान, शमशेरि दार वुछमय म्य ।।
ये'मिस बनि ज़ान सु छुय भाग्यवान, स्यठाह दुशवार वुछमय म्य ।।

❀❀❀

४३ - जल वलुँह जलवुँह म्य हाव

जल वलुँह जलवुँह म्य हाव।
म्य मो तम्बुँहलाव मत्यो ।।
बुँ वऽछ़सय पऽतिमे प्यारे, प्रारय दऽछिनि दारे।
चुँ कीश मुचुँराव मत्यो ।।

म्य छम नुँ चाऽनी ज़ीर, म्य हावुम पनुँनुय पीर।
दूर्यर मुँ पाव मत्यो ।।
बुँ वुछुँहऽन रो-ब-रो सुय, च़ल्यम अदुँह साऽरुँई दुँई।
म्य सोरुय भाव मत्यो ।।

म्य होवुथ क्या'ह यि ख्वाबुँई, गऽयस ना बेताबुँई।
सु आबुँई च्याव मत्यो ।।
बुँ वुछुँहऽथ सुबुँह दमय, च़ल्यम अदुँह सोर गमय।
ओ'मुँई बोलुँनाव मत्यो ।।

चुँ रूदुख दूरि-दूरुँई, म्य सूँत्य कर वादुँह पूरुँई।
म्य मो मंदुँछाव मत्यो ।।
बुँ दशिनुँई म्वखतुँह वूरय, कराऽहयो गूरुँह गूरय।
चुँ दूर अऽलुँहराव मत्यो ।।

म्य दो'पुँमय वथ म्य हाव, स्वरय अदुँह चोनुय नाव।
रोजि़ नो ग्राव मत्यो ।।
फेरुँहाऽ च़ोपोरुय, अनुँह कति त्यूत ज़ोरुय।
छअ ख्वरन-खाव मत्यो ।।

पकुँहाऽ ननुँहवोरुय, बारि छुम गो'ब बोरुय।
सु घाठ वातुँनाव मत्यो ।।

अमिय छ़ेरुम म्य गोवे'न्द, सु वातुँहनावि सोरुय अंद।
चुँ मुक्ती द्याव मत्यो ।।

को'रुय तऽम्य गम नाशस, छ़ारान भाग्यवान छस।
वुँ अमृत त्राव मत्यो ।।

गछ़्यस पानुँह भाग्यवानुँई, अन्यस यूय् पनुँनि पानय।
बो'रुय क्या चाव मत्यो ।।

म्य मो कर यूत चे़रुँई, वुछय नो बो'ठ तुँ बेरुँय।
म्य बर मुचुँराव मत्यो ।।

म्य आमुत लोलुँह तीरुँई, तमिय छम मजबूरुँई।
सिरन कन थाव मत्यो ।।

म्य गोमुत छुम होलुय, वुछन गोवे'न्द कोलुय।
म्य मो मऽशराव मत्यो ।।

ओ'मुँई रो'टमय म्य लये, अदुँह टोठ्योम दये।
हिये फ्वलुँनाव मत्यो ।।

म्य .वन कुस गव लोलुँय, मऽठिम शुय् माऽज्य मोलुय।
चुँ लोल बाऽगुँराव मत्यो ।।

बुँ वनुँहा बे'यि बे'ये, बुँ हावुँहा म्वयि म्वये।
शे'ये वो'ञ थाव मत्यो ।।

म्य डो'लुँमुत ओस मनुँई, रनुँह किथुँह शूच़ अनुँई।
हे'यिय किथुँ छाव मत्यो ।।

गऽयस शुद्ध हन हनुँई, ख्यतम वो'ञ बूज़नुँई।
च़ल्यम आमुँताव मत्यो ।।

बुँ ख्यावथ खीरुँह खंडुँई, चुँ हावुम अखंडुँई।
ठंडा पिलाव मत्यो ।

फऽटिथ आऽसुँस बुँ मोहस, सु रूदुम प्यठ कोहस।
दो'हा रव त्राव मत्यो ।।

म्य हावुम गोवे'न्दुँई, ख़ुल्यम अदुँह नादुँहब्यन्दुँई।
सु नाद वुज़ुँनाव मत्यो ।।

करुम मन प्राण बंदुॅई, म्य हावुम शो'कलुॅह-चंदुॅई।
अंदुॅई वातुॅनाव मत्यो ।।
वन्योव म्य ल्वकुॅहचारस, छु युन वो'न्र नव-बहारस।
छि गुलुॅनुॅई क्राव मत्यो ।।
च़्य थो'वथम नऽम्य तऽली, यो'तताम प्योम मो'ल्य् मो'ली।
च़्य छो़ंडुथ भाव मत्यो ।।

म्य छो़ंडुय ज़रगरुॅई, सु हाव्यम ज़रुॅह ज़रुॅय।
अन्याय अऽन्ज़राव मत्यो ।।
गऽयस हा भाग्यवानय, म्य वुछिमय दानुॅह दानय।
लऽजिम बो'ठ नाव मत्यो ।।

❀ ❀ ❀

४४ - वलय गछ़ुॅवय सतग्वरुॅ द्वार वे'सिये

वलय गछ़ुॅवय सतग्वरुॅ द्वार वे'सिये,
सतग्वरुॅ द्वार क्या छु शूभिदार वे'सिये ।।

आम काऽसिदा पुर खुमार वे'सिये,
दो'प म्य तस कुन दो'ह तारुॅह प्रार वे'सिये ।
वलय वनुॅयय तस् द अनहार वे'सिये, सतग्वरुॅ द्वार क्या छु ...

छुस त्रिशूला'ह त्रिखमदार वे'सिये,
बे'यि डाबरा'ह क्या'ह डोलदार वे'सिये ।
सुॅह मुॅसला'ह सूहमकार वे'सिये, सतग्वरुॅ द्वार क्या छु ...

पाद वुछिमस शमशेरि धार वे'सिये,
ज़ंगुॅह वुछिमस संगि मर मर वे'सिये ।
नरि वूछिमस थरि गुलज़ार वे'सिये, सतग्वरुॅ द्वार क्या छु ...

अथुँह वुछिमस सत फम्वार वे'सिये,
नम वुछिमस गुलि अनार वे'सिये ।
सीनुँह वुछुमस बीन बाजिवार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

योनि वुछुमस दोलुँह शा'हमार वे'सिये,
हो'ट वुछुमस गटि गवहार वे'सिये ।
म्वख वुछुमस म्वख्तयहार वे'सिये, सतग्व. द्वार क्या छु ...

वुठ वुछिमस वो'जुॅल्य् नार वे'सिये,
दंद वुछिमस कन्दुँह गुफ्तार वे'सिये ।
ज़्यव वुछिमस दे'विकुलमार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

नस वुछिमस बस्त दमदार वे'सिये,
बुमुँह वूछिमस रुमुँह कजिदार वे'सिये ।
चे'श्मुँह वुछिमस़ पुर खुमार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

कन वुछिमस गुलि गोशवार वे'सिये,
डे'कुँह वूछुमस टिक्युँह खावार वे'सिये ।
कलुँह़ वुछुमस कुल सम्सार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

बन्द तथ मंज़ च़ऽन्द्रमुँह तार वे'सिये,
जटुँहनुँई मंज़ जटाधार वे'सिये ।
नाव तऽम्यसुंद कालुँह समहार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

तऽमिय दो'पुम म्य रजि़ पान खार वे'सिये,
सूहुँह सूॅत्य लगि मूहस नार वे'सिये ।
अदुँह हावय गुलि बहार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

रूप वुछुमस दीपुँह आकार वे'सिये,
सुय को'रनम म्य ग्वरुँई यार वे'सिये ।
कालुँह भयुँसुँई कऽरनम म्य लार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

वो'नुय भाग्यवानि व्यहो'य असरार वे'सिये,
गोवे'न्दुँह-गू शा'हस चुँ खार वे'सिये ।
रठ चुँ सतग्वर गुल तुँ गुलज़ार वे'सिये, सतग्वरुँ द्वार क्या छु ...

४५ - दिलुँह गोश दारुम

दिलुँह गोश दारुम विलुँह बोज़ म्याऽनी
शिलुँह पदमाऽनी दीदार हाव ।।

नाव कऽम्य् को'रुये नूर बेगाऽमी
नूरुँकि नूरुँह सूँत्य दूर अऽलुँहराव ।
नारान नावुँचि चूनि जराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

स्वर्गुँचि आयय हूरुँह वनवाऽनी
दूरन चान्यन ओ'मुँकुय नाव ।
सूहम कलमुँह सूँत्य आव लेखाऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

शिवशङ्करुँनिय छखय राजिरे'नी
माऽलिस चाऽनिस हीमाल नाव ।
स्वरगुँचि हूरुँह छय गूरुँह कराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

जामुँह कऽम्य रंऽगिये रंगुँर्य नुन्दुँबाऽनी
अमृत रंगुँनुँई ह्यो'तमुत छाव ।
स्वरगुँक्यन जामन वाव कराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

गऽहनुँह कऽम्य गऽर्यये गा'ह त्रावाऽनी
गऽहनस चाऽनिस पासुक भाव ।
गोवे'न्दुँहगू सूँत्य आव गराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

स्वरमुँह कऽम्य लोगुँयय स्वरमुँह नुँबाऽनी
सूहम मीलि सूँत्य बरनय आव ।
चे'श्मुँह मखमूरस मूरुँह दिवाऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

नम चाऽन्य् रऽगिमुँत्य पानुँह नाराऽनी
त्रे' ताप म्याऽनी शिहलिथ आव ।
यि शाप कोसुम चाऽन्य करमुँलाऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

द्वनुँवय दुनिया'ह द्राव मंदाऽनी
ख्वरन लाऽजिन ओ'र्मुँचिय ख्राव।
नावि हुंद नम आव बो'ठ खाराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

खूर हय रो'टुनय अथुँह पनाऽनी
प्रेमुँकि पानि सूँत्य बरुँनय आव ।
गुरुँह गुरुँह को'रनस ग्वरुँनुँई म्याऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

शशकलि प्यालस छु अथुँह दाराऽनी
शे'यि शे'यि लायान शिवस नाद ।
शिव-शक्ती वुछ ग्वरुँनुँई म्याऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

शिव स्वरूपस दूरि वुछाऽनी
वा'ह वा'ह ओ'मुँह सूँत्य छुस करान वाव ।
सूहम दानि सूँत्य द्वध मन्दाऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

द्वधुँह मंजुँह खारान लाल दुरदाऽनी
मुश्ताक तथ छुय ज़रगर नाव ।
मिहनुँह कनि शूबान मारि पेचाऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

ज़रुँह सूँत्य शूबान सर छुम चोनुई
हरुँनुँई को'रुँई नुंदुँनोनुय नाव ।
पारवऽतीयि पूर कऽर्य पूरण म्याऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

वारुँह वारुँह शिवस छअ पानुँह मंगाऽनी
प्याला फिर्यूज़्यस माला माल ।
खाल खाल बे'यि च्यन सूँत्य-बाऽज्य् म्याऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

म्वखुँह म्वखुँह रूज़िथ वुछि म्वख चोनुय
स्वखुँह म्वखुँह शूभि दर्शुनुँई हाव ।
आऽशिमचि़ दो'पनम आऽश कराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

नस चाऽज दुरदानुँह चे'श्मुँह खोबानी
रुमुँह रुमुँह बुमुँह चानि छम करान वाव ।
तीरि मिज़गान चाऽज नूरुँह लेखाऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

ड्यकुँ चोन फ्वलुँवुन टिकुँह नूराऽनी
गोवे'न्दुँह नावुँ सूँत्य गरुँनय आव ।
तथ मंज़ ज़रुँची चूनि जराऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

यिम कन दारन यिमन असरारन
बे-गोश मानि क्या चा़रन तथ ।
यिम गऽयि बे-गोश तिम गऽयि अऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

लोलुँक्य् असरार ये'लि कांऽसि सऽनिय
सुय अदुँह बनिय सू हम सू ।
तसुन्दुय फसलाह बऽनिथ बनिय, शिलुँह पदमाऽनी ...

यस ग्वरुँ दया तऽम्यसुँई ननिय
फसलस भयि क्या करनय तस ।
तस कति रयि छ़ठ फसलस अनिय, शिलुँह पदमाऽनी ...

लावि लावि लोनी घरुँह सू अनी
मुनिथ रनी घरुँहसुँई मन्ज़ ।
सुय दियि नो'व ?स प्रे'यम घनिय, शिलुँह पदमाऽनी ...

बोज़ भा ग्वानी हरुँह हरुँह करिय
ज़रगर करिय ग्वरुँ सुँदि सूँत्य ।
गम गऽल्य् साऽरिय तुँ गुल फो'ल्य् म्याऽनी, शिलुँह पदमाऽनी ...

४६ - दिलुँह मंजुँह काऽसनम

दिलुँह मंजुँह काऽसनम कुलुँहची खाऽरी
क्वछि क्यथ कृष्णुँह मुराऽरी छुम ।।

ग्वडुँहन्यथ दोरुम अऽम्य्सुंद ध्यानुँय
पानुँह भगवानय म्य टोठ्योम ।
कृष्णुँह सुँद्य नावन साऽरी ताऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

कुकिलि म्य लोयुम गोवे'न्दुँह आलव
शिव आव तिमुँवुँई नालव सूँत्य् ।
शिवन अमृत ज़ल को'र जाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

गवरी बे'ञि हुन्द छुम प्रसादुँई
तऽम्य् बूज़ सूहम नादुँई म्योन ।
शिवस रूज़ुँई अथुँह दाऽर्य् दाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

शिवन वो'नुस ओरुँह सम्वादुँई
अऽम्य पूज्य् पम्पोशि पादुँई साऽञ ।
पानस सूँत्य अऽम्य काऽत्याह ताऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

सानि बापत त्रोवुन कारुँह बारय
मनि मंज़ लोलुँह सेतारय छुस ।
सूहम तारुँह छस तथ चाऽर्य् चाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

मटि मटि साऽरिन लोलुँह पोश बाऽरी
तमिकिन्य् अऽम्य्सुँद्य बाऽरी छिम ।
तमिकिन्य् तारख अऽम्यसुँद्य साऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

गवरी को'रनस ज़ारुँह पारय
बे'यि दुबारय वारुँह वनतम ।
आया संऽज़्य् किनुँह मंऽज़्य् बाज़ाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

ललि हुँन्द्य् पाऽठ्य् अमि ह्यचुँह दिनि डालय
अथुँनुँई अमृत प्यालय छिस ।
ताव्या तोन्दूरुँह किनुँह बुखाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

शिवन वो'नुय पनुँनि राजिरे'ञे
यिति ललुँमचि़ हुँज़् बे'ञे आऽस ।
अख तावि तोन्दूरुँह बे'यि बुखाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

अमि किन्य् म्यूलुस ग्वरुँ प्रसादुँई
बूजुस लोलुक नादुँई तऽम्य ।
रुमुँह रुमुँह वुछनस लोलुँकी बाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

वारुँह वारुँह वनिय लोलुँह अफुँसानय
बनिय तमिकुय दुकानय अख ।
लोल म्वलुँनावन लोलुँह बापाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

अमिकिन्य् ज़ोनुनय नुँ ग्वरुँनुँई चारय
लोलुक बारुँई छु गो'ब आसान ।
खाल कांऽसि बारि छि लोलुँक्य् बाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

लोलुँह सूँत्य म्यूलुस सतग्वरुँ ध्यानुँई
नो'न जानानय पानुँ ड्यूंठुम ।
लोलुँह द्वध चोवुम लोलुँह प्याऽर्य प्याऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

लोलुँह सूँत्य आऽसिस लोलुँह अऽश्य् टाऽरी
अऽम्य बो'दुँह ब्राऽरी छऽलिनस तिम ।
सूहम स्वरमुँह बऽर्यूनस टाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

गंङ्गायि गंङ्गाजल को'र जाऽरी,
शिव तुँ शक्ती सायस छिम ।
लोलुँह सूँत्य आयस ग्वडुँह अनवाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

गोवं'न्दुँह नावुक फल गव जाऽरी,
<u>भाग्यवान</u> दपान लोनुन छुम ।
गुलि दस्तव सूँत्य गंऽडिनस बाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

लोलुँह खल बो'रमय लोलुँकि फलय,
नखुँनुँई ज़्रुँह दुशालय छुम ।
नारान नावुँच छस किनाऽरी, क्वछि क्यथ कृष्णुँह ...

❀❀❀

४७ - छुम पोशिनूलुँञ जामुँह

छुम पोशिनूलुँञ जामुँह गऽडिथ, कामुँह दीवुँई म्योन ।।

छुम साज़ मुर्ली चंगुँह वायान, रंग वुछुमस शोम ।
छुम नालुँह रो'टमुत हरुँह प्याला, ओम छा किनुँह ज़ोम ।।

हर वुछुमस ओम ज़ामुत, प्यालुँह वुछुमस ओम ।
प्यालुँह पो'यमस लोलुँह नारय, अदुँह सपदुम मोम ।।

शेरि वुछुमस मोरुँह छ़ाया, ओ'मकारय नोम ।
चूरि वुछुमस दूरुँह ग्राया, हूरि दिल ह्यथ गोम ।।

पूरि कनि खो'त पूरुँह नूरुँई, दूरि गा'ह ये'लि प्योम ।
नालुँह रो'टुमय वारुँह वारय, दामुँह प्याला च्योम ।।

लछिनोवुय दछि पोंम्पुर, अछि दारे प्योम ।
गछि कुठि छा गटुँह कुठि छा, वटुँह छा डुलोम ।।

नरदुँह ग्युंदुनम परदुँह छाये, दरदुँह बागस गोम ।
शशपंजस लऽजिमुँह ग्राये, दुखाला ओम ।।

दरदुँह पोशन करदुँह ओ'नमुत, मरदनुँई हंज़ काऽम ।
नालुँह रो'टनय <u>भाग्यवाने</u> लालुँह निशि उत्तोम ।।

४८ - द्राम तमना'ह अनुँहऽन सालय

द्राम तमना'ह अनुँहऽन सालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

साल करुँहाऽ ग्वडुँह सतग्वरुँसुंई, सतग्वरुँसुंई चराचरुँसुंई ।
लोलुँह पोशन करुँहऽस मालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

शूच़ बूज़न तस क्युत रनी, अख राधा बे'यि रक्षमनी ।
भाग्यवाने को'रयो सालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

साल करुँहाऽ जाऽन्य् जानानस, नालुँह रटुँहऽन बुं सूँत्य पानस ।
जानानय तुं बे'यि श्यामुँलालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

खीरुँह खंडय बरुँसय प्यालय, चे'यि प्याला'ह माला मालय ।
डालानस प्यठ दियि डालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

जसुधा द्रायि तस छ़ारुँने, अख कृष्णस तुं बे'यि रक्षमने ।
सु छु फेरान जमुनायि नालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

रो'त्रि छो'त्रि छो'त्रि चोन गोम करुँसुंई, सु छु फेरन बिन्द्राबनुँसुंई ।
गोपियन सूँत्य मारन छ़ालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

वारुँह बूज़ुम मुरली नादुँई, गऽयस शादुँई बोज़ुँह सम्वादुँई ।
लोलुँह लायान भाग्यवानु नालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

वर द्युतुँथम शुभुह दर्शुनुय, दर्शुन अमृत वर्शुनुय ।
प्रेयमुँह प्याला रो'टुमय नालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

जाय कऽरमस मंज़बाग मने, तनुँह छोंडुम सनि वो'गुँने ।
छुम तमना'ह अनुँहऽन सालय, अख गोपी तुं बे'यि गोपालय ।।

✽✽✽

४९ - बुॅ मालुॅह पोशन करुॅह च़्यय

बुॅ मालुॅह पोशन करुॅह च़्यय किचुॅह पनुॅने दसतय ।।

चुॅ प्यठ गोशन ब्यह सतग्वरुॅह अस्तय अस्तय ।
गछ़िनय गोशन गोश म्याऽनी गाऽ'ॅत्य् खस्तय ।।

छुख मा रोशन प्यालुॅह सूॅत्य च्यतुॅह गो'धुर मस्तय ।
अऽलुॅराव दूरुॅई गूरुॅह करय अस्तय अस्तय ।।

गोश गऽयि खस्तय अमि सूॅत्य प्रान गोम बस्तय ।
ने'त्रव सूॅत्य वुछ शुक्य् मुच़राव अस्तय अस्तय ।।

मंज़ दऽरियावस यीरुॅह कऽम्य बुॅ छुॅनिमुॅच़ छस तय ।
दम दिथ खारुम गम कासुम अस्तय अस्तय ।।

मंज़ दऽरियावस वुछ ज़रुॅनुॅई अस्तय अस्तय ।
पानय वुछिनस पान गोमुत सोरुय खास्तय ।।

को'रुन हू हू दम द्युतुन छ़ाँडन बस्तय ।
स्य-मंज़ नारस वुछुन कुन्दन अस्तय अस्तय ।।

सो'म्बरिथ दानय बन्द कऽरिम पनुॅने दस्तय ।
पानुॅह ज़रगरुॅनुॅई गटि लाला'ह बनोवुॅनस्तय ।।

खालि बे खाल लाल होवुन अस्तय अस्तय ।
खुर्य् आव कासान शुर्य् ति गाऽमुॅत्य् तऽथ्य मंज़ बस्तय ।।

दोरुन कनुॅई धानुॅह गोमुत सोरुय खास्तय ।
शिलुॅह पदमाने पानुॅह दो'पुन ब्वनकुन वस्तय ।।

शिव तुॅ शक्ती ज़रुॅहसुॅई मंज़ साऽरुॅई छस तय ।
द्युतनम ध्यानुॅई <u>भाग्यवानुॅई</u> प्रारान छस तय ।।

द्युतनम प्रानुॅई युस गोमुत ओसुम खास्तय ।
बुॅ मालुॅह पोशन करुॅह च़्यय किच़ुॅह अस्तय अस्तय ।।

❀ ❀ ❀

५० - हर्‍युँहनुँई द्युतनम हर्‍युँकुय प्यालय

हर्‍युँहनुँई द्युतनम हर्‍युँकुय प्यालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

मस्तानुँह सुन्द च्योम मसकुय प्यालय, वुछमय माऽसूम खयालय म्य ।
वला दुशालय किनुँह च्यमुँह प्यालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

शशकलि को'रनय शीव मो'तवालय, वुछुँमस मस्तानुँह चालय म्य ।
मस खाऽस्य वुछमस मालामालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

ग्वरुँसुँई गरि गरि करुँहाऽ सालय, घर्‍युँह मंजुँह वुछुँमस चालय म्य ।
बऽर्य बऽर्य थऽविमस प्रेयमुँक्य प्यालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

बालुँह-बावुँह फियूरुम बालय बालय, वुछुँमय शुर्य खयालय म्य ।
यियिना वलुँहऽस हिवि दुशालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

कृष्णन को'रुम ग्वडुँन्यथ सालय, गरि गरि रठखा नालय म्य ।
यिया घर्‍युँह किनुँह जमुनायि नालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

शीवस तुँ शक्ती वो'थ खयालय, तिमुँवुँई को'रहऽय सालय म्य ।
शिव मा खार्‌यम प्यठ पाँचालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

ग्वर म्योन रूदुस पानुँह दुम्बालय, तमिकिञ द्युतनय लालय म्य ।
कुनिसुँई लालस क्या'ह करुँह मालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

कुनुय लालय छु खालि बे खालय, मनि मंज़ को'रमस सालय म्य ।
हूहुँकुय लालय सुह सम्बालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

शेरस वऽन्य्ज़्या बेरि हुन्द शालय, खेरस ताऽरमय छालय म्य ।
येरस वून्य्ज़्या तोसुँह दुशालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

मो'ञि मंज़ रो'टमस रो'ञि हुन्द खालय, छो'ञि सूँय दिचुँम डालय म्य ।
रञि सूँत्य कऽरिमस रो'हिसुँई मालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

कीशस दो'पुॅमय कीश सम्बालय, निशि रूदुम कलुॅहवालय म्य ।
ग्वरुॅसुॅई सूॅत्य च्योम हरुॅहकुय प्यालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

शीवस दो'पुॅमय शशकलिवालय, गरि गरि मन म्वतुॅवालय म्य ।
या लाग तनि तन नतुॅह पान ज़ालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

गोवे'न्द नावुॅक्य कुकिलि दित्य् नालय, गोवे'न्द नाऽली नालय म्य ।
भाग्यवान ह्यथ खसि प्यठ पँचालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

रोवुमुत लाल आव बे'यि बरहालय, रो'टमय नाऽली नालय म्य ।
नालुॅक्य रटि लालस कां'ह कां'ह खालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

स्वदामुॅञ हिश कऽरमस चालय, तमि किञ न्यूमस मालय म्य ।
दशिनुॅई वुछिमस दशिलूकुॅहपालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

सरुॅसुॅई वुछिमस ज़रुॅची चालय, हर छुय नाऽली नालय म्य ।
घरुॅह मंजुॅह द्युतुॅनम हरुॅहकुय प्यालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

<u>भाग्यवानि</u> छोंडुय प्रभातकालय, शक्तिनाथ रो'टमय नालय म्य ।
कृष्ण तुॅ कीशव गूँगरवालय, गरि गरि रो'टमय नालय म्य ।।

५१ - कस वनुँह वे'सिये

कस वनुँह वे'सिये अंऽदरिम दोदुँई, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

आकाशि आव किनुँह पाताल्य् वो'थुय, मन मथरायि छुम तऽम्युसुन्द कयाम ।
लोलुँह थऽज्य् वोयुँनम वाऽरागुँह द्रोतुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

असवुँनि म्वखुँह छुम खुमारुँह हो'तुय, तुमारुँह वुछुमस जुलफन खाम ।
बुँ मारुँह कऽरनस लारस ता'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

लोलुँह मीलि यऽन्द्रस कलमाह तो'तुय, तमि सूँत्य को'रनस नामो पैगाम ।
आराम न्यूनम सो'तुय सो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

बालुँह बावस ओस सालुँह आमुतुय, नालुँहमति रऽटनस दित्य्नम जाम ।
दिमुँसा दाम किनुँह च्यमुँह लो'त लो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

देलुँह कुछ्नन को'र दिल म्योन मो'तुय, लेलुँह सूँय पुँछुनम नुँ क्वल तुँ क्राम ।
बंगाऽल्य बोलि तऽम्य म्य आलव छुतुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

राधायि सूँत्य ओस गोमुत मो'तुय, वादा को'रनम मूलुँह कलाम ।
संग छुस दिल तय रंग छुस छो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

गटुँह कुठि छुनुँहनम दरवाजुँह वो'थुय, परवाज़ तऽम्यसुन्द वुछुम अनाम ।
युस तोर वोतुय सुय बन्योव मो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

अरुँशिचि कुरसी प्यठ युस खो'तुय, फरशस प्यठ युस शाहे-बहराम ।
वर्शस तिय यी अरुँशस खो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

पूज़ा पान किनुँह पूज़ा बुतुँय, नय तोर कऽलिमय नय राम राम ।
मन वनुँहनन को'र मन्सूर मो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

ललुँद्यदि छ़ोरुय तो'न्दुरा तो'तुय, भाग्यवानि छ़ोरुय गोवे'न्दुँह नाम ।
मत्रि मंज़ ललुँहवुन खो'ञ्जि लो'त लो'तुय, बंगाऽल्य् जोदूगर हय आम ।।

❀ ❀ ❀

५२ - ही ग्वरुँ हर दिम

ही ग्वरुँ हर दिम दामुँह चुँई, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

सर खम म्य को'रमय पानुँहसुँई, वर मों'गमय जानानुँसुँइँ ।
तमिकिञ छसय मस्तानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

लायय लोलुँक्य नाद बुँय, पूज़य सतग्वरुँ पाद बुँय ।
तमिकिय वनय अफसानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

च़यय सूँत्य नेरय साऽलुँहसुँई, अगम दीशस तेलुँहसुँई ।
साऽला करय शब्बानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

खसनस तुँ वसनस सुल को'रुम, परनस तुँ स्वरुँनस म्युल को'रुम ।
तमिकुय बनय दुकानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

कुँनुँहनस तुँ ह्यनुँहसुँई तुल को'रुम, शेतानुँहसुँई अदुँह बुल को'रुम ।
जानानुंहसुँई हमशानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

ह्यो'र ये'लि खऽच़सय ब्वन वुछुम, मंज़ हालि म्य कुंदन वुछुम ।
गाऽलिथ बनय दुरदानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

अगम दीशुक संज़ म्यय, जानानुँह पानस मंज़ म्यय ।
अचुँह क्या अन्दर बुतखानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

ग्लरुँ वाकुँहसुँई हू हू को'रुम, तथ कुन वुछिथ दो'ह दो'ह बो'रुम ।
तमिकिञ छसय ताबानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

ताबानुँह बुँय रवानुँह बुँय, बुत बुँय अन्दर बुतखानुँह बुँय ।
मिज़मानुँह बुय मे'हमान बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

छुय पूरुँह नूरुक रो'य म्य, छुय सूरुँह परनुक खो'य म्य ।
सूकलि वऽलिथ पेचानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

छुय शेर्‌हसुंई प्यठ मोर म्य, छुय मोरुँ खोरन तार म्य ।
जानानुँहसुंई चमकानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

वुजुँहमलुँह बऽनिथ आकाशुँसुंई, निर्मल बऽनिथ प्रकाशुँसुंई ।
तस गाशुँसुंई परवानुँह बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

गोवे'न्दुँह नावुक लोल म्य, गोवे'न्दुँह कोलुय मोल म्य ।
तमिकिञ छसय भाग्यवान बुँय, परवानुँह बुँय परवानुँह बुँय ।।

❀❀❀

५३ - रूदुम म्य दूरि दूरे

रूदुम म्य दूरि दूरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

तस पत हे'चुँम म्य खाऽरी, सु यार करिना याऽरी ।
चन्दुँनस करे'म म्य टूरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

मलस बुँ हनि हने, सु लालुँह यियिना वने ।
ख्यल मा ज़लस दूरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

रटिना म्य सूँत्य पानस, युथ रज़ छअ पेचानस ।
गाश ये'लि गाश । नीरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

थवि ना म्य सूँ ! सूँतिय, तस पथ मतेयि कूँतिय ।
युथ मोर पर्नुँनिय तीरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

शब्बानुँह यियिना योरुय, छु निशि छुनुँह दूरुँई ।
पानस छु पानय चूरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

रातस रो'टुम नालय, फवजि याँ संगरमालय ।
सुबुँह फो'ल प्रकाश पूरे, मन ह्यथ चो'लुम म्य चूरे ।।

लोलन कऽर्यनम आऽली, म्य लोलुँह जामय नाऽली ।
लोलुक बमुन छु मूरे, मन ह्यथ चो़'लुम म्य चू़रे ।।

ग्वरुँनुँई कऽरुँम म्य याऽरी, पादन लगस बुँ पाऽरी ।
वरि यस तुँ सु कवो यीरे, मन ह्यथ चो़'लुम म्य चू़रे ।।

वारुँह वुछ अन्दर नारस, कुन्दन ज़्या खारस ।
च़न्दुन बन्या वीरे, मन ह्यथ चो़'लुम म्य चू़रे ।।

केंच़न छु भक्ती-भावुँई, केंच़व च्यव दऽरियावुँई ।
केंच़व सो'गुय क्षीरे, मन ह्यथ चो़'लुम म्य चू़रे ।।

शीवन चाऽवुँस बंगय, सत-सुमुँहरनके रंगय ।
रिन्दुँह को'र गिन्दुना शूरे, मन ह्यथ चो़लुम म्य चू़रे ।।

लोल बरुँह गोवे'न्दुँह नावस, टोठान भक्ती भावस ।
ह्यो'त भाग्यवानव मूरे, मन ह्यथ चो़'लुम म्य चू़रे ।।

❀❀❀

प्रेम क्या वस्तु है?
यह बडे से भी बडा
और छोटे से भी छोटा है।
और फिर साथ ही न यह छोटा है और न बडा है।
किसी ने भी इस की असलियत का पतह नहीं पाया है।
एक प्रेमी कुते के साथ रहता हुआ आदमी अपने आप को
अकेला महसूस नहीं करता
परन्तु प्रेम से खाली हज़ारों आदमियों के साथ बैठा हुआ
भी वह अकेला है।

❀❀❀

५४ - दिवान छस कन

दिवान छस कन गछूयम ना छ्वञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

वुडान गछुँह आलमे बाला, न छुय दीदन न खयाला ।
न छुय पाफुँई न आसिय प्वञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

वुछान गछ़ प्यालुँहचिय मस्ती, च्यवान गछ़ त्राव हमहऽस्ती ।
म्वञन अन्दर करुस अदुँह म्वञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

वुछान गछ़ रोशनी प्यालुँच, मअ कर तीज़ी चुँ दुम्बालुँच ।
ववन फलि फलि करन अदुँह गो'ञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

बनन लोलस संगि फारस, नअ मंज़ हाले नअ मंज़ नारस ।
नअ छुय फारस नअ छय अदुँह कऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

अन्दर छुय लोल मतवालन, नअ छिय त्रावन नअ छिय चालन ।
नअ छिय तिम पूरुँह नअ छिय तिम छो'ञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

वुछन गछ़ लोलुँह दीदन मंज़, करन छुय मूल खिचुँनुक संज़ ।
कऽडिथ मूलय दिवान छुय वऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

बनन छुय लोलुँहसँ्! मदहम, बनन छुय लोलुँसुँई सूहम ।
बऽनिथ जामुँह बनन ऽध्य तऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

करुस लोलस दो'गु॒ शालय, वलुस पानस रटुन नालय ।
दियिय डालय करिय छ्वञ छ्वञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

यि लोलुँच डाऽल्य् गछ़ि हे'ञी, गछ़िय मन प्राण च्यथ कुनिय ।
यि बो'ज़ हुँदि प्यालुँह सूँत्य गछ़ि चे'ञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

वुछान गछ़ लोलुँचे चालय, अजब डाऽल्या रटुन नालय ।
न गछ़ि त्रावुँञ न गछ़ि अदुँह चे'ञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

नअ बुँय बूदुँई नअ नाबूदुँई, नअ छुम सोदा नअ छुम सूदुँय ।
नअ छिम दस्तय नअ वनुँहनम रो'ञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

कऽरिथ पाऽराव छस पानस, नअ दोरानस नअ ठिकानस ।
नअ छस पाऽरिथ नअ छस न्यथुँहनऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

द्युतुम कन लोलुँक्यन नालन, तमिय लऽज्य ग्राय मस प्यालन ।
नअ म्यय निश काँह नअ छस कुञ ज़ऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

म्य छोंडुम कुकिलि नालन मंज़, छु गोवे'न्द मस्त खयालन मंज़ ।
सुन्दर वाऽनी छअ कोमल थऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

म्य बूलुम कुकिलि गोवे'न्दगू, बुँ बनुँह शक्ती चुँ बन शो'म्बू ।
वे'शनुँह माया म्य हावुम नऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

दिवान भाग्यवान छअ लोलस दाम, तिमय अगम तिमय अनाम ।
यि लोलुँच वऽञ स्यठाह छय सऽञ, गलान छस यार डेंशन व्वञ ।।

❁❁❁

इस घट अंदर बाग बगीचे
इस में सिरजनहारा।
इस घट अंदर साथ समन्दर
इस में नवलखतारा।
इस घट अंदर हीरा मोती
इस में परखनहारा।
इस घट अंदर अनहद बाजे
इस में उठत फुवारा।
कहत कबीरा सुनो भाई साधो
इसी में गुरू हमारा।

❁❁❁

५५ - यथ को'र म्य पानय नोश

यथ को'र म्य पानय नोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

प्याला ह्यथ आम सुय, दो'पुँनम यि च्यख ना चुँई ।
ग्वडुँह ग्वडुँह गों'डुँनम जोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

सुय दामुँह च्योमस म्य, वुछ लोलुँह नारस रे'ह ।
ह्यथ आम जिगर गोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

शब्बानुँह प्याला च्योम, ताबानुँह वुछ नुन्दुँहबोन ।
जानानुँह मसाऽ रोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

ज़ुरुँह ज़ुरुँह ज़र छस बुँई, फो'ज्य दरदुँह बागस हिय ।
म्य कुन वुछिथ तोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

गिलि दित्य् म्य ज़िकरे दम, सुलि फो'ल्य् म्य गुलि बादम ।
आदनुँह रूदिय मोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

वुछ चूरि ज़ागन छिम, ज़न क्रीरनुँई मंज़ क्रिम ।
मस्तानुँह सुन्द छुम बोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

वन चूरि कऽमिस न्यूम, अल्लाह तय ओ'म ।
कथ प्यठ म्य छिम नाखोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

हुबुँहुँकि हूबाबय, रुबा'ह तुँ रुबाबय ।
वायय चुँ दारुम गोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

सिरियस म्य दिचुँम छ़ाल, तऽथ्य प्यठ म्य त्रोवुम ज़ाल ।
बुँय पानुँह लाल फरोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

सिरियस म्य दिचुँम डाऽल्य, जानानुँहसुँई छस नाऽल्य ।
पुशिसुँई अथि छिय पोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

भाग्यवान बाऽनीकार, ये'म्य नालुँह रो'टुँनय यार।
युथ मूरि अन्दर पोश, च्यथ आम लोलुक होश ।।

५६ - आलव द्युतुय म्य श्यामन

आलव द्युतुय म्य श्यामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये।।

तनुँह ओस दूरि दूरे, दजि़मचि़ लावि मूरे।
वजुँहविथ हय आयि बामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

दोह पाँऽशि रावुँह राऽविन, परद्यन सूँत्य छाऽविन ।
खूचुम नुँ लूकुँह पामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

रो'छमुत हय ह्यछिनोवुम, चन्दनुँह सूँत्य नोवुम ।
सुबहन तुँ बे'यि शामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

मो'लमस हय टूरि चन्दुन, ह्यो'तमस पान वन्दुन ।
को'र यी सो'दामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

गंऽजरस लालुँह मालय, रो'टमय नाऽल्य नालय ।
आऽसम म्य मनि कामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

हनि हनि रक्षमने, लाऽजिस तन तने ।
मुचरे'म तनि जामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

रंगुँह रंगुँह रंग छाऽविम, रंगास मिलुँहनाऽविम ।
मंग कऽर चाँदि त्रामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

पारुँद्य छोर कुन्दन, को'रनस वाचुँह बन्दन ।
रोजय नुँ निशि खामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

न्युन छुम सूँत्य पानस, अन्दर दुरदानस ।
मजनून लाऽलि बामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

दूरे'र यूत पोवुन, केंछा म्य आँच होवुन ।
युथ सीतायि रामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

तमिकिञ आन माऽनिन, अदुँह भाग्यवान ज़ाऽनिन ।
रटि कोनुँह म्योनुय दामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

यियस वाऽरागुँई, करि कोनुँह दीशि त्यागुँई ।
नऽदियन दूर सामन, नालय रो'टुम म्य वे'सिये ।।

❀ ❀ ❀

५७ - नालय रऽटुँस बुँ यारन

नालय रऽटुँस बुँ यारन, ह्युतुँनम म्य प्यालुँह वे'सिये ।
ज़ाऽजिस बुँ लोलुँह नारन, कमि ताञ खयालुँह वे'सिये ।।

दम ह्यथ दमा म्य डियूँठुम, लोलुँहकि दुमेलुँह बयूठुम ।
ज़न छुम शिवालुँह वे'सिये ।।

प्राणव करस बुँ गऽज्यगाह, ध्यानुक वुछुम शहनशाह ।
ज्ञानुक मसालुँह वे'सिये ।।

वनुँहा तम्युक बुँ नावुँई, कावन छु टाव टावुँइ ।
बनुँहनम बयालुँह वे'सिये ।।

छु कावुँह टावस शोरुँई, तति छुनुँह मूरून खोरुँइ ।
बनि युस गवालुँह वे'सिये ।।

वऽन्य वऽन्य वनन सु फेरिय, शेरे अन्दर शेरी ।
त्राऽविथ दुखालुँह वे'सिये ।।

आना वुछुम म्य फाऽनी, करुँह क्या काऽरिसताऽनी ।
यकुँहकि यकबालुँह वे'सिये ।।

छि पथ फेरन कावुँई, तिहन्द छु सुय स्वभावुँइ ।
सूहम सवालुँह वे'सिये ।।

ज़रुँह ज़रुँह ज़र गोम हाले, निमुँह क्या आगस डाले ।
गूपालुँह शिवालुँह वे'सिये ।।

कीशन कऽर्यमस शानय, वुछमस परेशानय ।
त्राऽविन म्य ज़ाल वे'सिये ।।

ब्वन कुन गऽयम म्य गरदन, स्वन मा वुि न गंऽडिथ स्वन ।
ओ'नुँमस ज़वालुँह वे'सिये ।।

क्रूठ प्यव म्य यारुँह दोदुय, को'रनय बंगाऽल्य जोदुय ।
यथ प्यठ सु खालुँह वे'सिये ।।

जुरुँह जुरुँह सुँय वुछि खेलय, यस आसि जुरुँकुय ठेलय ।
करि क्या जदालुँह वे'सिये ।।

रूद्य भाग्यवान खामोशी, ज़रुँह ज़रुँह ज़रुँहकुय बोशी ।
हरुँहसुँई छे' नालुँह वे'सिये ।।

❊ ❊ ❊

काम करो और ऐसा काम करो जिस से ओरों की भलाई हो। पानी की तरह मन के मैल को धो दिया करो। हवा की तरह प्रेम के साथ ओरों को गले लगाना सीखो। आकाश की तरह विशाल चित्त होकर सब को अपने हृदय के अन्दर जगह दो। पृथवी की तरह बुरी से बुरी वस्तु को अच्छे से अच्छा रूप देना सीखो। आग की तरह गंदगी को जला कर सब को पवित्र करना सीखो।

❊ ❊ ❊

५८ - दशिरावुॅने दुरदानुॅह म्याने

दशिरावुॅने दुरदानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

कम खन्दुॅह कऽर्यथम चंदनस दिवदार ज़ोनुथ च्य ।
हे 'छिनावुॅहऽथ अनज़ानुॅ म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

कमि श्वोचि् शाञे खोऽचुॅनय सुॅह गोंछि् को'रुथ म्यूठ ।
मंज़् खशमसुॅई खोबानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

छुय गुलि कमल पादुॅनुॅई तल फरशि मखमल म्योन ।
मंज़् अरशहसुॅई रिज़्वानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

तवुॅह पादुॅनुॅई तल ब्वनं म्य त्राऽवुॅम छस नुॅ सुगंदीय ।
मा शेरुॅसुॅई भगवानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

दऽह कलुॅह लाऽगिय रावुॅनन पूज़ायि शङ्करसुॅई ।
कऽहिमिस छे'ह हान ताबानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

खन्दुॅह अकि कऽरथस बन्दुॅह बन्दय संद म्य करुॅञ छम ।
छाव भूशुॅनुॅई बाहानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

नऽञ पाऽठय वन्तम सऽञ तुॅ वोर्गुॅञ वऽञ म्य क्या छिम दिञ ।
छा बुत बनुन बुतखानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

कर ज़ान् लोलुॅच्य लोलुॅहकिय सामानुॅह पाऽरुॅञ छिय ।
नतुॅह दोलुॅह वुछनस मान म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

रद् लोलुॅहकुय दामानुॅह नतुॅह सामानुॅह जंगी छुम ।
सूॅत्य जानस हा जानानुॅह म्याने ज़ार वनाऽहया ।।

सामानुॅह पाऽरिथ नेरुॅह जंगस सूॅत्य संगस बो ।
दपुॅह क्या तिमन कपतानुॅह म्याने ज़ार वनहयो ।।

वो'नमुत छुमय जानानुँह म्याने जान बेगम बुँय ।
शा'ह त्राऽविथुँई शाहानुँह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।
बुँय लल आमुँच़ छ़ल कऽरिथ रुक्षमन तुँ राधा बुँय ।
बुँय लक्षमी नारानुँह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

कम ज़्यादुँह वो'नमय खम म्य त्रोवुम ह॰ चुँ पायस प्य ।
नतुँह शेरुँ सुन्द दाहानुँह म्याने ज़ा॰ वनाऽहयो ।।

सम च्यथ बम छुम चाऽरिथुँई त्रेलूकिये हुन्द शम ।
नम को'त रटस असमानुँह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

बुँय शङ्करस च़ऽन्द्रम तारा तवुँह म्य तारा नाव ।
बुँय भू भुवा भयानुँह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

बा'ह बोलि हे'छिमय लोलुँह चाने बो'हरूप्य् म्योनुय नाव ।
रठ मा'हवरुँई मंद्यानुँह म्याने ज़ार वनाऽहयो ।।

❀ ❀ ❀

निरन्तर अशाँत और व्याकुल रहना एक प्रकार की आत्महत्या है। मन को संकल्प विकल्पों से रहित रखने का प्रयत्न करना चाहिये। और सदभावनायें रखते हुए मन को कभी भी शून्य नहीं छोडा जाए। क्योंकि प्रकृति में कहीं भी शून्यता नहीं है। इस के लिए आवश्यक है कि अपने अन्दर अच्छे और पवित्र भाव भर ले जिस से वह अशुद्ध और बुरे विचारों से सुरक्षित रहे।

❀ ❀ ❀

५९ - म्य लाऽलि पो'रमय अमुँहसिपार

म्य लाऽलि पो'रमय अमुँहसिपार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

दो'शिवुँई पो'रमुत छु फुरकान, दो'शिवय आऽस्य् कुरानखान ।
चुँ वऽज़ीर बुँ सरकार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

ग्वस्त हावेयि दो'शिवय चीज़, दो'शिवय आऽसिद न्युय बीज़ ।
हुकुम म्योन छुय नारो नार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

चुँ छुख अकलि हुन्दुय शम, हुकुम म्योन छुय लोलुक बम ।
दीदव छि लेखुँज वीदुँह अखबार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

चुँ छुख अकलि हुन्दुय दीप, हुकुम म्योन छुय शशकलि रूप ।
चरागानस बन सवार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

बन सवार दि अखबार, अकलि हुन्द छुख वाऽकुँफकार ।
ग्वडुँह गछ़ि होरुन मालि सरकार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

चुँ छुख अकलि हुन्दुय कुल, बुँ छस लनजि लोलुक गुल ।
पथुँय रोज़य कथ शुमार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

चुँ छुख अकलि हुन्दुय नोक, तमिय ओसुम चोनुय शोक ।
लोलुक वावा दावादार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

च्य छुय अकलि हुन्दुय बोश, म्य तथ को'रमुत फरामोश ।
सरा आऽसिथ चुँ सीवाकार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

अकलि निश छय नुँ लोलस जाय, अकल थऽवुँई लोलन दाय ।
तालिय रटिय तालेवार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

अकलि सूँत्य छुय अहंकार, तमिय लोलन छ्युतुस नार ।
दस पाक कऽरिथ दस्त बरदार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

बेक्वॅल सो'दामस मंज़ बाव, कृष्णस कीशन वलनुँह आव ।
सो'शीला बुॅय खो'श गुफ्तार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

बेक्वॅल रक्षमन दो'ह अकि रूठ, पारि ज़ातस तलुॅ कनि बीठ ।
बन्दन गोस चन्दन दार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहया ।।

राधायि दो'पुस शिहलिस बे'ह, कृष्णुन नाव ज़ां'ह मुॅ हे'।
परद्यन सूॅत्य हय छुस व्यवहार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहया ।।

रक्षमन रूज़ुॅई अन्तरध्यान, कॅछ़ा ओसुय तस अभिमान ।
यथ समसारस दिमस नार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहया ।।

कृष्णन वुछिय स्वनि हुँज़ चाल, प्याला ओसुस माला माल ।
राधायि दो'पुन तान्यथ प्रार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहया ।।

ये'लि म्य यियी पनुन जोश, पानुँहवाऽनी करव नोश ।
तरिथ गछ़व अपरम्पार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहयो ।।

च्यावुन ओसुस पनुन टोठ, तस क्यिुत गो'रुन चन्दन कोठ ।
दो'ह अकि त्राव्यम मुशकुॅञ धार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहया ।।

छुय भाग्यवाने सुय बापार, यथ मंज़ नार खऽटिथ रूद ।
तथ क्या करनय समसाऽर्यदार, मजनूनुँह ज़ार वनाऽहया ।।

६० - वो'लो थञि चूरय करय

वो'लो थनि चूरय करय गूरुँह गूरय ।
कवो थनि बानन को'रुथ चूरुँह चूरय ।।

च्य त्राऽवुँथ राधा म्य गव वादुँह आदा ।
च्य बन्सी म्य सूरय करय गूरुँह गूरय ।।

चुँ टोठ्योख परुँनुँई, अन्दर गूर्य् घरुँहनुँई ।
बुँ प्यठ कोहि तूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

रऽटिथ परदीशय, म्य रऽटिमय कीशय ।
मऽशरिथ हूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

म्य यूगुक बलुँई, सु हा वुजुँमलुँई ।
बहाना प्रीरय, करय गूरुँह गूरय ।।

रऽटुँथ रक्षमनुँई, च्य रातर-द्यनुँई ।
अन्दर मखमूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

म्य छुम वाऽरागुँई, करव दीशि त्यागुँई ।
मन्दुन छुम खीरय, करय गूरुँह गूरय ।।

छु टाऽठिस टोठुय, चन्दन कोठुय ।
वुछिथ ॰न्सूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

छु यारस यारुँई, दमन शुमारुँई ।
बमन जऽहूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

म्य आख बालुँह बावस, अन्दर वावस ।
बऽनिथ सन्तूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

कऽरिम ललि छलुँई, छलय सोर मलुँई ।
अन्दर तो'न्दूरय, करय गूरुँह गूरय ।।

विभू आहारय, बबूतुक नार्रुंई ।
म्य पूरण पूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

खऽसिथ ह्यो'र ह्यो'रुय, हो'रुम सोर मो'रुय ।
शबानुंकि च़ूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

वुछुम अरधुंहरातन, च्युं निशि मुस्मातन ।
बऽनिथ कोफूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

गऽयायस अऽन्दी, अमा स़ो'नऽन्दी ।
बऽनिथ बलुंह वीरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

यिमय पऽतिमि प्यारे, निमथ अटुंहबारे ।
को'रुम फाश सीरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

स्वने हुंदि खारय, म्य प्यव युन दुबारय ।
नकुंल छुय कऽतूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

गऽलिथ तापुं सूंतिय, वऽलिथ-शापुंह सूंतिय ।
थवुम पूरि पूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

रिन्दन हुंज़ जायी, कुलाबस कलायी ।
गिन्दव दूरि दूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

च़य रऽटिथम बहानय, दिमय सूदुं सानय ।
कसर क्या'ह कऽसूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

म्य वो'नमुत नो'नुय, बुं द्वारुक पो'नुय ।
ज़हर क्या ज़ऽहूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

म्य निशि शक्तिपातुंई, ग्वरू शक्तिनाथुंई ।
वर्रुंई मन्ज़ूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

वनन <u>भाग्यवानुंई</u>, ग्वरुंई गाऽर ज़ानुंई ।
थवथ पूरि नूरय, करय गूर्रुंह गूरय ।।

६१ - कुनिय कथ म्याऽञ कर मंज़ूर

कुनिय कथ म्याऽञ कर मंज़ूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

वुछुम वीदन पुराणन मंज़, वुछुम आऽयीन कुरानन मंज़ ।
वुछुम मंज़ सूहमुँसुँई पूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

डलन छुम द्रुन अऽछन स्वरुँमय, छलन छस चानि शब्नमय ।
गलन छस यारुँह मो ह्यम दूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

ह्यचुँम यारस पथुँई खाऽरी, तमिय आयम म्य अनवाऽरी ।
ह्यथुँई साऽरिय गऽयस मन्ज़ूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

यि कोऽरनम ग्वरुँ सुँनदिय वाकन, न खूचुँस काऽतिलन श्राकन ।
नअ रूज़ुँस लोलुँह तीरन दूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

म्य निशि मो गछ़ क्षणस छ़ाये, म्य सूँत्य रोज़ युथ चुँ राधाये ।
मनुक मन्जुल ओऽमुक गूरुँह गूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

म्य मोंऽगमय ग्वरुसुन्दुय ध्यानुँई, तोऽतुय प्यठ दिम म्य परवानुँई ।
तिमय पूरन करुँञ छिय पूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

ग्वरस सूँत्यन करुम कीवल, वरुँई दिथ यी म्य मोंऽगुँमय फल ।
कुकिलि हुँज़ि बोलि मंज़ कोऽस्तूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

करुन त्रेलूकिये प्रक्करम, गछ़ूयम आसुन गुलस शब्नम ।
गुलस सूँतिय ज़लन छय मूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

ज़िंदस गिन्दुन म्य जानानय, मऽरिथ दिम शिवुँह निर्वानय ।
वतन वायुन सतुक सन्तूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

म्य मोंऽगुँमय अवलि प्रभातन, गछ़ूयम सतग्वर पनुन क्षन क्षन ।
करन भाग्यवान च़्य अऽथ्य मजबूर, वनान छय बागि इरमुँच हूर ।।

***

६२ - म्वजि मंज़ करय गूरुँह गूरुँह

म्वजि मंज़ करग गूरुँह गूरुँह, थनि चूरुँह दामा चाव ।।
थनि चूरुँह नूरकि नूरुँह, थनि चूरुँह दामा चाव ।।

निशि आयि जसुधायि, छ़ारान च़्य गूर्यबायि ।
बानन च़्य को'रथख चूरुँह, द्वो'धह चूरुँह दामा चाव ।।

गिन्दन सू'त्य राधाये, वो'ठ छु'निथ जमनाये ।
छ़ारन च़्य अकरूरुँह, बो'हदूरुँह दामा चाव ।।

कंसस हाऽविथ ज़ोर, बुतराच़ वोलुथ बोर ।
यम्बरज़्वलन पूरुँह, बोम्बूरुँह दामा चाव ।।

ग्वरु वर ज़ानुन ज़्यूठ, अमृत खो'तुँह छु म्यूठ ।
युथ लोलुँह वावस गूरुँह, कनुँह दूरुँह दामा चाव ।।

वर मों'ग सो'दामन, सो'य छ़म म्य मनि कामन ।
प्रारन स्वर्गचि हूरुँह, भरपूरुँह दामा चाव ।।

तो'न्दूरह ताऽविथ छुम, ये'ति ललि को'र ओ'म ओ'म ।
काऽठिस कर गूरुँह गूरुँह, मन्सूरुँह दामा चाव ।।

कुकिलि नालन मंज़, गोवे'न्दुँह नावुक संज़ ।
च़्वो'न वीदन मंज़ पूरुँह, मन्ज़ूरुँह दामा चाव ।।

सुय भाग्वाने डियूंठ, मूलस को'रनय लूठ ।
मन्ज़लिस छे'ह अलरान हूरुँह, मखपूरुँह दामा चाव ।।

✽✽✽

६३ - छुम मुराऽरी मंज़ मञे

छुम मुराऽरी मंज़ मञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

पूरि कञि खो'त पूरुँह नूरय, गूरुँह गूरय करुँह-हाऽस ।
हूरुँह द्रायस वनुँह-वञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

ज़र वुछमस हञि हञे, सर वंदस पादनुँई ।
वर यि ह्युतनम तिय म्य बञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

यि च़्य मोंगनय सो'दामन, तिय म्य कामन मञि छम ।
डाऽल्य चाऽनी काऽल्य नञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

तनुँह छो़ंडुम दूरि दूरे, अज़ म्य बमुन मूरि आम ।
युथ आमुत रक्षमञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

मस ह्युतनम मसतानन, जानानन पानुँह म्य ।
हर वुछमय हरुँहकञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

ये'ति रूज़िथ क्या छु लारुन, गछ़ि फ्यारुन द्वो'ध तुँ पोञ ।
मंज़ रूज़िथ अन्दुँह कञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

दोर त्राऽविथ बोर लो'त्ये, स्वति स्वते अंदि क्या ।
मंज़िलस लग्य वातुँहने, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

ग्वरु शब्दस माऽल बरुन, साऽल करुन हे'रि ब्वन ।
पाश त्रो'परिथ गाश अञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।
रूज़ कुकिल मंज़ दमस, लोलुँह शमस प्रारञे ।
तति कीवल द्वो'न बञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

बोलि अन्दर बोलि गोवे'न्दुँह, तोलुँह सूँत्यी तोलि पान ।
लोलुँह मय रोज़ दामुँह च्यञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

भाग्यवानन हञि हञे, मञि गोवे'न्दुँह वञि आम ।
भागि आमुत भाग्यवाञे, ह्यो'त म्य खो'ञे ललुँहवुन ।।

६४ - को'रुम ओ'म ओ'मुँई

को'रुम ओ'म ओ'मुँई ओ'मकारुँई बनुन छुम ।।

लगय ग्वरुह पादन थवुम गोश नादन।
बे'हय मंज़ साधन ग्वरुँहनुँई ग्नुन छुम ।।

वुछुम मनुँह वाजे ज़गतुक राजे।
ज़ुँह छस द्वधुँह माजे ना'हकय छे'नुन छुम ।।

दऽछिञ कृष्णह जीवुँई खोवुँर्य् सु शीवुँई।
छु दीवादिदीवुँई दिहि निशि तनुन छुम ।।

खोवुँर्य त्रिशूला दऽछिञ सोशीला।
भऽरुँम लोलुँह मीला अछरन खनुन छुम ।।

छु अमृत बानस मनुँहकिस थानस।
अऽमिस जानानस ग्वरस क्यिुत अनुन छुम ।।

दिमस लोलुँह सूँतिय ति च्यन तति कूँतिय।
तिमय च्यन थिमन सूसूहस मंज़ सनुन छुम ।।

खऽच़स ह्यो'र वारा य'तिय आयि धारा।
म्य वुछुमय सु हारा सो'दूरस सनुन छुम ।।

खच़ुँस वारुँह वारय नबस ज़न सितारय।
वसय मा दुबारय कीवल ननुन छुम ।।

वऽजिस चानि माये लगय पो'त छ़ाये।
गङ्गाये गऽयाये गोकल गनुन छुम ।।

छु तीज़स तीज़ुँई भाँवर कया चीज़ुँई।
स्व छय अख वीज़ुँई बो'बूरुँई बनुन छुम ।।

ग्वरन सूँत्य मेलुन, म्य छुय अदुँह खेलुन,
हरुन छो़'र मो'रुय, छो'ञ छा'ञिय मा छनुन छुम ।।

वुछान गछ़ चो़'पोरुय, मअ कर ज़ोरुँह शोरुय,
बऽनिथ रोज़ चोरुय बे'यन क्या प्रनुन छुम ।।

यि छुम ग्वरुँ वाकुँई, छु क्या व्वञ बाकुँई,
सु पानय साकुँई मित्र निर्धनन छुम ।।

बऽनिथ भाग्यवानन खसुन छुय वे'मानन,
अन्दर अभिमानन कूँत्यन अनुन छुम ।।

❀ ❀ ❀

नफरत

यदि किसी मनुष्य से नफरत करते हो तो याद रखो नफरत तुम्हारे पास वापस आयेगी और जिस प्रकार तुम औरों की बुराई चाहते हो उतना ही तुम्हारा नुक्सान होगा। तुम्हारे खयालात खराब हूंगे। नफरत करने से मनुष्य की दिली और दिमागी काबलियत को सख्त नुक्सान पहुंचता है और मनुष्य अपनी मनुष्यता से गिर जाता है।

❀ ❀ ❀

६५ - रुम छिम बोलान

रुम छिम बोलान ओ'म ओ'म, ओ'मकारुँह रो'टमख नालय ।

मलालुँह क्या छुय म्योनुय, माशोकुँह अज़ यितुँह सोनुय ।
वायय सूहमुँचि तारय, सेतारुँह रो'टमख नालय ।।

ते'लि ज़ूनि प्रकाश हूरे, ये'लि खसि नकाश पूरे ।
दूरे रोज़न नुँ सितारुँह, खावारुँह रो'टमख नालय ।।

होवुथ म्य क्या ख्वाबुँई, आबस अन्दर आबुँई ।
तनुन तुँ म्वटुन छु दुशवार, आब्शारुँह रो'टमख नालय ।।

ते'लि शीशि करान कुलकुल, ये'लि मेलि गुलस बुलबुल ।
बुलबुल छु छ़ांडान बहार, ल्वकुँहचारुँह रो'टमख नालय ।।

वऽल्यमुँत्य यिम चाऽञ सोज़न, तिम रोजुँह दऽरिथ रोज़न ।
रातस बोज़न सिपारुँह, सहारुँह रो'टमख नालय ।।

हर म्वखुँह हर गछ़ि च्यो'नुय, हरी हरस ह्यो'नुय ।
गङ्गायि गऽयायि गुपकारुँह, हरद्वारुँह रो'टमख नालय ।।

सवारि वुछुमय बृऽशब, त्राऽविथ तुरिया तुँ सो'शप्त ।
मंज़ ने'न्द्राये करारुँह, सवारुँह रो'टमख नालय ।।

द्युत जोश म्य चाऽञ लोलन, तमिय आयस बुँ शोलन ।
कोर्युँलन गोंडुन म्य नार, यखबारह रो'टमख नालय ।।

सरखम रूजुँस करिथ, प्रेयमुँह ज्ञञानुँह बऽरिथ ।
हऽरिथ आहम अहंकार, उपकारुँह रो'टमख नालय ।।

वाऽतिथ स्यमंज़ स्वये, पम्पोशि लऽक्षमी-पते ।
द्वन दरवाज़न दुबारुँह, दुयि चारुँह रो'टमख नालय ।।

सूहस तुॅ हमस नीरिथ, शेरे अन्दर शीरिथ ।
सोरुय सपुद हमवार, आहारुॅह रो'टमख नालय ।।

चो'ल <u>भाग्यवाने</u> शख भ्रम, गोवे'न्दुॅह नावुॅई छु उत्तम ।
छोरुम गामुॅह तुॅ शहारुॅह, ग्वरुॅहद्वारुॅह रो'टमख नालय ।।

✿✿✿

६६ - प्यारे मन मोहन

प्यारे मन मोहन पाया दर्शन, आया मोहन प्यारी ।
सत सत बोलन सातवाँ भोजन, और भी सातवाँ कारी ।।

गङ्गा गया और बिन्द्राबन, गाना गीत गुहारी ।
भूखंन भूजन देना क्षन क्षन, लेना लैल व निहारी ।।

गुरू धारण या गोवर्धन, धारन कैसा धारी ।
खानापीना जाना है नत्र, आना माई प्यारी ।।

रोना रोना सोना बचपन, ठाकना ठाकुर द्वारी ।
फूल गये फूलन पूरण पूरण, पूरण परम पुजारी ।।

कैसी पूजा कैर तन मन, फूलन करना हारी ।
सोने का लोटा चांदी के बरतन, चलती गङ्गा धारी ।।

लेना है वृत पीना अमृत, नागर गुरू नरनारी ।
गाना गुहारी लाना मुहारी, खाना दही दुहारी ।।

पाया दर्शन गुरू के चरणन, गोवे'न्द गिरधर धारी ।
ध्यान में ध्यान है जो <u>भाग्यवान</u> है, प्राण में प्राण की प्यारी ।।

✿✿✿

६७ – बुँ सोज़ वनय शब्बानुँह

बुँ सोज़ वनय शब्बानुँह, जानानुँह बोजुम कनय ।।

आश्चर वुछुम इला'ह, न सामानय न सिला'ह ।
दो'गुँञ गऽयम दसवानुँह, दुरदानुँह बोजुम कनय ।।

दाऽरिथ रोज़ुम दस्तय, लागय अस्तय अस्तय ।
खावर वुछमय खोबानुँह, ताबानुँह बोजुम कनय ।।

लालन करिमय मालय, नालय रऽटिथ नालय ।
यकस वुछुम यकसानुँह, रवानुँह बोजुम कनय ।।

मस च्यथ आयम मऽस्ती, हाऽवुँम म्य हम हऽस्ती ।
पेचस अन्दर पेचानुँह, मस्तानुँह बोजुम कनय ।।

द्रन येलि सपुद म्युलुय, त्रे'शिवुँञ कऽरम बुलुय ।
शाहन अन्दर शाहानुँह, हमरानुँह बोजुम कनय ।।

पीरन द्युतुम हाऽविथ, वीरस सीरा भाऽविथ ।
दौँ'यि चारुँह रो'टमस दामानुँह, दवानुँह बोजुम कनय ।।

वूज़िथ कऽरनम याऽरी, खाऽली वुछिन नाऽरी ।
प्रऽविथ द्युतुँनम निशानुँह, कमानुँह बोजुम कनय ।।

वाऽरागुँह शऽस्तुँर गऽरिथ, लोलुँकि अलमासुँह बऽरिथ ।
नअ रूद्य तीरुँह नअ कमानुँह, निशानुँह बोजुम कनय ।।

हे'रि ति खऽचुँस ह्यो'रुय, छो'रुय हो'रुम मो'रुय ।
वज़ानुँह वुछुम ग्रज़ानुँह, खज़ानुँह बोजुम कनय ।।

म'चुँई नअ दऽरियावुँई, वावस अन्दर वावुँई ।
नो'त्रुई वुछुम नवानुँह, च्यवानुँह बोजुम कनय ।।

ब्यन्दुँई नअ रूद्य नादुँई, न साधुँनारे साधुँई ।
न सतुँह-सन्तूर शमानुँह, वे'मानुँह बोजुम कनय ।।

ग्वरन सूँत्य मानुँई, नीरिथ छु न्यरवानुँई ।
वुछुम पनुन पानुँई, भगवानुँह बोजुम कनय ।।

गोवे'न्दुँह चुँई भाग्यवानुँई, वुछमय नवन्यधानुँई ।
आना कऽरिथ फानुँई, द्युन दान बोजुम कनय ।।

❁ ❁ ❁

६८ - चुँई गोवे'न्दय ह्यो'र

चुँई गोवे'न्दय ह्यो'र क्या बो'नुँई, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

संगासनुँई छुय स्व'नुँहसुन्दुय, प्याला द्वन्दा द्वन्दुई छुय ।
अऽछन मंज़ त्राव दऽछिञ ख्वनुँई, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

संगासनस जरिमय रो'ञे, कें'च्न जायन छो'ञे छय ।
कें'ह छुय ह्यो'र तुँ कें'ह ब्वन कुनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

संगासनस छुय वथरुनुय, प्रकाशि खोतुँह तो'नुय छुय ।
नकाश वुछमय रव रम्बुँहवुनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

संगासनस च्य चार बाऽलीनय, ओ'नमुत म्य चीनमा-चीनय छुय ।
तो'त बालि सूज़ुम कोतुर को'नुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

संगासनस च्य वुरुन शालय, अन्दन म्वखतुँचि चालय छय ।
डाला दितम पछिम कुनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

ज़ुँच्य चाने वुछे'म रुँच्य, वनतो यिम कस किच्य छय ।
अमिय आयस चे'य ब्रोंठुँकुनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

गऽयम तऽरिथ पे'यस हरिथ, अलमासुँह खोतुँह बऽरिथ छय ।
तमिय म्य सोरुय को'डुम नो'नुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

गऽयम पारय वारय वारय, वारय शमशेरि धारय छय ।
कशा को'डुथ खश गोम सो'नुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

तमिय छ़ोंडुम म्य मरहमुँई, केंच़न गोमुत दमुँई छुय ।
केंच़न लऽदिथ गव लूहरुनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

तीज़ई चोनुय छु क्या चीज़ॅइ, म्य किच़ वन को'सुँह वीजुँई छय ।
ये'लि बुँ मंगय ते'लि छुय द्युनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

छस उदाऽसी थवुम म्य दाऽसी, कस कित्य् प्रेयमुँक्य् खाऽसी छिय ।
यस निश प्रेयम वुछुथ गो'नुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

कृशणनि हिशे वुछिमय चालय, सोरुय म्य हवालय छुय ।
न कँाऽसि ह्यो'नुय न कँाऽसि द्युनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

वो'न भाग्यवाने च़्य बे'यि बे'ये, सदाशेवुँञ द्रिये छय ।
सदा म्य निशि छुय रोजुनुय, म्य मंज़ संगासनुँई छुय ।।

६९ - दिमय लोलुह आलव

दिमय लोलुह आलव असुँहवुँनि हो'न्जे।
बुँ प्यठ पोशि लन्जे करय गूरगूर ।।

गऽयम ललि ज़्वलय अन्दर तो'न्दूरस
तऽतिय सूँत्य् सूरस सपदुम सूर ।
हे'तिय सूरुँह मऽतीय ह्युतुम हुसनुँह गन्जे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

च़्य लोगुथ ओ'नुय म्य ह्युतुँथम वो'नुय
वनन छिम लाऽला बिहिशतुँच हूर ।
शब्बानुँह साऽला करव छ़ों'जि छ़ों'जे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

शब्बानुक शमुँई बुँ नूर बेगमुँई
तमिय यकदमुँई गऽयस मन्ज़ूर ।
म्य शा'ह शाहानय छु रूज़िथ पे'न्जे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

बिन्द्राबनुँई अन्दर रक्षमनुँई
द्रायस छ़ाँडुँनि कनुँकुय दूर ।
म्य मंज़ लालुँह गोशन वुछुम स्वनि रन्जे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

गो'मुत ह्यनिज़ भ्ये छु प्रेयमुँचि शे'ये
सु हार्तुँमि तये म्य निशि छुनुँह दूर ।
ह्युतुम भरथऽरियन म्य ख्यव खंजि खंजे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

तमिय जानानय म्य छ़ोंडुम पानय
तऽमिस सूँत्य पूरन करुँज छिम पूर।
म्य ह्युतुँमस दानय वऽसिथ पे'यि कन्जे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

भयानक स्वने म्य न्युव हनि हने
तऽमिस नूरुँह तने छु फो'लमुत सूर ।
लऽजिय लूकुँह पामन गऽजिय च़ंजि च़ंजे, बुँ प्यठ पोशि लन्जे ...

अन्दर दफतरस गऽयस आगरस
ततिय किशवरस ह्यो'तुम ओ'म्बूर ।
तऽरिथ गव खातस म्य को'रमस पन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

जटन मंज़ जटा जटा-मुकटा
म्य न्युव इकवटा सतुक सोबूर ।
तरचुॅह तारचे़ संगुॅई मा छु डन्जे, बुॅ प्य[illegible] पोशि लन्जे ...

च़्य ग्युन्दुथ ज़ारुॅई परस्पर प [illegible]ॅई
वुछुम दशवाॅरुई पछिम क्या [illegible]ूर ।
बियाबानुॅनुॅई मंज़ शय्या मा छे' डन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

च़्य निशि छे़'नुॅह गोमुत सत तुॅ असतुॅई
तमिय लोलुॅह वथुॅई च़्य निशि छनुॅह पूर ।
फो'लिम कोयलनुॅई गुल वऽलिम रों'जि रों'जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

म्य पाऽरुम पानय सतुक सामानय
को'रुम कुरबानय दिलुक दूर दूर ।
शिलुक ताबानय म्य अन्दर वन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

चुॅ कृष्णुॅनि खालय वो'नुय कऽम्य दयालय
बुॅ हावय मजालय सतुक सन्तूर ।
अन्दर कलि कालय गुन्दुम क्या ब्रिन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

तुलुथ म्व'खतुॅह हारा छुनुथ नाऽल्य होने
वलुॅहनुॅह आव धोने सु नूरुक नूर ।
कल ही चल चली गली में कुन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

छु अऽक्यूसुॅई शाफुॅई बे'यन क्वुॅह ज़ाफुॅई
म्य वो'नमय साफुॅई छु द्वन क्युथ क्रूर ।
रटख निशि पानस अन्दर शिकन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

बऽनिथ <u>भाग्यवानुॅई</u> कमालुॅच्य कमानुॅई
तमिय यखसानुॅई सपुद मनसूर ।
छे'ह जीतिथ ज़ारस अन्दर शतरन्जे, बुॅ प्यठ पोशि लन्जे ...

७० - संगरमालन क्वलुॅह क्वलो

संगरमालन क्वलुॅह क्वलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

पृथवी परमधामुॅसुॅई, आगमस अनामुॅसुॅई ।
वो'थ आकाशस ज़िलज़िलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

ये'मि पुछ़ि च़्य को'रमुत दीशि त्याग, तमिकुय ओसुम वाऽराग ।
हमि मा यिमन नऽदियन ज़लो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

अऽगनस तुं वावस अर्थुवास, नअ रोज़ि सूर तय नय सास ।
न रोज़ि फल अदुॅह नय खलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

छय त्रेशि हतिनुॅई त्रेश दिञ, केंच़न काशी काऽश्य निञ ।
केंच़न पेमुॅच़ ने'न्द्रे ज़्वलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

कें'ह न्यऽन्दरि हऽत्य् वुज़ुॅहनावुॅनी, केंच़न सीर छिय भावनी ।
पज़िच्यन रज़न छुयनो म्वलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

कें'ह छिय प्रारन दर्शनस, कें'ह अमृतुॅकिस वरशनस ।
केंच़न रिन्दन ग्युन्दुथम छ़ल्लो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

कें'ह न्यऽन्दरि मंज़ च़्य आलव दिवान, कें'ह सालुॅह मऽत्य् सालव निवान ।
कें'ह यार प्रारन यरुॅहबलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

रंगुॅह रंगुॅह बागस गुल फऽलिय, द्रिय छम चाऽञ जुॅई छि मो'ल्ली ।
सो'म्बुल तुं बे'यि यऽम्बुॅरज़लो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

रशवथ बनुन दुशवार छुय, गुलुॅनुॅई निशि सग नार छुय ।
हम तुल अथस छ़ुख हाऽमिलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

कमज़्यादुॅह वो'नमय खम चुॅ त्राव, बस कर बदस व्वञ बर मुॅ चाव ।
स्वन छुम छ़ुनिथ ब्वन कलो, संगर छ़ंऽडिथ सोन व्वलो ।।

दस्तुँह पर्नुँनि तमि खो'नुन चाह, अस्तुँह छुनिम बस लाइल्ला'ह ।
से'हरय सुलयमान ठान पलो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

छुख शे'यि बे'यि वुञि नेरि मा, नीरिथ गाऽमुँच़ अकि क्रेरि मा ।
तति डूंगुँह लाऽयिथ डूंगुँहलो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

वो'ञ नो च़्य मंज़ तिम ज़ोर छिय, वुछ मोरुँह ञ्च हिव्य् खोर छिय ।
ये'मि हाचि़ रऽटथस हाच़लो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

शा'ह छंऽडनस क्या रा'ह खो'तुम, गजिक्युत म्य गाऽज्यगाहन मा ह्यो'तुम ।
सत छुम अथस पत मा डलो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

आदनुँह साधन हुन्द चुँ सर, ताजे हिलाल ताबानुँह तर ।
वादन थो'वुक पादन तलो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

म्य सूँत्य रो'जुन छुय सदा, शेरस सवारे छुय गदा ।
डेरस वुछुस मा अख पलो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

पछ़ नय यियी वो'ञ दूर नो, साधन ति वादा पूर नो ।
कर हू हू अल आऽकुँलो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

छय भाग्यवान लाऽला अऽलिफ, साऽला करव अज़ मुखतऽलिफ ।
ख्यन छुम नुँ कें'ह च्यो'न छुम ज़लो, संगर छंऽडिथ सोन व्वलो ।।

७१ - परवाय छुम नो दानुँह

परवाय छुम नो दानुँह, परवानुँह गत्यो हो ।
च़्यय सूँत्य म्य गोम यखसानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

अथ शमह रोयस पथ, नाहक म्य कऽरमय गथ ।
नअ चुँ ह्यो'न्द नअ मुसलमानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

म्यानि खो'तुँह छुख कमज़ोर, पथ प्योम मूरुन खोर ।
सथ गऽयिमुँह वहदतवानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

ज़ुरुँसुँई प्योम ज़रगर, पथ कुन म्य दिचुँमय थर ।
ताबन करस ताबानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

म्वखतस म्य को'रनम हार, ज़न छुम च़ऽन्द्रमुँह तार ।
वुछि क्या म्य तथ अनज़ानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

शीवस छस शेरि, ईकान्तुँचि हेरि ।
दम ह्यथ छु नवशेरवानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

होरिय मा म्योनुय दाश, अदुँह छम नुँ बचुँनुँच आश ।
कनुँनुँई गऽयम कनुँहवानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

लाऽलि हुँज़ हून्ज़ आये, थऽवुँहथन छ़ायि छ़ाये ।
लोगुथ मजनून खानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

हारा छ्रुँन्योथस नाऽल्य, तमि निशि कऽरमय खाऽल्य् ।
सनुँह यथ वनुँह ननि वानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

कऽम्य लोग होञ्ज यखलास, दस दोञ्ज ग्युतुनय वास ।
बस कर बन्योस बिरियानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

वुछमख आदमिखाव, किथुँह व्नुँह तमिकुय नाव ।
तमिकिञ कऽरमय मानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

ख्यन-च्यन तवुँह त्रोवुम, द्यन रात न्यन्गुँहलोवुम ।
पथ रोज़ पस-पयमानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

च़्यय मंज़ ओस आहम, तवुँह छिय साऽरिय गम ।
वुञि तोश छुय आदान, जानानुँह मत्यो हो ।।

चऺठ् ज़ाल युस वूनुथ, वूनमुत किथुँह दूनुथ ।
लोगुथ नाफरमानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

म्य अथि सोरुय छुय, तथ छम चाऽनिय द्रिई ।
भगवानुँह बनख भाग्यवानुँह, जानानुँह मत्यो हो ।।

***

७२ - मैं गूरू की दास दयालू

मैं गूरू की दास दयालू, मैं गुरू के पास हूँ ।।

पीछे गजगाह नीचे दरिया, वासदेवों का वास हूँ ।
राजमहल की रास दयालू, मैं गुरू के पास हूँ ।।

पहले हमने हर दिया था, पीछे उस ने वर दिया ।
खासों से खास दयालू, मैं गुरू के पास हूँ ।।

पीके पीके फस गया था, जैसे नस में मास है ।
सत अ-सत अभ्यास दयालू, मैं गुरू के पास हूँ ।।

मैं गुरू की नाम दयालू, और नहीं कुछ खास है ।
विषय विष्य विशवास दयालू, मैं गुरू के पास हूँ ।।

भाग्यवानी प्रेमवानी, मुख मुक्ती मुखास हूँ ।
गंधरब ग्रंथ ग्रास दयालू, मैं गुरू के पास हूँ ।।

***

७३ - युस म्य ओसुय

युस म्य ओसुय रूठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।
ला'ह कऽरिथ छुम लूटुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

छुम मुश्ताक हुर्सुँञि गंजस, शतरंजस गिन्दुँनि द्राम ।
दरदि दिल तऽम्य ड्यूँठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

जीत जीतम जानानस, जेलखानस जामि जम ।
पेचानस वूठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

सथ कऽरम ग्वरुँवुँई, करुँञ गथ तथ शमस पथ रात तुँ द्यन ।
मय तुँ मदहम म्यूठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

ललि हुँद्य पाऽठ्य डालुँह दिचुँह म्य, नालुँह रो'टमय रो-ब-रो ।
शीव-शीवालुँह शूठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

कँा'ह दो'युम मा सूँत्य थो'वमस, कूँत्य आऽसिम ज़ागुँनस ।
याद आमुत मूठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

कारि पऽत्य् फो'ल्य् वारि म्याने, प्यारि रोज़य लागुँहञे ।
छु पारिज़ाथा दूँठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

मनुँहनोवुम मानुँहनोवुम, थानुँहसुँई ठोकुर थो'वुम ।
दूरिरुक दुपुँह च़्यूटुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

ग्वडुँह दूरे'र यूत पोवुन, अदुँह प्रोवुन आश्रम ।
आदुनुक अन्न कूटुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

शीत-शक्ती भोग भक्ती, हथ्य म्य आऽसिम आमुँती ।
युक्ती यखुँह गूटुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

भाग्यवाने गाऽरॅ ज़ाने आनि माने गव न कें'ह ।
पज़ि तऽस्य् यस पूठुमुत, सुय श्यामुँह म्य निशि ब्यूठुमुत ।।

७४ - जागो जागो कृष्णा

जागो जागो जागो कृष्णा, जागो कृष्णह मुरारी ।
आओ आओ आओ कृष्णा, पियो तू अमृतधारी ।।

खाओ खाओ खाओ कृष्णा, खाओ दही दुहारी ।
जाओ जाओ जाओ कृष्णा, जाओ बाहर बिहारी ।।

लाओ लाओ लाओ कृष्णा, लाओ लोटा लुहारी ।
भावो भावो भावो कृष्णा, भावो भुही भुहारी ।।

चाओ चाओ चाओ कृष्णा, चाओ चुली चुहारी ।
रागो रागो रागो कृष्णा, आगई राधा प्यारी ।।

बोलो बोलो बोलो कृष्णा, खोलो मोती मुहारी ।
तोलो तोलो तोलो कृष्णा, तुल गई तुली तुलारी ।।

गाओ गाओ गाओ कृष्णा, गाओ गीत गुहारी ।
थाओ थाओ थाओ कृष्णा, थक गई माई प्यारी ।।

बाली बाली बाली कृष्णा, बाली घूंगरवाली ।
उठी उठी माई देखो, आगई कृष्ण मुरारी ।।

माई की प्यारी राज दुलारी, लाओ मोती मुहारी ।
मत रो भाग्यवान बेटा कृष्णा, बेटी राज दुलारी ।।

❀❀❀

७५ - चाऽन्य् लोलन

चाऽन्य् लोलन कऽरस बाँबरे, गरि गरे सू हम सू ।
पान नाऽविथ साऽविथ च़्य लरे, गरि गरे सू हम सू ।।

म्वख हावतम छुख कथ घरे, पोशि थरे सू हम सू ।
सिलसिलुँकुय गुल नो हरे, गरि गरे सू हम सू ।।

रव सिरियस प्रव मा'हवरे, कनुँह दरे सू हम सू ।
गुरुँह करुँहयो दुरदानुँह दरे, गरि गरे सू हम सू ।।

लय ये'म्य कऽर भय तस हरे, रोज़ि घरे सू हम सू ।
यारस सूँत्य नारस तरे, गरि गरे सू हम सू ।।

बूद नाबूद सूद क्या तरे, रछि दरे सू हम सू ।
ज़रुँह अऽन्द्रय ज़र मा हरे, गरि गरे सू हम सू ।।

छुय सागर मंज गागरे, चरखरे सू हम सू ।
मो'र ये'म्य हो'र तस क्या मरे, गरि गरे सू हम सू ।।

चे'शमि आहू लब शकरे, प्यालुँह बरे सू हम सू ।
कन दाऽरिथ मन मन्थरे, गरि गरे सू हम सू ।।

नालुँह रऽटिथ आलवय नरे, मन धरे सू हम सू ।
गथ गतुँहरे'ञ पथ कथ करे, गरि गरे सू हम सू ।।

म्वखतुँह हारय म्यानि दुल्लरे, रोज़ लरे सू हम सू ।
छे'न बनुँहनय पथ कथ तरे, गरि गरे सू हम सू ।।

ये'लि खऽच़सय प्यठ चरखरे, हेरि हेरे सू हम सू ।
छो'ञ छो'ञ गोम बुन्गरि नरे, गरि गरे सू हम सू ।।

डखि रोज़ुस कुन्दन करे, दारि बरे सू हम सू ।
अऽन्द्रह जऽन्द्रय नतुँह किथुँह दरे, गरि गरे सू हम सू ।।

राज़ुँह हँसस पर मा हरे, लो लरे सू हम सू ।
तम को'डमय हमसुँनि घारे, गरि गरे सू हम सू ।।

प्यालुँह चे'यिमय बालादरे, गऽयि व॰ सू हम सू ।
द्वन ख्वन दार गुलदख परे, गरि गरे सू हम सू ।।

आयि भाग्यवान कुकिलि मरे, बोलि करे गोवे'न्दुँह-गू ।
गोवे'न्दुँहनुय ध्याना दरे, गरि गरे सू हम सू ।।

✽✽✽

७६ - मतुँह गिन्दतम

मतुँह गिन्दतम छे'पुँह छ़ारे'न, गाशि ब्रार्‌यन प्रारुँयो ।।

सिरियि सुन्दुय रूप हावुम, दीप ज़ालुम ज्ञानुँहकुय ।
अटुँह मुच़राव वटुँहबारे'न, गाशि ब्रार्‌यन प्रारुँयो ।।

ज्ञानुँह-सिरिये गोम उदय, फो'ल म्य हृदय ज्ञानुँह सूँत्य ।
ओम नार्‌यन ज़ोम वार्‌यन, गाशि ब्रार्‌यन प्रारुँयो ।।

नालुँह रटुँहऽत नाऽल्य् नालय, दयालय रो-ब-रो ।
गुल फो'ल्लुँनम कंऽड्य खार्‌यन, गाशि ब्रार्‌यन प्रारुँयो ।।

च़रणन हुन्द ध्यान स्वरुँनय, बरनुँह आयस ज्ञानुँह सूँत्य ।
दयि सग छुय वनयार्‌यन, गाशि ब्रार्‌यन प्रारुँयो ।।

थनि चूरा रवनि छ्वञ छ्वञ, चोन बूजुम गोशिवुँई ।
होश न्यूनम वनुॅ-हारे'न, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

कृष्णुॅह कीशव रूप वुछुमय, दीप वुछुमय कीवलुॅई ।
सत ज़ीनिथ आऽठ गार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

नव दारे बन्द कऽर्यथुॅई दऽह छि हऽर्यथुॅई पेमुॅत्य ।
कऽहिमे अनवारि खार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

बाहुॅवुॅञ बुरजन म्य वुछुमय, सिरियि सु छुमय खावरुॅई ।
हावुॅह कोता'ह बावुॅह चार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

वुछ च़्वदुॅहशय हुँज़ जून गऽर्जुमा, ज़ां'ह स्व वऽर्जुमा ग्रहनुॅहनुॅई ।
सूॅत्य तारख चान्दमार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

दुय चऽजिम ये'लि सुय म्य ड्यूठुम, हिय फो'जिम अर्दुॅह बागुॅहनुॅई ।
तोशिना अनुॅह पोश बार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

गुल फो'ल्लुम सो'म्बुल फो'ल्लुम म्य रव ज़ो'लुम अर्दुॅह गाश आम ।
लऽज्य् फुलय वनन तुॅ वार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

पूज़ करुॅहाऽय गोवे'न्दय, नादुॅह-ब्यन्दय रो-बुॅ-रो ।
भाग्यवाने शानुॅह सार्यन, गाशि ब्रार्यन प्रारुॅयो ।।

☆ ☆

☆ ☆

७७ - लोलुॅह नादन दाऽरिथ

लोलुॅह नादन दाऽरिथ कन मय ड्यूँठुॅवोन ।
वऽनिवी सखियव मनमोहन मय डयूँठुॅवोन ।।

ग्वडुॅह लाऽयिमस लोलुॅहक्य् नादुॅई म्य
अदुॅह पूज़िमस पम्पोशि पादुॅई म्य ।
ज़िन्दुॅह पानय बिन्द्राबन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

मुर्ली नाद बूज़ुम कनुॅहवुॅई म्य
द्युत हाऽविथ ग्वरुॅह सतज़नुॅहवुॅई म्य ।
तथ क्षणुॅहसुॅई नाय गोम छूयन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

मोर मुकुटुॅह धाऽरिथ श्यामुॅह स्वन्दर
छुम तोशन लोलुॅह पोशन अन्दर ।
सूॅत्य सूॅतिय छस रक्षमन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

बालुॅह बावुॅह हाऽवुॅनम बालुॅह लीला
नालुॅह रऽटनस यिछ़ तस सोशीला ।
चालुॅह वुछिनस सो'दायन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

श्रान संध्या ज़ोनुम नुॅ पाठ पूज़ा
लुकुॅह निंद्या ज़ाऽनिम नुॅ को'ह चीज़ा ।
कऽर म्य दया दयालन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

सूहम अन ओ'नुॅनम छावय म्य
भवुॅहसरुॅसुॅई गन्जिनम नावय म्य ।
नाव तऽम्यसुन्द आनन्द-गन्न मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

मन न्यूनम हूरे चूरे म्य
भाव को'रमस तोसुॅह पोम्बूरे म्य ।
युथ वाव छुय गोवरधन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

लोलुॅह वावन त्राऽवुॅम दोरुॅई म्य
सूॅत्य कावन बूज़ुम शोरुॅई म्य ।
बाज़ फेरुन छुनय हमसन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

कावुॅह टावुक डर छा हँसुॅह रूपस
मछि हुँदी पर छा निशि दीपस ।
परवानस तनि सूॅत्य् तन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

अऽशकुॅह पेचान मुशकुॅह रज़ि वलुॅहनय आव
माहि ताबान शब्नमुॅह छलुॅहनय आव ।
मंज़ तारन रातर-द्यन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

भाग्यवाने कुकिलि को'र गोवे'न्दुॅह-गू
सू हम सू हमसू हा तय हू ।
शीवुॅह शऽम्भू म्योन आदन मय डयूँठुॅवोन, वऽनिवी सखियव मनमोहन ...

* * *

हमारी अशान्ति का मुख्य कारण
विशय विकार का जीवन है।
इसलिये मानसिक शान्ति के लिए मानसिक
विविचार से बचो।
शारीरिक भोग इतना दुखदाई नहीं,
जितना मानसिक भोग होता है।
जो मानसिक दुराचारी होता है,
उसके मन की बेचैनी से ज़्यादा और कोई
शर्मनाक हालत नही है।

* * *

७८ - मस ने'न्दरि मंज़्

मस ने'न्दरि मंज़् मस्त गऽयस मस प्यालुँह च्य'वाऽनी।
आराम न्यूथम जलवुँह होवुथ गोख रवाऽनी ।।
पादन हा वन्दय टाठि म्याने टाऽठ जवाऽनी, आराम न्यूथम ...

निर्धन वुछिमय मस्त गाऽमुँत्य ने'न्दराि अन्दर छिय
ज़रदार वुछ बेह्यस पेमुँत्य मायायि अन्दर छिय ।
माया दिथ तस रावुँनस माया छु हावाऽनी, आराम न्यूथम ...

माया छय छाया अथ कायायि थवाऽनी
वुछ जोरि हुँजे़ रायि रावुन कोरि निवाऽनी ।
वुछ लांऽकि छ़ाया रऽटनय सायि रवाऽनी, आराम न्यूथम ...

अथुँवास को'र अऽगनन तुँ वावन सूँत्य ग्यवाऽनी
कर दूर अहम पानुँसुँई न्यम वाऽनी छय भवाऽनी ।
वुछ पानुँसुँई मंज़् चो़'क तुँ मो'धुर रस छु म्यवाऽनी, आराम न्यूथम ...

मन भूमिकाये ब्योल ओ'मुक रोज़् ववाऽनी
गव प्रोन अन्दर प्राऽनिसुँई नो'व आव नवाऽनी ।
सग दिस लोलुन लोलुँह सूँतिय शोलि दवाऽनी, आराम न्यूथम ...

रठ नाव वावस दऽरियावस रोज़् च्यवाऽनी
दम हाय दमस ज़ाग शमस रोज़् शमाऽनी ।
आहार समस बनि रुमस भाव भवाऽनी, आराम न्यूथम ...

तनदार रोज़् ज़्यादस तुँ कमस गछ़् मुँ भ्रमाऽनी
म्वखतार बन ओ'मकार ओ'मस गीत ग्यवाऽनी ।
गोवे'न्दुँह नावस लोलुँह शमस पाद सीवाऽनी, आराम न्यूथम ...

छय भाग्यवान तथ ज़ीरुँहबमस दाद ह्यवाऽनी ।
आराम न्यूथम जलकुँह होवुथ गोख रवाऽनी ।।

☆ ☆

७९ – शाह तोसुँह

शाह तोसुँह वलुँसय नोजुक पानस,
करय जानानस हो तय हो ।।

प्राणुक पवुँनुँई चरागानस,
ध्यानुक हवुँनुँई छु ओ'मा ओ'म ।
ज्ञानुक ग्यवुन छु अन्दर पानस, करय जानानस ...

गूरुँह गूरुँह को'रमय नूरुँह दुरदानस,
सूरुँह पऽर्य पऽर्य गोम रात तय दो'ह ।
हूरुँह छम ज़ागान गुलि ज़ाफ़रानस, करय जानानस ...

सीनुँह दिथ सिपरस तन दिथ कानस,
कुफ़रुँह इस्लामस दितिमय छो'ह ।
आना-फ़ान गव तो'न्दुँरस तुँ नानस, करय जानानस ...

प्यारि गोम कारि-खम प्रारान पानस,
सारि गोम तारि फम्ब को'ह दर को'ह ।
द्वो'गन्यार कति रूद ओ'गनिस थानस, करय जानानस ...

ज़ानुँह-रे'ञि ज़ान कऽर प्राणुँह ज्ञानस,
मानुँह-रे'ञि दो'पनस मान करुँह बो ।
पुशि-रे'ञि मालुः करि पोशि वे'मानस, करय जानानस ...

सतुँह-रे'ञि गतुँह-रे'ञि वतुँह रे'ञि पानस,
कथुँह रे'ञि दो'पनस कथुँह करुँह बो ।
राजुँ-रे'ञि राज को'र आकाश थानस, करय जानानस ...

हर छुम मीलिथ दानस दानस,
ग्वर मंज़ ध्यानस वुछुँहाऽन बो ।
ग्वर छुम गरि गरि लरि भाग्यवानस, करय जानानस ...

८० - शा'ह छुम दीदुँनुंई मंज़्

शा'ह छुम दीदुंनुंई मंज़् शाऽही चालि वे'सी ।।

गा'ह छुम वादुँनुंई मंज़्, गा'ह सम्वादुँनुंई मंज़् ।
गा'ह छुम नादुँसुंई मंज, अन्दर मालि वे'सी ।।

गा'ह दऽरियावुँसुंई मंज़्, गाह छुम आवुँसुंई मंज़् ।
गा'ह बालुँह-बावुँसुंई मंज़्, गिन्दान ब़ालि वे'सी ।।

गा'ह छुम निशि पानस, गा'ह आकाशि थानस ।
गा'ह मंज़् बारानस, अमृत वालि वे'सी ।।

गा'ह यारस यारुँई, गा'ह छुम गमखारुँई ।
गा'ह यार लोलुँह नारुँई, कोता'ह च़ालि वे'सी ।।

गा'ह सतसंगुँहनुंई मंज़् गा'ह मृदंगुँनुंई मंज़् ।
गा'ह रो'अि जंगुँनुंई मंज़्, नच़ान डालि वे'सी ।।

गा'ह व्यवहारुँसुंई मंज़्, गा'ह गुफतारुँसुंई मंज़् ।
गा'ह स्वन नारसुंई मंज़्, अन्दर हालि वे'सी ।।

गा'ह स्वन दानुँह दानय, गा'ह बनि दुरदानय ।
गा'ह जानानुँह पानय, नाऽली नाल वे'सी ।।

गा'ह त्रावि पानुँसई मंज़्, दानस दानुँसुंई मंज़् ।
युथ खोबानुँसुंई मंज़्, कुकिल नालि वे'सी ।।

द्युत गोश <u>भाग्यवानव</u>, मदहोशी सदाशिव ।
गावे'न्दुँह नावुँसुंई ह्यथ, प्याला'ह डालि वे'सी ।।
शा'ह छुम दीदनुंई मंज़्, शाऽही चालि वे'सी ।।।

❀❀❀

८१ - हम त्राव आहम कर छ़ो'पय

हम त्राव आहम कर छ़ो'पय
छ़ो'पय कऽरिथ वुछ नर्पुंहनपय।।

ग्वरव वो'नुय म्य यी करुन
ग्वरुं ध्यानसुंई प्यठ छुय दुन ।
छ़ो'पि हुँदि मंत्रय ती ज़पय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

ग्वरुं सुंद ध्यान गछ़ि धारुनुय
खन सू तुं मन गछ़ि मारुनुय ।
मनुंनुंई तपुंह ऋष्य् वाऽल्य् तपय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

छस कुकिलि हुँद्य पाऽठ्य मंज़ दमस
दम ह्यथ दमस प्रारान शमस ।
गोवे'न्दुंह नावुक लो'ब म्य पय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

ज़रुंह ज़रुंह ज़र बनिय पानुंसुंई
हर च्यथ बे'ह डालानुंसुंई ।
ग्वरुं दामानस छय थपय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

ललि हुँद्य पाऽठ्य गछ़ि तेलुनुय
पानय पानस मेलुनुय ।
ग्वरुं च़रणन पथ बुंय छपय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

तो'न्दुंरस तुं ठानस म्युल करुन
रिन्दय बनुन ज़िन्दय मरुन ।
हिय यियि फो'लिथ अदुंह लुंई त्रो'पय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

शमुंई बऽनिथ पानस न्यमुन
शो'मिथ शमुन अऽकिसुंई लमुन ।
वग ये'लि रटख ते'लि हो दपय, छ़ो'पय कऽरिथ ...

स्वय छय क्रय स्वय पूज़ा
लबुॅखय छो़'पि हुन्द चीज़ा ।
कुछ अड़्‍ह ज़ीव कुस त कुस हफ़ुॅई, छे़'पय कऽरिथ ...

पनुॅह पनुॅह पन गऽयि सारि चे़'य
द्वन मिलुॅवन गऽयि तारि चे़'य ।
थाना बऽनिथ रूदुॅई कफुॅई, छो़'पय कऽरिथ ...

भाग्यवान यऽन्दरस बीठ ललुॅई
ज़लुॅसुॅई अन्दर वुछ ज़लज़लुॅई ।
मल छो'ल तुॅ ज़ल दपान को'र श्रपय, छे़'पय कऽरिथ ...

❀❀❀

८२ - रुम छिम बोलान ओ'मुॅई

रुम छिम बोलान ओ'मुॅई ओ'मुॅई, म्य सरखमुॅई कोसनम ।।

गोवे'न्द नावन म्य जोश ओ'नुय, यि कुस को'नुय सूज़नम ।
ओस सुय को'नुय युस कुन ज़ो़ऽनुय, म्य सरखमुॅई कोसनम ।।

दारन छा़ऽरिथ ओ'नुय पो'नुई, रो'नुय छाना छो़ंडनम ।
दारस अन्दर अज़ गव पो'नुय, म्य सरखमुॅई कोसनम ।।

चुॅ छुख दार तय बुॅ छुस पो'नुय, सोरुय सीरा भोवनम ।
ग्वरस तुॅ शे'शस अज़ गव कुनुय, म्य सरखमुॅई कोसनम ।।

भाग्यवाने वो'न ह्यो'त ग्युनुय, ग्वरन ध्याना'ह सूज़नम ।
अन्तर वुछुम सनि खो'तुॅ सो'नुय, म्य सरखमुॅई कोसनम ।।

❀❀❀

८३ - आम कुस बहानुँह कऽरिथ

आम कुस बहानुँह कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।
शा'ह छुम खम-शाहानुँह कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

मयखानुँह ओसुम मय बऽरिथ, तय कऽरिथ गोम ।
दम दिथ गऽयिसस डूँगुँह तऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

अज़ संग वुछुम लाल जऽरिथ, खाल वुछमस शोम ।
बर हाल वुछुम टुकरुँह कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

म्वखतस ओसुम हार कऽरिथ, ज़ार गिंदिथ गोम ।
रिन्दन सूँत्य् रूद ज़िंदुँह मऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

सुय ध्यान रूज़ुँस मनि धऽरिथ, ओम वुछुम ज़ोम ।
ग्वरुँ शब्दस सूँत्य् मान् कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

नय हिश रूज़ुँस पान गऽरिथ, द्वन वतन कथ प्योम ।
पय ह्यथ रूज़ुँस सू सो'रिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

सूहस तुँ हमस ज़ान कऽरिथ, बानुँह बऽरिथ गोम ।
अज़ खानुँह आयस बाऽगुँरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

हूहस तुँ हाहस ज़ोर कऽरिथ, खोर मूरिथ गोम ।
द्वन दरवाज़न तोर कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

गोशन रूज़ुँस गोश थऽविथ, जोश अऽनिथ गोम ।
खामोश रूज़ुँस नोश कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

मोरस आऽसुँस तनि जऽरिथ, शेरि लाऽगिथ गोम ।
कमि वनुँह अऽनिनस छ्यूनुँह कऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

गोवे'न्दुँह नावुक लोल बऽरिथ, भाग्यवानन गोम ।
हर डींशिथ पे'यि हरनुँह हऽरिथ, लोलुँह बऽरिथ गोम ।।

८४ - न बुँय प्वखतय न बुँ खाम

न बुँ प्वखतय न बुँ खाम
म्य कऽम्य आराम न्यूमुत वे'सिये ।।

दमा दम शम शबानय आम
बुँ सुय सो'दाम बनय वे सेये ।
यि छा कीशव कृष्ण छा राम, म्य कऽम्य आराम ...

ग्वरन वो'नुम म्य ग्वरुँ वाकुँई
अमिय कथि थो'व नुं कें'ह बाकुँई ।
यि कुस कलुँहवाल तुँ साकुँई आम, म्य कऽम्य आराम ...

म्य मस च्युत पूरुँह कलुँहवालन
छु ओ'ड खास्यन छु ओ'ड प्यालन ।
छु मा चालन यि खामुँई दाम, म्य कऽम्य आराम ...

बनय प्वखतय हरय म्वखतय
फो'लन अदुँह गुल पर्नुँनि वखतय ।
न छुय अदुँह सुबह न छुय अदुँह शाम, म्य कऽम्य आराम ...

बनिय अदुँह म्वखतुँह म्योनुय ख्यन,
करय अदुँह साऽर हुन आलुँमन ।
दिमय अदुँह दाम च्यमय अदुँह जाम, म्य कऽम्य आराम ...

बुँ मा सरतल बनय ये'लि स्वन,
खसय अदुँह ह्यो'र आऽसिथ ब्वन ।
सितारन मंज़ करय कयाम, म्य कऽम्य आराम ...

को'रुम तस मेलुँनुक ये'लि संज़,
वुछुम कें'ह नय म्य कें'हनुँहस मंज़ ।
वुछुम कें'ह नय वुछुम बर बाम, म्य कऽम्य आराम ...

कनन को'रनम स़तु़क आलव
गुलव खारव संगरमालव ।
गुलन अन्दर वुछुम गुलफाम, म्य कऽम्य आराम ...

दमन मंज़ वुछ दमन शुमार
कमन मंज़ छुय सु मदनवार ।
रुमन वुछुमय बमन बहराम, म्य कऽम्य आराम ...

म्य कऽर्य्मस बोस यिनय ये'लि ओस
ज़्यनय ये'लि ओस प्यनय ये'लि ओस ।
कऽरिथ जादू मऽरिथ छुम खाम, म्य कऽम्य आराम ...

म्य त्राऽवुँम लोलुँह वावन दोर
बुँ नेरा ब्रोंठ मुरा पथ खोर ।
ह्यमा सूँत्य सूँत्य गोवे'न्दुँह नाम, म्य कऽम्य आराम ...

ग्वरुँई वुछमय सिरस महरम
ग्वरुँई अनाम ग्वरुँई आगम ।
ग्वरुँई छुम शा'ह ग्वरुँई शा'हनाम, म्य कऽम्य आराम ...

म्य फो'ज्य्मुँच़ लोलुँह बागस हिय
सु छाव्यम ती वनस यि बुँय ।
हिये हुँज़ ज़िई दियम यनाम, म्य कऽम्य आराम ...

वरस ग्वर भाग्यवानन छुय
यि छुय सुय बुँई गोवे'न्दुँई ।
छु गोवे'न्दुँह नाम स्वन्दर-श्याम, म्य कऽम्य आराम ...

❀❀❀

८५ - घ्रुँह घरुँह मशि म्य

घरुँह घरुँह मशि म्य हरुँह हरुँह करुँनय ।
घरुँह आम बरुँनय हरुँह सुँदि सूँत्य ।।

सतग्वरुँ स्वाऽमियस गऽयिसय शरनय
ख्वश गोम जि़न्दय मरनय सूँत्य ।
गम गो'ल सोरुय यम चा़व थरुँनय, घरुँह आम बरनय ...

ग्वरुँनुँई दो'पनम तिम नय डरनय
यिम द्यन बरनय ग्वरुँनुँई सूँत्य ।
तिम शष्य् पानय ग्वरुँनुँई वरुँनय, घरुँह आम बरनय ...

तति यमुँकेँकर कति सना दरुँनय
च़लनय सतग्वरुँ स्वरनय सूँत्य ।
रजि़ पान वलुँनय सू सू करुँनय, घरुँह आम बरनय ...

सतुँहकिस शऽसतुँरस आलुँह यिम गरुँहनय
तिम घरुँह बरुँहनय करुँनय सूँत्य ।
लावि लावि लोनन गो'ञ तथ करनय, घरुँह आम बरनय ...

यिम मऽशिरावन तिम क्या मुरनय
तिम गऽयि मुर्य् मुर्य् म्व'छिनुँई सूँत्य ।
म्व'छि म्व'छि मुरनय सो'दरा पुरनय, घरुँह आम बरनय ...

पखुँह ये'लि करनख परवुँई वुडुँनय
अचुँनय सतग्वरुँ घरुँहनुँय मंज़ ।
सतग्वरुँ नावुँह सूँत्य दो'ह रात बरुँनय, घरुँह आम बरनय ...

अमृत बनोव अमृीश्वरुँनुँई
समसाऽर्यदार क्या करनय अथ ।
शशकलि भक्तन ख्वश छुय करुँनय, घरुँह आम बरनय ...

सूहम कलमस अथुँह यिम दार्‌ॅनय
ग्वडुँह तिम प्रार्‌ॅनय सतग्वरनुँई ।
वा'ह वा'ह ओ'मुँचे मीलि सूँत्य बर्‌ॅनय, घर्‌ॅह आम बरनय ...

ओ'म ओ'म स्वर्‌ॅनय मशुँका कर्‌ॅनय
बे'हनय सतग्वरुँ घर्‌ॅहसुँई मंज़ ।
सतग्वरुँ स्वाऽमियिनि बऽहिये तारनय, घर्‌ॅह आम बरनय ...

सम्सार्यदार तथ मीलि क्या कर्‌ॅनय
ज़र गंऽजुँरनय घर्‌ॅहसुँई मंज़ ।
अपुँज़िस धनुँसुँई ठसुँराय कर्‌ॅनय, घर्‌ॅह आम बरनय ...

यिम ठस त्रावन ओ'म ओ'प करनय
तिमय स्वर्‌ॅनय सतग्वरुँ ध्यान ।
त्युहुंदुय धनुँह छुय सतग्वरुँ च़रनय, घर्‌ॅह आम बरनय ...

यिम ग्वर्‌ॅह च़रणन तल यिन शरनय
तिम क्या करनय यमदारस ।
सूहम नावुँह सूँत्य हू हू करनय, घर्‌ॅह आम बरनय ...

प्रेमुँहक्यन पोशन मालुँह यिम कर्‌ॅनय
पन तथ तार्‌ॅनय सू हम सू ।
लोलुँह मालुँह गंडुँहाऽ श्री सतग्वरुँनुँई, घर्‌ॅह आम बरनय ...

यिम लो'ब रोज़न तिम क्या करनय
गरि गरि ज़िन्दय मरनय तिम ।
तिमुँनुँई छ्यफ दिच़ श्री भास्करुँनुँई, घर्‌ॅह आम बरनय ...

<u>भाग्यवानि</u> मों'गमुत ललि हुन्द वरनुँई
बूजुस श्री सतग्वरुँनुँई ती ।
गुलि कमलव सूँत्य वाव छस करनुँई, घर्‌ॅह आम बरनय ...

८६ - तोशिना रोशि मति

तोशि ना रोशि मति छुतुँमय वो'न
अरुँशस ह्यो'र तय फरुँशस बो'न ।।

गूरुँह गूरुँह करि युस द्व'न दूरन
मूर मूर दियि चे'शमि मखमूरन ।
आसि यो'द सरतल साँऽपुँनिय स्वन, अरशस ह्यो'र तय ...

पजि़ नय लागुन परमानुँह छो'न
वनुँहचे हारि आव कोतुर को'न ।
फ्यारि द्वध पानय पोञ नेरि ब्यो'न, अरशस ह्यो'र तय ...

दऽरियाव वुछुमय सनि खो'तह सो'न
सूहम दाने ह्यो'तुमय मन्दो'न ।
लोलुँकि नारुँह गछि़ ग्यव कारुन, अरशस ह्यो'र तय ...

ल्वलि मंज़ लाल गछि़ ललुँहनावुन
खालि बेखाल गछि़ प्रज़ुँहनावुन ।
मीमुँह निशि दाल कड वो'न दिथ नो'न, अरशस ह्यो'र तय ...

ज्ञानुँकि जो़रुँह गछि़ ध्यान दारुन
संगमुँकि यारुँहबलुँह श्नान करुन ।
युस वनि फलि फलि सुय करि गो'ञ, अरशस ह्यो'र तय ...

रिन्दुँह बन गिन्दुँहवुन गिन्दुँहनावुन
मरि निशि ठो'र दिथ दुर चा़र ब्यो'न ।
वो'र युस गिन्दुँवुँञ सुय दियि वो'न, अरशस ह्यो'र तय ...

ये'म्य् पान वो'लुँनय सुय ओस नो'न
ये'म्य् गाश वुछुनय सुय ओस ओ'न ।
ये'म्य् नालुँह रो'टनय सुय रूद ब्यो'न, अरशस ह्यो'र तय ...

नालुँह रठ दऽरियाव प्यालुँह सूँत्य च्यन
ज़ान कर पानस मान कर द्वन ।
प्वखतुँह बन शूभिय म्वखतुँह अदुँह ख्वो'न, अरुँशस ह्यो'र तय ...

सुलि फो'ल्य् गिलि दूर्य् विलि दार कन
गुलि बेखार छुय कुलि निशि ब्वन ।
वुलि वसि काँछ़ा थफ दिथि द्वन, अरशस ह्यो'र तय ...

ज़ार गिन्द नार वुछ च़्वन तरफन
वार यिथ लार कर द्वन मलकन ।
यारि गमखार वुछ तनि सूँत्य तन, अरशस ह्यो'र तय ...

निन्द्रायि दकुँह दिथ बन्दुँरस सन
मन्दुँरुक ध्यान वुछ अन्दर मन ।
स्वन्दुँरस पूज़ कर रातर-द्यन, अरशस ह्यो'र तय ...

ह्यन च़्यय आसिहिय मशिहिय ख्यन
लशि नारुँह ज़ालुँहऽक पान हन हन ।
नशि ये'लि दुशमन पशि अदुँह स्वन, अरशस ह्यो'र तय ...

सतग्वरुँ ज़ारन थावतम कन
यारस लागुँहाऽ तनि सूँत्य तन ।
जोश यियि पान होशदारन, अरशस ह्यो'र तय ...

लोलन ग़ोनुय नुँ दोस्त तुँ दुशमन
लोलन दाऽरुँई थ्राकि गरदन ।
लोलन म्युल को'र द्वन मिलतन, अरशस ह्यो'र तय ...

लोलन साऽर को'र द्वन आलुँमन
लोलन वुछनय नुँ ह्यो'र तय ब्वन ।
लोलन ज़ोनुय नुँ ग्वन तुँ अग्वन, अरशस ह्यो'र तय ...

लोलन रो'दुनय नालुँह जम जम
लोलन छोंडुय नुं मील तय कलम ।
लोलुँक्य कलुँमन खूनुँह सूँत्य खो'न, अरशस ह्यो'र तय ...

शक्ती कन दोर कुकिलि नालन
शेवन मस ह्युत मतवालन ।
भाग्यवानि नालुँह रो'ट बालुँह छ़ालन, अरशस ह्यो'र तय ...

❀❀❀

८७ - नूरुँह मंजुँह वुछमय

नूरुँह मंजुँह वुछमय चरागानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

गूरुँह गूरुँह को'रुम नूरुँह दुरदानस, खऽचुँसय प्यठ आसमानस बो ।
नूरुँह मंजुँह वुछमय पर्नुँनिसुँई पानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

मीलि मंजुँह वुछमय कलमदानस, तील ज़न शमा'हदानस बो ।
व्यूर म्य तुलुमय गुलि-ज़ाफरानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

गूल्य् ज़न वुछमय मंज़ शोरुँहखानस, बूल्य् ज़न कोतरखानस बो ।
श्यो'नि श्यो'नि ओ'सुम र्‌वनि दामानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

जोशुं सूँत्य चा़यस मंज़ तोशिखानस, नोशलब सूँत्य नुंदुंबानस बो ।
नोश म्य को'रुमय गजुँलखानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

लल्लह्यदि कलुँह तुल नफ्चि़ शेतानस, छ़ल करुँह शा'ह हमदानस बो ।
कारि पऽत्य् फो'ल्य् म्य दानस दानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

वनि सुय मनि मंज़ अनि जानानस, सनुँहाऽ पर्नुँनिसुँई पानस बो ।
जन्दरा मारहाऽ तो'न्दुँरुँकिस ठानस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

भाग्यवानि ज़ार वऽन्य पर्नुँनिसुँई पानस, वातुँहाऽ शिवर्निवानस बो ।
सतग्वर थवुँह-हन पूँचि़मिस प्राणस, गूरुँह गूरुँह करुँह जानानस बो ।।

८८ - क्या खबर छम

क्या खबर छम शा'ह म्य वुछुमय गा'ह अन्दर बयानेंसुंई ।
ला म्य को'रमय हा तुं हूहस बे'यि इमतिहानुंसुंई ।।

ओ'म म्य ज़ो'पमय नम म्य रो'टमय खम को'रुम जानानेंसुंई ।
दम म्य द्युतुंमय शम म्य वुछुमय क्रम को'रुम शबानेंसुंई ।।

दोर म्य त्राऽवुंम मोर म्य वुछुमय मंज़ पऽरिस्तानेंसुंई ।
व्यूर म्य तुलुमय गूर म्य को'रुमय नूरुंकिस नारानेंसुंई ।।

क्रूर म्य खो'नुमय नूर म्य ओ'नुमय शिञि माऽदानेंसुंई ।
तार म्य द्युतुमय नार म्य वुछुमय सुय अन्दर खानेंसुंई ।।

सरुंह म्य को'रुमय हरुंह म्य वुछुमय मा'ह अन्दर ज़ोलानेंसुंई ।
जोशि सुंतीय नोश म्य को'रुमय कुल गज़लखानेंसुंई ।।

ह्यस म्य प्यिुरनम मस म्य द्युतुनम मस्त बऽनिथ मस्तानेंसुंई ।
जस्त द्युतुनम बस्त को'रुनम प्राण अन्दर ध्यानेंसुंई ।।

दक्षणुंह उतरय पश्चिम पूरय धरतिये आसमानेंसुंई ।
शा'ह म्य बन्द गोम राह म्य पुछ़नम क्या दऽज़िथ परवानेंसुंई ।।

मल म्य छो'ल्लुनग रल को'डुनम ज़ल गऽछ़िथ जुज़दानेंसुंई ।
सज़ि पानय रज़ि सू सू वज़ि मंज़ पेचानुंसुंई ।।

होशि सुंतिय जोशि आमुंत्य पोश कबरिस्तानुंसुंई ।
प्यार को'रमस यार वुछुमय प्यठ दरेखानुंसुंई ।।

जायि जाये छ़ायि वुछुमय मल म्वचि़थ ताबानेंसुंई ।
द्राव धरती ताव दि यऽन्दरस चाव वोवुंर्यवानेंसुंई ।।

दो'ब्य् लाऽजिस सज़ तुं साबन सुंच़ कपटिय थानेंसुंई ।
काचि़ कऽर्यूनस ज़ाऽच़ ब्यो'न बयो'न मेनि कद मियानेंसुंई ।।

यी छु खानस ती छु बानस ती छु मंज़ पयमानुॅसुॅई ।
वुछ चुॅ पानस मंज़ ध्यानस क्या छु अन्दर पानुॅसुॅई ।।

कांऽसि मनि मंज़ नाल वो'ल्लुनय मीलि कलमदानुॅसुॅई ।
भाग्यवाने ज़ाल वो'ल्लुनय ग्वरुॅ सुँदिस दामानुॅसुॅई ।।

❀❀❀

८९ - सहस्रुॅह दलुॅह वुज़ुॅहमलुॅह

सहस्रुॅह दलुॅह वुज़ुॅहमलह तति द्युत म्य दम हय
वुछ म्य शम हय पनुॅनुई पान ।।

ग्वरुॅ वाक्य् सूॅत्य रो'ट च़्यथ नावि नम हय
ग्वर म्यो'न शम हय बारम्बार ।
शशकलि नाग फो'ल्य् गुलि बादम हय, वुछ म्य शम हय ...

नूर डीशिथ त्रोव दूर म्यं कदम हय
अदुॅह बालि को'र म्य पूरुॅह गुफ्तार ।
नूरुक नूर सुय सुय आदम हय, वुछ म्य शम हय ...

अलमासुॅह म्व'खतस तोरुम त्रम हय
अदुॅह बालि को'रमय म्व'खतस हार ।
यारि गोम पारिज़ात-कुलिकुय भ्रम हय, वुछ म्य शम हय ...

लोलुॅकिस नागस लोलुॅह ज़मज़म हय
लोलुॅहसूॅत्य को'रमय साऽर्य्सुॅई आहार ।
लोलुॅह सूॅत्य चोरमस लोलुक बम हय, वुछ म्य शम हय ...

लोलुॅहकिस बागस पूरुॅह प्रक्रम हय,
लोलुॅह सूॅत्य वुछुमय लोलुक बहार ।
लोलुक फल छुय रे'यि शबनम हय, वुछ म्य शम हय ...

क्रे'यि खोर्तुंह वुछुमस लोलस दम हय
शा'ह ह्युव वाति शाऽही दरबार ।
खोचि़ तति यम करि दूरि सरखम हय, वुछ म्य शम हय ...

सम्सारस ये'म्य ब्वो'र प्रेयम हय
त़स कति छूयनुंह गछि़ नरकुन नार ।
बोर ग्वबि पापुन बनि सुय थम हय, वुछ म्य शम हय ...

मायायि कायायि करि लमुंलम हय,
छ़ायायि तऽम्य्सुंई वूनुंनय ज़ाल ।
गरि गरि रोज़ुंनस घरुंहकिय गम हय, वुछ म्य शम हय ...

सतुंचे वति पख त्राव अहम हय
प्राव आगम बन बाऽनीकार ।
तेलुन पानस गेलि आलम हय, वुछ म्य शम हय ...

ओ'मुंचिय सुमरन ओ'मुंकुय पन हय,
ओ'मुंकिस अकसस ओ'म परकार ।
सू सू सुय छुय सुय सूहम हय, वुछ म्य शम हय ...

अष्टुंहस्य्ज़ह थविनम पतुंह दोरन हय
दूर दूर ह्यो'तुंमख ज़ोनुम नुं सार ।
पथ नय ह्यमुंह गछुंमा बरुंहम हय, वुछ म्य शम हय ...

सथ गाश वन्दुस कर ओ'म ओ'म हय
सतुंची वथ छय अपरम्पार ।
सथ द्वार त्रो'पुंरिथ दार मोनम हय, वुछ म्य शम हय ...

शीवन बो'रनम म्यति प्रेयम हय
म्य मंज़ शक्ती तुं म्य मंज़ शिव ।
वति रूद्य वतुंह गत ये'ति रूद्य कम हय, वुछ म्य शम हय ...

कुकिले हुँद्य हिव्य् दित्य् म्य दम हय
गोवे'न्द वुछुमय गरुडय सवार ।
सुय गरुड्ँह वाहन सुय आगम हय, वुछ म्य शम हय ...

भाग्यवान तऽस्य सूँत्य रूज़ हमदम हय
सुय असरार वनि बारम्बार ।
हम सू त्राऽविथ करि छ़ोपुँह दम हय, वुछ म्य शम हय ...

गोवे'न्द्ँह नावुक यस प्रे'यम हय
सुय छुय ओ'म तय सुय ओ'मकार ।
भाग्यवानि तऽथ्य प्यठ त्रोव कदम हय, वुछ म्य शम हय ...

❀❀❀

९० - ऐ दिलबरे गुलरो

ऐ दिलबरे गुलरो दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुँसुँई ।।

गव गो'ट पथुँई फो'ल दो'ह, दम छुनुँह रोज़ान खारुँसुँई ।
छनुँह उतराऽय छुम को'ह, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुँसुँई ।।

छुम दूर पकुन मंऽज़िल, छुम चोनुँय सूँत्य सिलसिल ।
को'ह छ़ंऽडिथ कर म्य हो हो, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुँसुँई ।।

छुम दूर मंऽज़िल चट़ुन, किथुँह बनि सोरुय खटुन ।
छुम पूर हावुन मो'ह मो'ह, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुँसुँई ।।

ज़ुरुँह ज़ुरुँह ब्रोंठ वाऽच़ खबर, छुनुँह नेरुन बरय न्यबर ।
मंज़ घरय छु रोज़ुन रात तुँ दो'ह, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुँसुँई ।।

ठोकुर छु पूज़ुन घरे, ललि हुँदि वाकुँह म्य वरे ।
वो'नुनम म्य ग्वरुँनुँई दिज छ़ो'ह, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुँसुँई ।।

ग्वरुॅसुॅई छुम म्योन लोलुय, नाव छुस गोवे'न्द कोलुय ।
ल्वलि मंज़ को'रनम हो हो, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुॅसुॅई ।।

लगुॅहना यिथिसुॅई ग्वरुॅसुॅई, मंगुॅना ती ईश्वरसुॅई ।
अऽमिसुॅई ब्रोंठ ब्रोंठ यिमुॅह बो, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुॅसुॅई ।।

भजन वो'नमय पानय, छअ लोलुॅह हऽच् भाग्यवानय ।
सतग्वरुॅ पादन लगुॅह बो, दो'ह गोम दर इन्तिज़ारुॅसुॅई ।।

❀❀❀

९१ - मंगुन हे'छुम मंऽगिथ ओ'नुम

मंगुन हे'छुम मंऽगिथ ओ'नुम मंगल करि पानुॅह गोवे'न्द गू ।।

कमल सरस अन्दर वुछुम कमलि रो'छुम गोवे'न्द गू ।
तऽतिय वुछुम तऽतिय हे'छुम मनि मंज़ रो'छुम गोवे'न्द गू ।।

तस निशि भोवुम तऽमिय होवुम तऽतिय छोवुम गोवे'न्द गू ।
छुय म्योन मोलुय गोवे'न्द कोलुय वो'व तऽम्य ब्योलुय गोवे'न्द गू ।।

सूहम लोलय तऽम्य दिचुॅह शोलय सोरुॅई बुॅ खोलय गोवे'न्द गू ।
सो'गनम मूलुॅई ग्रुतुॅनम अतूलुय अऽनिथ म्य तूलुई गोवे'न्द गू ।।

वुछुम गो'बुॅय बानुॅह छु दो'बुॅय लऽबिथ म्य लो'बुय गोवे'न्द गू ।
लऽबिथ पानय नो'न जानानय अनि भाग्यवानय गोवे'न्द गू ।।

❀❀❀

९२ - खत लेखुँनय खताब

खत लेखुँनय खताब म्यूलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

सत छांड्डुँनस सतवुँई ग्यूलुम, तथ त्यूलुम पनुनुय पान ।
वथ हावुँनस सतग्वर म्यूलुम, अदुँह तू म पनुनुय पान ।।

गोवे'न्दुँह-गू कुकिलि बूलुम, अदुँह म्यू तुम शिव-शक्ती ।
अदुँह गरमिथ तो'न्दूरुँह शिह्लूम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

ग्वरुँ वाकय सू सू को'रुम, सूहम रजि़ खोरुम पान ।
अदुँह अऽदरिम सोरुय खूलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

दऽरियावस दम दिथ वोलुम, सूँत्य वोलुम सू ओ'मकार ।
मंज़ हाले कुन्दन गोलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

ग्वरुँ वानय पान म्वलोलुम, अदुँह द्रायस नऽञ बाज़ार ।
अदुँह गोरुम ग्वडुँन्यथ गोलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

ब्वनुँह खोरुम हे'रि अदुँह वोलुम, म्वखतुँह डोलुम शुपिनुँई क्यथ ।
अदुँह ग्वरुँसुँई ब्रोंठुकुन वोलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

ग्वरुँ स्वाऽमियन ग्वडुँहन्यथ लो'ल्लुम, अदुँह बो'ल्लुम अंऽद्रिम दोद ।
ये'लि दाऽदिस दवा म्यूलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

पछि़ हुँदि पानि ठेकुर छो'ल्लुम, पूजि़ लाऽग्यमस प्रेयमुँक्य पोश ।
चऱनन हुन्द अमृत ज़ो'ल्लुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

गुलि कमलस सूत्य् ये'लि रो'ल्लुम, अदुँह फो'ल्लुम प्रेयमुक पोश ।
सू फो'ल्लुम अहम गो'ल्लुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

ओ'म शब्दय वारिया'ह बूलुम, सूँत्य तूलुम सुहम सू ।
सतग्वरुँनुँई सति लटि बूलुम, अदुँह तूलुम पनुँनुय पान ।।

ललुँह वाकन कन ये'लि दोरुम, अदुँह गोरुम सतग्वरुँ ध्यान ।
ललि हुँद्य पाऽठ्य् हू हू फो'ल्लुम, अदुँह तूलुम पनुँनुय पान ।।

ग्वरुँ स्वाऽमियन पानय बूलुम, म्य नो फेर्यम सतग्वरुँ वाक्य् ।
छख चुँ भाग्यवान बू बू बूलुम, अदुँह तूलुम पनुनुय पान ।।

❀ ❀ ❀

९३ – अय्याऽशी अय्यार बुँय

अय्याऽशी अय्यार बुँय, अभिनाशी खावार बुँय ।
वीदन हुन्द व्यस्तार बुँय, दीदन हुंद दीदार बुँय ।।

जुल्मातुक जुन्नार बुँय, शिवालस शा'हमार बुँय ।
खयालुक परकार बुँय, दयालस दशवार बुँय ।।

दफ्तरुक सरकार बुँय, आश्चरुक अखबार बुँय ।
खज़ानस मा'हवार बुँय, अनज़ानस उपकार बुँय ।।

सिलसिलुक गिलकार बुँय, बुलबुलस गुलज़ार बुँय ।
दुलदुलस सवार बुँय, बेदिलस दिलदार बुँय ।।

सागरस हुंकार बुँय, आगरस फम्वार बुँय ।
नदहरस रफ्तार बुँय, टीचरस गुफ्तार बुँय ।।

मुक्कदर नारो नार बुँय, किशवरस आबुँशार बुँय ।
बे-अकलस थरदार बुँय, आऽकलस वरदार बुँय ।।

शशकलि हुन्द खुमार बुँय, शंकरस मुख्तार बुँय ।
गऽणीश बुँय कुमार बुँय, तारा तारन तार बुँय ।।

❀ ❀ ❀

९४ - म्य मंज़ सादुँह संगन

म्य मंज़ सादुँह संगन वुछुम यार वे'सिये
नचान ख़्वनि जंगन मदनवार वे'सिये ।।

ग्वडऽञ छुय प्रणामुँई अगम तय अनामुँई, छु गुफ्तार वे'सिये ।
दो'युम दुई काऽसिथ सु कीवल भाऽसिथ, छु दीदार वे'सिये ।।

त्रे'युँम वुछ त्रगुणुई करुन बन्द मनुँई, छु व्यस्तार वे'सिये ।
च़ो'वापोर फेरुन ग्वरन सूँत्य नेरुन, छु दशवार वे'सिये ।।

छु पूँचिम प्राणुँई सतग्वरुँ ध्यानुँई, सु ओ'मकार वे'सिये ।
छु शशकलि प्रारुन शिवुँई गछ़ि गारुन, सतुक तार वे'सिये ।।

यिनय अष्ट्ह-स्यद्धी तति कऽर्यज़ि बुद्धी, छे' दरकार वे'सिये ।
नवन द्वारुँनुँई बन्द गछ़न ताऽर्य् अन्दुँवन्द, छु आहार वे'सिये ।।

दऽहिमे तारुँह तरुन वारुँह वारुँह, छु दशुँहार वे'सिये ।
कऽहिमि थानुँह पानय वुछुन जानानय, तऽती प्रार वे'सिये ।।

बा'हन बुरजनुँई मंज़ छु अमि तीज़ुँकुय संज़, छु अनवार वे'सिये ।
त्रयोदशि नावुँई छु अऽम्य्सुन्द स्वभावुँई, यि सम्सार वे'सिये ।।

च़ो'दुँहशि हुँज़ि ज़ूने छि शूभान चूने तुँ गवहार वे'सिये ।
छि चून्यन निशानय ज़्रुँक्य् दानुँह दानय, छु इज़हार वे'सिये ।।

बऽनिथ भाग्यवानुँई छि तमिकुय दुकानुँई तुँ बापार वे'सिये ।
ये'मिस आसि ह्योनुय तऽमिस बासि कुनुय तरन तारुँह वे'सिये ।।

✿ ✿ ✿

९५ - छखय शक्ती किनुँह

छखय शक्ती किनुँह छख राजिरे'निये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

भाग्यवान आऽसुँय कुनिय ज़ऽनिये, तस निश द्रायिखय नऽनिये चुँई ।
स्वरगुँक्यन जामन मुच़रनय तऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

गोवे'न्द कोलन किछ़ दिच़ वऽनिये, द्रथुँह मंजुँह कऽडनख थ़ऽनिये चुँइ ।
नालुँमति रऽटमख ने'थऽहनऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँइ ।।

ग्वरुँनुँय पानस सूँत्य सूँत्य अऽनिये, शिव-शँकरनिय रऽनिये चुँइ ।
दो'शिवुँञ त्रावन यर्कुँजा खऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

गुलदस्तव खो'तुँह रंगुँ छख प्रे'निये, संगि मरुँमरची कऽनिये चुँइ ।
समन्द्रुँह खो'तह जमुना सऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

जमनायि बऽठिसुँय प्यठ छख नऽनिये, कृष्णुँञ छख ब्रान्दुँह कऽनिये चुँइ ।
शीतल भाव छख तनि खो'तुँह तऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

आकाशि गँगायि आऽसख कऽनिये, नकाऽश हे'चुँख गरुँहने चुँई ।
ज़रुँहसुँई ज़न छख ज़ून ज़ोतुँहवऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँइ ।।

कृष्णुँह सुँज़ लीला कृछमय नऽनिये, वे'शनुँह माया हावुँवुँनिये चुँई ।
हरुँकुय हर ख्यो'न बे'यि सूँत्य थऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँइ ।।

मो'नि मंज़ कृष्णस रो'नि छो'ञ छो'ञुँये, ओ'म सेतारुँह वायिवुँनिये चुँइ ।
रुमुँनुँई बन्द छय गुमुँहची तऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँइ ।।

सतुँचे वुछमख कथुँह करुँहवुँनिये, रथुँहसुँई प्यठ कुञ ज़ऽनिये चुँइ ।
सथ पथ त्राऽविथ गथ गतुँहरे'निये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँइ ।।

आशकन आहार छख करुँहवुँनिये, नरआहार आसुँहवुँनिये चुँई ।
शोरुँह शमशेर छख नारुँह मंजुँह नऽनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँइ ।।

नुरुँकिस नागस मंज़ छख नऽनिये, ब्राऽर भवाञ आसुँहवुँनिये चुँई ।
गोवे'न्दुँह नावस चुँई रछिवुँनिये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

शक्ती हुंज़ शक्ती भाग्यवानि वऽनिये, भावुक भोग करुँहवुँनिये चुँई ।
रे'शियन तुँ मुनियन हुंज़ राजिरे'निये, किनुँह छख म्याऽनी बे'निये चुँई ।।

✽✽✽

९६ - वो'थन बे'हन शों'गनुँई

वो'थन बे'हन शों'गनुँई, मंज़ सादुँह संगन दय वुछुम ।

फेरान थोरान दोरुँनुँई, कृष्ण पया पय वुछुम ।
मदहम मुर्ली चंगुँनुँई, निशि कलुँहवालन मय वुछुम ।।

रंगारंग बेरंगुँनुँई, लाहस तुँ लाबस लय वुछुम ।
संगन मंज़ सत-संगुँहनुँई, मीमस दालस लय वुछुम ।।

ज़लस थलस तुँ बलुँसुँई, शिञस तुँ शाऽञिस शय वुछुम ।
ओ'मकारुँह ब्यन्द गोवे'न्दुँई, मंज़ कलिकालस जय वुछुम ।।

पादन वादन तुँ नादुँनुँई, कुल अपरादन क्षय वुछुम ।
गा'ह चंगुँहनुँई सारंगुँहनुँई, गा'ह नयि अन्दर पय वुछुम ।।

गा'ह रंगुँहनुँई मृदंगुँहनुँई, गा'ह वासनायन भय वुछुम ।
ग्वरुँ रूप सुय स्वरूप सुय, गा'ह अभिनाश अभय वुछुम ।।

गा'ह म्य अन्दर पानुँ सुय, गाह जानानय बुँय वुछुम ।
हाहस तुँ हूहस शा'हसुँई, भाग्यवानि मृत्यञजय वुछुम ।।

✽✽✽

१७ - ही ग्वरुँह घरुँह घरुँह

ही ग्वरुँह घरुँह घरुँह करुँह हरुँह म्याने
द्राये'स कऽबीलुँह क्राने बो ।।

क्या'ह सना ल्यूखुनम करमयलाने
ग्वर्डुँह घरि द्राये'स प्राने बो ।
थरि सूँत्य आयस अदुँह मरि चाने, द्राये'स कबीलुँह ...

शिवुँसुन्द कहार शुभ्या वाने
बुतुँहराऽच् हुन्दुय माने हो ।
कें'ह तुल आलन कें'ह खो'न खाने, द्राये'स कबीलुँह ...

रामन तीर त्रोव तीरकमाने
करुँमुँनि हाने क्या करुँह बो ।
शोलुँहवुँञ दूर गरुँह शिलुँह पदमाने, द्राये'स कबीलुँह ...

कौंऽसि गव म्वखुँह मंज़ह बे'बि तय बाने
कौंऽसि हुन्द माने मनि मंज़ छु ।
कौंऽसि हुन्द तीर चाव मंज़ कमाने, द्राये'स कबीलुँह ...

कौंऽसि को'र आऽसिथ आनि तय माने
कौंऽसि दो'प पानय कथ मंज़ छू ।
यस गऽयि ज़्वलि क्वलि सु कवो छाने, द्राये'स कबीलुँह ...

कोंच्व छ़ोरुय हने हने
कौंऽसि मंज़ मने छो'लुँय मुँह ।
कौंऽसि ख्यव ओमुँई कौंऽसि मो'न्द दाने, द्राये'स कबीलुँह ...

खाल कौंऽसि तख्त ह्युत वर्कुँह पदमाने,
कौंऽसि न्वखतुँह ह्युतुनय म्वखतुँह ह्युव छु ।
कौंऽसि माऽल बो'रनय लाऽलि मिरजाने, द्राये'स कबीलुँह ...

हर ये'म्य् मों'दुँनय सूहम दाने
सर खम को'रनय सूहमसू ।
वर तस ह्युतुनय नर नूरजाने, द्राये'स कबीलुँह ...

पर यस ह्युतुनय ज़ुरुँह पदमाने
थरि प्यठ ह्यो'तुनय गोवे'न्दुँह-गू ।
सर तऽम्य ह्युतुनय तीरकमाने, द्राये'स कबीलुँह ...

कुलि प्यठुँह बूल्य् बूज़ अमि गाऽरज़ाने
कुकिलि हुँज़ि बोलि मंज़ गोवे'न्दुँह-गू ।
सुय कुल रो'टुनय भाग्यवाने, द्राये'स कबीलुँह ...

❀ ❀ ❀

९८ - बुँई जसुधा बुँई राधा

बुँई जसुधा बुँई राधा बुँई कृष्ण मुराऽरी ।
बुँई गौरी बुँई शँकर बुँई गँगाधाऽरी ।।

बुँई गणपत बुँई कुमार बुँई हय ओ'मकाऽरी ।
बुँई सतग्वर बुँई स्वामी बुँई हय नर नाऽरी ।।

बुँई कुनुई बुँई कीवल बुँई हय सम्साऽरी ।
बुँई कुनुई बुँइ कीवल बुँई हय व्यवहाऽरी ।।

त्रे' कारण भाग्यवानि प्रारन ह्यथ अमृतदाऽरी ।।
पियो पियो सतगुरू मेरा प्राण प्यारी ।।

❀ ❀ ❀

९९ - वना ग्वरुँसुँई किनुँह

वना ग्वरुँसुँई किनुँह भगवानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

क्या सना लो'दनम म्याऽनिस बानस, न्यामत शाहि ज़ाफरानस बो ।
सरपोश रूदुम सिरुँकिस बानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

पूरुँह सीर क्या वनुँह दूरि गाऽरज़ानस, किनुँह वनुँ वाऽकुँफ नानस बो ।
तीर त्रम तार्‌या लाल मिरजानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

आयि पायि करुँहाऽ आयि कुरानस, किनुँह वनुँह विष्णू पुरानस बो ।
मनि मंज़ जाय छम तस जानानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

रंगुँह रंगुँह न्यामऽचुँह लजिनम बानस, प्यादस दिमुँह तलबानसबो ।
ती ख्यमुँह पानस यी मंज़ खानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

वारुँह वारुँह वोनव वोवर्य्-वानस, किनुँह सबि प्यठ डालानस बो ।
परवानुँह दूर्‌या चरागानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

मार पेच शूभ्या मंज़ ज़ोलानस, कारतूस मंज़ शोरुँहखानस बो ।
सबक प्रुँछिज़्या अबक छानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

दऽरियाव शूभान मंज़ दोरानस, दीवकी ज़न मंज़ काऽदखानस बो ।
ज़ून छय शूभान प्यठ आसमानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

दो'ब्य् कऽञ शूभ्या खम्बुँह कारखानस, ताफ ज़न प्यठ तार्पुँहदानस बो ।
ग्राख क्या चूर करि वोवुँर्य् वानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

मीना वुडिना प्यठ आसमानस, कीना ह्यथ मनि पानस बो ।
सीना दिमुँह ना लोलुँहकिस कानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

गोवे'न्दुँह नावस टाऽठिस प्राणस, शिवनिर्वानस सूँत्य सूँत्य बो ।
प्रकाश छु मीलिथ आकाश थानस, किनुँह वनुँह पर्नुँनिस पानस बो ।।

नालुँमति सुय रटि यारि जानानस, आगुर आबि खानस बो ।
खाल कौं'ह छ़ाल दिथि मालि बेगानस, किनुँह वनुँह पनुँनिस पानस बो ।।

पोंपुँर्य ग्यूर को'र शमा'हदानस, व्यूर तुलुँह गुलि ज़ाफरानस बो ।
नूर अदुँह चमकिय माहि ताबानस, किनुँह वनुँह पनुँनिस पानस बो ।।

दूरबीन वात्या माऽलिक शब्बानस, नूर ज़न शिञ माऽदानस बो ।
गूरुँह गूरुँह कऽर्यज़्या शेरि दहानस, किनुँह वनुँह पनुँनिस पानस बो ।।

तन गछ़ि लागुँन्य् तनि जानानस, नाज़ परवानस साज़ सू सू ।
बाज़ गछ़ि हाऽरिथ तिफलि नादानस, किनुँह वनुँह पनुँनिस पानस बो ।।

भाग्यवानि ज़ार वऽञ निशि भगवानस, ग्वर मंज़ ध्यानस वुछुँहाऽन बो ।
मंगुँह क्या नतुँह बो संगर्मुँकिस थ्रानस, किनुँह वनुँह पनुँनिस पानस बो ।।

✽ ✽ ✽

संसार के कांटे इक्टठे करने में आज तक किसी ने सफलता हासिल नहीं की, और न करसकता है। लेकिन अगर हम अपने पैरों में मज़बूत जूते पहन लें तो वे काँटे अपना असर नहीं कर सकते । संसार की समस्यायें न आज तक किसी ने हल की हैं और न कोई हमेशा के लिए हल कर सकता है। लेकिन संतों महात्माओं के उपदेश पर चल कर हम अपना खयाल इतना ऊँचा ले जा सकते हैं कि संसार के दुख सुख की समस्यांयें हम पर असर नहीं कर सकतीं।

✽ ✽ ✽

१०० - गाशरुँह को'रथम

गाशरुँह को'रथम इम्तिहानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

म्य गोवे'न्दुनुय रो'ट दामानय, गोवे'न्द पानय म्य निशि आव ।
गूरुँह गूरुँह करुँयो नूरुँह दुरदानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

पानय फ्यूरुस अकि अकि दानय, वोवुँर्य वानय पानय चाव ।
वूनुन पानय छो'ल धो'ब्य वानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

शीतल कनि प्यठ छो'ल्लुनय पानय, छलनस ओ'नुनस नूरुँह दऽरियाव ।
ता'ह करि पानय गा'ह त्रावानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

सूहम सुँच़ने सुवुँनम पानय, नवन ता'हन नारानय नाव ।
रो'ञि फऽल्य् लाऽगिस तनि ताबानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

साति प्रभात आव शक्तिनाथ पानय, सातस प्यव शक्तिपाथुँई नाव ।
शक्ती यस बनि मे'हरबानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

तारुँकन मंज़ छय ज़ून शूभानय, मारुँकन सिरियि ताबानय द्राव ।
ताफ ब्यो'न त्राऽविथ नो'न आसमानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

वापस युस चाव नाभिसथानय, शापस सुय बदलानय आव ।
तापस रूदुम तापय-दानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

भक्तुँहबडि वुछमय शक्ति-शाहानय, प्वखतुँहकार म्वखतुँह दहानय आव ।
म्वखतुँह हार वुछमय तऽम्यसुन्द खानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

ब्रोंठुँकनि वुछमस अमृत बानय, चे'नि ओस आमुत बसंतुँह काव ।
यूरुँह किञ द्युतुँनस भूरुँह-पयमानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

ललद्यदि छोंडुय काँदर्य्वानय, वारुँह वारुँह चोलुन नारुक ताव ।
खारुँह सुँद्य् पाऽठ्य् द्रायि दम दिवानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

भाग्यवानि छोंडुय सतग्वरुँ थानय, सतग्वर वुछमय कृष्णुँह सुन्द नाव ।
परमुँहग्वर सपदुम मे'हरबानय, गाश शब्बानय पानय आव ।।

✾✾✾

१०१ - हा तुँ हू रूदुय अऽक्य्सुँई जाये

हा तुँ हू रूदुय अऽक्य्सुँई जाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

शाह छुय रोज़ान गा'ह बारगाये, ललि मंज़ ज़लुँहसुँई दिच़नम छ़ाल ।
हरुँहसुँई घरुँह छुय मंज़ कायाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

सूर गछ़ि करुन पूर छ़ायाये, दूर कायाये निशि गछ़ि काल ।
दम वुडुँहनावुन हँसनि त्राये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

कमलन कऽरुँयो आयि तुँ पाये, बुँति मंज़ ज़लुँहसुँई वोनुँहा ज़ाल ।
ख्यल मा खूचुय ज़लुँहचे ग्राये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

कुकिले दम द्युत गोवे'न्द राये, शम ह्यूव वुछुँमस पूरुँह खतुँखाल ।
भ्रम गव दीवकीयि बे'यि जसुदाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

रुमुँह रुमुँह बुमुँह छय वे'शनुँह मायाये, चे'शमय मयि छस मालामाल ।
खास छुम भास्कर सास जायि जाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

तारुक रोज़्या ज़ूनि हुँज़ि जाये, सिरियस रोज़्या ओ'बरुक ज़ाल ।
ओ'बरुय वुछुमय सिरियस छ़ाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

न्यबुँरुँई रोज़ुँनुँह सबरुँचि जाये, सबरस वुछुमय ललि हुँज़ चाल ।
बबरुँई मंज़ छुय शेरि कायाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

गोवे'न्द वुछुमय बेपरवाये, शिव जटाये वो'ल्लुनय नाल ।
शम ह्यूव वुछुमय शिञा शाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

दर्मुँह दर्मुँह रोज़ुँहा ग्वरुँ सुँज़ि राये, शमा'ह ह्यूव द्युतनम ओ'म दुशाल ।
सरुँहसुँई को'रनस ज़रुँहकुय माये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

खाल कौँह रूदुय शिञा'ह शाये, कौँऽसि मायाये वो'ल्लुनय नाल ।
सरुँह पान को'रमय घरुँह निशि छ़ाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

पो'ज़ माया अपुंज़ कायाये, नालुँहमति रटुँहाऽन नाऽली नाल ।
सो'दाम खूचुस नुं लूकुँह निन्द्याये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

धरमुँह ब्योल युस ववि करमुँहभूमिकाये, सुय मंज़ ज़लुँहसुँई मारिय छ़ाल ।
दम दिथ नम रठ ओ'मुँह प्रे'तिमाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

शे'यि शे'यि युस अचि़ शिव ग्वफाये, शक्ती सूँत्य रोजि़ नाऽली नाल ।
कीश छलि पानय कृष्णुँह गङ्गाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

कृष्णुँई वुछमय बेपरवाये, राधायि सूँत्य रूद नाऽली नाल ।
चारुँह बनि आरुँहकचि़ सोशीलाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

दमुँह दमुँह मालुँह करि ओ'म मालाये, ओ'मुँचे मालुँह रटि नाऽली नाल ।
कृष्णुँह कीश भासिय मंज़ कायाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

<u>भाग्यवान</u> वऽजिनय कृष्णुँनि माये, मनुँह मथरांये लो'बनय लाल ।
नालुँहमति रटुँहाऽन मंज़ जमुनाये, म्य मायाये को'रमय साल ।।

✽✽✽

जीवन बेकार कभी न रहे, काम करो और काम के सिलसिले में दो बातों का ध्यान रखो:

1) काम हंसी खुशी का हो। 2) थकाने वाला कभी न हो।

काम के क्रम में किसी के दिल दुखाने का खयाल न रहे, केवल अपने काम से काम रहे, अपने काम के बारे में देखो सुनो और उसके बारे में कहने सुनने का अभ्यास हो।

✽✽✽

१०२ - ये'लि बनुँह फिदा

ये'लि बनुँह फिदा ते'लि माशोक जुदा वे'सिये ।
थो'द तुल निदा तथ छा कें'ह हदा वे'सिये ।।

यि ओ'स मुदा ती म्य द्युतुम सदा वे'सिये ।
छुम बालुँह-बावस तस छा कें'ह क॰ वे'सिये ।।

कदि बेहदा सुय छु दिवान सदा वे'सिये ।
को'र मनसूरन पान तनि निश जुदा वे'सिये ।।

मन मन को'रुन मन दो'पुन खुदा वे'सिये ।
कुनिय वानय मेलि कोता'ह सौदा वे'सिये ।।

ये'लि मेलि सौदा ते'लि च़लि पानय छो'दा वे'सिये ।
सुधाम ज़ाऽनिथ न्युव म्य सोरुय सोदा वे'सिये ।।

दय गोम पाऽदा वादा ये'लि गोमं अदा वे'सिये ।
लोयिमस नादा नालुँह रऽटनस राधा वे'सिये ।।

दिल गोम शादा पूर को'रनम वादा वे'सिये ।
कुकिलि दमन दियि गोवे'न्द दादा वे'सिये ।।

मुरली नादा बोज़ि बे'यि सम्वादा वे'सिये ।
कृष्ण छु गोवे'न्द <u>भाग्यवान</u> बनि राधा वे'सिये ।।

गोवे'न्द नावस पान को'रुम फिदा वे'सिये ।
ध्यान रो'ट प्राणन तन सौंऽपुन जुदा वे'सिये ।।

✽✽✽

१०३ - ज्योति स्वरूप ये'लि प्रज़ुँनोवुम

ज्योति स्वरूप ये'लि प्रज़ुँनोवुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

सतग्वरुँसुँई ये'लि हाल भोवुम, ज़ाल चो़'टुम दरि खो'तुँह दो'रुय ।
गम त्रोवुम आगम प्रोवुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

ग्वरुँस्वाऽमियन ताऽमील् को'रुम, ज्ञानुँह पूरुम सोरुय फो'रुय ।
टोठ प्राना जुदा को'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

ज़ान आऽसिथ ध्यान मा दो'रुम, तथ ओसुम मस्तुक ठो'रुय ।
मो'र त्रोवुम तुँ हू हू को'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

ओम प्याला अमृतुँह बो'रुम, ग्वरुँ वरुँह गोम दरि खो'तुँ दो'रुय ।
नारुँह तावुँह सूँत्य ज़र ज़न गो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

ज़ल रो'टुम तुँ नो'ट फुटरुम, मनुँह सो'रुम ललि तिय को'रुय ।
ललि ग्वरस प्रेयम बो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

कलमुँह गऽरिथ शिगाफ को'रुम, मीलि बो'रुम कुल आगुरुय ।
बो'न आऽसिथ ह्यो'रुय खोरुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

सर छे़'निथ गर गर को'रुम, क्वल छे़'निथ रूद आगुरुय ।
दम दितुम तुँ सन्यर पूरुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

वटुँह चो़'लुम तुँ वठ फुटरुम, गटि गवहर दरि खो'तुँह दो'रुय ।
ग्वरुँ च़रणन प्रेयम बो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

शोरुँह बदनस ज़ोरुँह तीर तोरुम, मोरुँह सूरच़ खोरन खुरुय ।
मीर पखचन मोरुँह छर्लुँह को'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

सूँत्य-बाज्यन प्रेयम बो'रुम, वुछ सु प्रेयम मा द्राव दो'रुय ।
अलमासस आर्लुँह फाल गो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

दोर त्राऽविथ खोर ठीकुरुम, द्वन पादन रूदुम दो'रुय ।
निशि पानस सबक पो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

सतुँह सऽदूरह सूहम पो'रुम, आगमस छु हमसुन मो'रुय ।
हर वुछिथ बर बन्द को'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

पुछ़ म्य पानस यि क्या को'रुम, मनसूरन कति थोव मो'रुय ।
माज़ मरे तो'न्दुरुँह पूरुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

माज़ पनुन पार्नुह बाऽगरुम, श्राकि को'रुम जुदा मो'रुय ।
ह्यथ कूँमत दरस खोरुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

मुह मसतस खूर ये'लि तो'रुम, टूरि बो'रुम नूरुँह आगुरुय ।
दिल तुँ दिलबर आऽनस दो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

बार्लुह-बावस रोब ये'लि को'रुम, सोर वुछुम नुँ दो'युम दो'रुय ।
कुन तुँ कीवल दऽरिस दो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

ग्वरुँ च़रणन प्रेयम भो'रुम, आगरस मंज़ वो'लुरुय ।
नावि अन्दर दऽरियाव तोरुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

वथ वुछिथ पथ खोर मूरुम, सथ छम युस ग्वरन वो'रुय ।
वर्तुह गतन प्रेयम बो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

च़्य वर्नुनय म्य सखरुम, बो'न मा प्यमुँह खसय ह्यो'रुय ।
दम ह्युतुम हमसू सो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

पाऽञ पानस प्रेयम बो'रुम, नार्लुह रो'टुम पर्नुनुय मो'रुय ।
ज़ाल छ़्यो'नुम तुँ काल अर्दुह डो'रुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

<u>भाग्यवाने</u> सू सू सो'रुम, गोवे'न्दुँह-गू छुम आगुरुय ।
आगरिस मंज़ वो'लुर तोरुम, ते'लि प्रोवुम दो'युम मो'रुय ।।

१०४ - यियि म्य सुय युस दियि

यियि म्य सुय युस दियि म्य दाऽदिस मरहमुँई हय वे'सिये ।
नाव तऽम्य्सुन्द भावुँह सो'स्तुय बस क्रमुँई हय वे'सिये ।।

रूप तऽम्यसुन्द दीपुँह सो'स्तुय ज़न शमुँई हय वे'सिये ।
म्वख तऽम्यसुन्द स्वखुँह सो'स्तुय दमुँह दमुँई हय वे'सिये ।।

बंग तऽम्यसुन्द चंगुँह सो'स्तुय ओ'म ओ'मुँई हय वे'सिये ।
नाद तऽम्यसुन्द वादुँह सो'स्तुय छो़'पुँह-दमुँई हय वे'सिये ।।

दीर्दुँह तऽम्यसुन्द वीदुँह सो'स्तुय चो़'ल भ्रमुँई हय वे'सिये ।
खाल तऽम्यसुन्द ज़ालुँ सो'स्तुय आलमुँई हय वे'सिये ।।

रंग तऽम्यसुन्द संगुँह सो'स्तुय आगमुँई हय वे'सिये ।
नाभ तऽम्यसुन्द लाबुँह सो'स्तुय डुमडुमुँई हय वे'सिये ।।

अर्थुँह तऽम्यसुन्द सतुँह सो'स्तुय रुम रुमुँई हय वे'सिये ।
सत त्राऽविथ वथ छु डालान आहमुँई हय वे'सिये ।।

त्राव आहम प्राव आगम शब्नमुँई हय वे'सिये ।
तेलि हन हन ग्रेलि गुलशन तनि तनुँई हय वे'सिये ।।

रास तऽम्यसुन्द [illegible] सुँह सो'स्तुय दयि धनुँई हय वे'सिये ।
रो'य तऽम्यसुन्द [illegible]ा'यि सो'स्तुय मदहमुँई हय वे'सिये ।।

वायिवुँज तथ जायि तन्हा चो़'ल गमुँई हय वे'सिये ।
हर छु वायान स्वरुँह मुर्ली पयहमुँई हय वे'सिये ।।

बालुँह बावस नालुँह कुकिले दित्य् दमुँई हय वे'सिये ।
खाल कँाछा़ भाग्यवानन महरमुँई हय वे'सिये ।।

१०५ - आहम बुॅये सूहम बुॅये

आहम बुॅये सूहम बुॅये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

म्य बर त्रो'परिथ त्रो'पर्‌यम लुॅये, सु बर ड्यूँठुम हू तय हा ।
बबर ड्यूँठुम अन्दर नये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

आकाश मन्डलस वाऽचुॅस बुॅये, प्रकाश ड्यूँठु ता'ह बर ता'ह ।
नक़ाश वुछुम पनुॅनी शये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

गागुॅरि मंज़ुॅई सागर छुये, क्वसुॅह शक्ती कुस छुय शिव ।
कुस मंज़ चंगस कुस मंज़ नये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

न छुम मन्त्र न छम क्रे'ये, न छुम तन्तुॅर न पूज़ा ।
आऽकलस शब्दा'ह वो'नुय रे'ये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

कें'च़न ख्यवान ने'न्दुॅर पे'ये, कें'ह मंज़ ने'न्दरि च्यवान मय ।
कें'ह घरुॅह नीरिथ पनुॅनी शे'ये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

यऽन्दर्‌ुक्य् शब्दन नेन्दुॅरा निये, जन्द्रा'ह माऽरिथ त्रोवुन गाह ।
स्वन्द्रा वुछिम च्यवान मये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

ये'लि ग्वरुॅ शब्दस बो'रमय प्रे'ये, ते'लि शा'हनुॅई मंज़ वुछुम शाह ।
अदुॅह कस दिमुॅह तय अदुॅह कुस चे'ये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

आऽसस बुॅये तुॅ आसय बुॅये, ब्रोंठ शे'ये वाऽचुॅस बुॅय ।
ये'म्य् च्यव तय तऽम्य मों'ग बे'ये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

हा ज़ीवुॅह कवुॅह छुय वाय तय वुये, निशि छुय पानस करतस लय ।
करख पछ़ किनुॅह हावय बे'ये, सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

भाग्यवानन दमुॅह दमुॅह छुये, शम शमा'ह पानस सूॅत्य ।
बागि इरम भागि छु म्यये सुये बुॅये कें'ह नतुॅह क्या ।।

१०६ - आसि बिहिथ सु

आसि बिहिथ सु त्राऽविथ लर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

मनि मंज़ युस कृष्णस अनि वने, हनि हने लाग्यस तन तने ।
दामुँह च्याव्यस हरुँहकुय हर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

डालुँह दिनि आव बालुँहगूपालुँई म्य, हालुँह अके माऽरनम तालुँई म्य ।
ज़र वुछमस पाय तुँ सर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

रोज़ि ग्वडुँहनुँई तनि येलि मिलुँनावी, वासुँह सोस्तुय रास अदुँह खेलनावी ।
सुय स्वन्दर सुय छु शंकर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

लोलुँह सूँत्य फो'ल लोलुँह बागुँई म्य, लोलुँह सूँत्य आव लोलुँह वाऽरागुँई म्य ।
लोलुँह गुलुँनुँई लोलुँह अदफर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

मस्तानन कऽरनस मसतानय, मस्तानन दितिनम परवानय ।
कुस मस्जिद तुँ कुस छु मन्दर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

नाशि रऽसितिस बाशि करनस लगुँहना, टूर्य् गाऽमुँत्य् बबरे डूर्य् सगुँहना ।
नाभि मंज़ वुछ आबि-कौसर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

श्याम रूपस छ़ारि युस श्यामुँह श्यामय, मस्त ने'न्दरे मस चे'यि दामुँह दामय ।
शेरि खारस शीरि मादर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

लोलुँहकिय पोश लागस पूज़ाये, पूज़ाये खोतुँह सूँत्य माये ।
सुलि फो'लुँनय गुलि दुपहर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

ही सतग्वरुँ कर उपायिय म्य, वथ हावुम हदुँयि ग्वफायिय म्य ।
आव नालन शेरि बबर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

को'र कुकिले गोवेन्दुँह बूली म्य, पान पनुँनुय त्रोव तूल्य् तूली म्य ।
सूहम रज़ि लाऽग्यमस दर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

सुय भाग्यवान युस स्वरि सतग्वरुँ ध्यान, सतग्वरुँसुँई वन्दुँहाऽ पाँऽच्वय प्राण ।
सुय अज़र तुँ सुय छु अमर वे'सिये, यस टोठि श्यामुँहस्वन्दर वे'सिये ।।

❀❀❀

१०७ - रठ नाव अन्दर वावुँसुँई

रठ नाव अन्दर वावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

नदहरुँसुँद्य पाऽठ्य दम ह्युनुय, लालस छु लाला मऽल्य् ह्यो'नुय ।
गो'य राजुँह हंस कावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

नठ नदहरुँञ छय आलुँमस, नालय रऽटिथ छुख ज़म ज़मस ।
अन्न छुय सूहम छावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

कन थव चुँ सतग्वर नादुँसुँई, वाऽतिथ चुँ प्योमुत आदुँसुँई ।
ज़रुँह ज़रुँह ज़र छुय जलावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

ओस दानुँह दाना'ह गव कुनुय, ड्यकुँसुँई ह्यो'तनय शूभुँनुय ।
छुय शार्बुँशिय अथ नावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

ओ'मकार अमिकुय नाव छुय, यस मंज़ भक्ती भाव छुय ।
वुछ दीदुँवुँई लग दावुँहसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

वुछ शूभुवुन तारा मंडल, विज़ि विज़ि वुँज़ि कति वुज़मल ।
संज़ छुस मंज़ तलावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

नादस तुँ आदस गव कुनुय, सादस अदुँह ह्यख वातुनुय ।
सर दिथ लर अदुँह त्रावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

तमि तोर तुलुँखय कदमुँई, न छु ज़मज़मुँई न छु जमुँहजमुँई ।
वावुँई छु मीलिथ वावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

ह्यो'त भाग्यवानव ती च्यो'नुय, वीदव पुराणव यी वो'नुय ।
पुशिरिथ गोवे'न्दुँह नावुँसुँई, दऽरियावुँसुँई दऽरियावुँसुँई ।।

१०८ - द्‌वन लऽज्य्‌ मान मान

द्‌वन लऽज्य मान मान त्रे'न माऽर्य माऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

पाँचुॅवय म्य ओ'मुॅह सूॅत्य वाऽल्य्‌ तय खाऽरी, पथ ह्यो'त अंहकाऽरिये ।
सूहम रज़ि सूॅत्य गऽडिमस बाऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

शशकलि रूज़ुॅस प्यालुॅह दाऽर्य दाऽरी, सत छुम रथ सवाऽरिये ।
अष्ट्‌ुॅहस्यज़ुॅह डीशिथ मिलुॅविम टाऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

नवन द्वारन बन्द गऽयि ताऽरी, दऽह रूद्य दऽर्य्‌ चाऽर्य्‌ चाऽरिये ।
कऽहिमिस थानस आयि अनवाऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

बाहुॅवुॅञ बुरजन वुछ म्य चो़'पाऽरी, त्रेयूदशि सिरियि खुमाऽरिये ।
च़्वदुॅहशि हुँज़ि ज़ूनि नियि नामावाऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

प्रथ विज़ि सिरियस लूसुॅस प्राऽर्य्‌ प्राऽरी, रंग वुछिम ज़रदुॅह अनाऽरिये ।
मुर्ली वायान पानुॅह मुराऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

गुलुॅहसुॅई वुछमय कंऽड्य चो़'पाऽरी, तनि छिस जामुॅह ज़रकाऽरिये ।
बाज़ फेरुन छा नाज़ बरदाऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

कंडिनुॅई रूज़ुॅस सीनुॅह दाऽर्य्‌ दाऽरी, गुलुॅहसुॅई पथ हे'च़म खाऽरिये ।
बुलबुल नालन लाऽल निहाऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

फन्दुॅह अकि कऽरमस बन्दुॅह बरदाऽरी, खन्दुॅह सूॅत्य गोम माऽर्य्‌ माऽरिये ।
बन्दुॅह बन्दुॅह कऽरमस कन्दुॅह गुफ्ताऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

कें'ह मनसूर ज़न धारस खाऽरी, कें'ह लल तोन्दुॅर्कि नाऽरिये ।
भाग्यवान गोवे'न्दुॅह नावन ताऽरी, चो़र वीद चे़'य व्यस्ताऽरिये ।।

***

१०९ - दूरि रूज़िथ चूरि ज़ागान यार म्य

दूरि रूज़िथ चूरि ज़ागान यार म्य
नावि हुंदुय नम रऽटिथ गमखार म्य ।।

दो'प म्य यारन बे'यि वो'लुँह कथुँ" तारुँह कर
तस जवाबा सूज़ुम छस बे खबर ।
शिल रऽटिथ दिलुँसुँई अन्दर दिलदार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

प्रणवुँई सूँत्य प्राणुँनुँई द्युतुनस द्रसय
सतलूकस खाऽरनस रसुँह रसय ।
यूगुँहकुय वाऽरागुँकुय रफ्तार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

अस्तुँह अस्तुँह बस्तुँह आऽसुँस जेलुँहसुँइ
खस्तुँह गऽछ़िथ जस्तुँह यारस मेलुँसुँई ।
बे'यि वनुँहाऽ छुमनुँह वनुँहनस वार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

स्वनि हुँदे खारुँह द्रायस जंगुँहसुँई
ग्वरुवरुँह सूँत्य अरुँह को'रुय बरुँह टंगुँसुँई ।
जेलुँहकुय दरवाज़ुँह फुट यकबार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

नेरुँह साऽलस तीरुँह तरकश सूँत्य छुम
फेरुँह जेलस तथ अन्दर बे'यि कूँत्य छिम ।
तालि प्यठ तवुँह बालि तुलुमय नार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

स्वनि हुँदे खारुँह नारस छुम जलाव
सथ ज़ीनिथ पथ म्य त्रोवुम अख पडाव ।
नोम तसुन्द अनि क्यो'म बऽनिथ कुलमार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

स्वनि हुँदे खारुँह को'रमय दीशि त्याग
खंडुँह खंडुँह खंडरातन गंऽडिम बाग ।
वऽञ फो'जिम वुछ कनि अन्दर फम्वार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

स्वनि हुँदे खारुँह पो'रुमय अमुँह सिपार
तोशिना वो'ज गोशिनुँई छिम गोशवार ।
दीदुँनुँई दो'रूदुकुय दीदार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

अथुँह द्युतुनम सतग्वरुनुँई कर थफुँई
नय म्य तस्बी नय माला नय ज़फुँई ।
गुल वुछुम बुलबुल वुछुम नय खार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

स्वनि हुँदे खारुँह रोज़य नवजवान
ग्वरुँह वरुँह करुँह ग्वरुँनुँई सूँत्य मान मान ।
वारि पनुँने खारि कुस बरदार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

तोरुँह वो'नुँहऽम छुय करुन काया कल्प
जोरुँह वेना को'र म्य बना पथ हल्प ।
यारि यस दय कारि खुद को'र कार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

ओ'बरुँह तलय छुम ता'बरूखाह ह्यथ लारुनुय
नटि नटवर गटि सग दिमुँह नारुनुय ।
त्रटि जवहर मटि छुम ओ'मकार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

ही सतग्वरुँ क्या म्य ओसुम करमुँसुँई
गुर्य् गुपन हऽस्य् म्य दितिमुँत्य् धर्महसुँई ।
भूम ब्रहमा छुम करुन अज़ कार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

पानुँह ब्रहमा ओस आमुत वीद ह्यथ
पादुँहनुँई तल वादुँह थऽविनम पाँऽसुँह सथ ।
भूमिका भूमासो'रुँज इन्कार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

ऋशि मुनी तुँ दीवता कारण ति आऽस्य्
परि पूरण ओस लऽगुँन पूरनुँह माऽस्य ।
यम तुँ यऽन्दर सिरियि चऽन्द्र तार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

पूर्‌ॅह वनतम चूर्‌ॅह कलम कऽम्य द्युतुय
चूर्‌ॅह को'रमस मस छुखा कर बस युतुय ।
चूर्‌ॅह सुन्दुय ग्वडुॅह द्युतुम अख़बार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

रुक्षमनी मोहनसुॅई सूॅत्य वाद यिम
पादुॅनुॅई तल ज़्यादुॅह आऽकल साद छिम ।
ज़ीवन ज़ऽलीखा यूसफे इज़हार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

अकलि हुॅंज़ छनुॅह नकलि राधा मन्ज़ूर
चुॅई म्य फिदा कऽर म्य जुदा पूरि पूर ।
बाज ह्योर्तुॅमस राजिकुय दरबार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

सतग्वरुवुॅई द्युत यि कनुॅह दूर म्य
नूर्‌ॅहसुॅई सूॅत्य मिलुॅहनोवुॅहऽम नूर म्य ।
सूॅत्य सतग्वर ताऽर्य अपरम्पार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

दीशि दीशय कीश रऽगिथ आयिसय
ग्वर वर्‌ॅह सूॅत्य हर्‌ॅ द्वारस चायिसय ।
वादुॅह पोलुम म्यूलुम ग्वर्‌ॅद्वार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

स्वनुॅह दादे राम द्रामुत वनवास
स्वनुॅह दादे रावणस गव लँऽकि डास ।
वोर्‌ॅह भायव थोव यूसुफ गार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

ग्वरुसुन्दुय वादुॅह आयस पालुॅहनुॅई
स्वनुॅह दाद्युक ब्योल आयस गालुॅहनुॅई ।
नाम रोज़न गाम तय शहार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

नम रंऽगिम आदम्य् रतय थव कन वनय
बोज़ुवुन ग्वर रोज़ुवुन छुय दयि दनय ।
सोर्नुॅह सपदुम फोनुॅहसस सूॅत्य तार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

सत वो'नुम अऽह्वथ दि सत बोज़ पथ मुँ रोज़
दक्षि प्रज़ापतुन यज्ञुँत्र ओस पूरुँह सोज़ ।
शिव बऽनिथ को'र साऽर्युसुँई सम्हार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

वख्तुँह वो'नुमय वारुँह वारुँह प्रेयमुँह सान,
वो'लुँह हावय कुल जऽमीनो आसमान ।
चे'य सिवा कुनि वुछ नुँ अहंकार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

तमि किञ प्योम वादुँह तोरुक पालुनुँय
राक्षुँसन हुन्द ब्योल सोरुय गालुनुय ।
नाव नह्वख नाव तरनतार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

सतग्वरुवुँई छ्युत म्य आलव तुल कदम
अथुँहनुँई छुम॰ वीद कथुँहनुँई ज़ीरुँहबम ।
कावुँह टावुक दाव बेशुमार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

कीश रंऽगिम रँगि लाऽला वुछतुँह क्या
कीशुँहनुँई प्यठ निशानय ला-इल्लाह ।
ज़रुँह ज़ेवर म्योन ज़रगर-द्वार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

अदलि जहाँगीर म्योनुय सरपरस्त
नेत्रुँह कमल पादुँनुँई तल वो'थुँहरस ।
शोलुँह तऽम्युँदि ज़्यादुँह लोलुक नार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

जान-बेग़र रोज़ बेगम हर दमय
बिन्द्राबन मंज़ म्य छ्युर्तुँनम आश्रमय ।
मजनुनस लाऽलि गव मिलुँचार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

रथ्य वऽरी म्वकलेयि बाकी दो'ह छि वो'त्र
नव जवाने भाग्यवाने धन्य धन्य ।
सूँत्य जंगस कूँत्य वाऽर्कुँफकार म्य, नावि हुंदुय नम रऽटिथ ...

११० - हर म्य द्युतुमय नटिं नटे

हर म्य द्युतुमय नटि नटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

गाश वुछमय गोवे'न्दुँई, रव तुँ चन्दुँई नऽञ गऽयम ।
नालुँह रो'टमख लालुँह त्रटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

मोरुँह सुँद्य पाऽठय् दोर त्राऽवुँम, खोर डीशिथ मंदुँछिस ।
ब्रोंठ द्रायस शीनुँह छ़टे, गटि हुँदे गाशरय ।।

मोरुँह पखचन मोरुँह छलन, ज़लज़लय वुछमय करन ।
श्यामुँह रूपस अनिगटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

ओ'मकारस शेरि वुछुमय, शेरुँहसुँद्य अदुँह दम दितिम ।
कोनुँह दितिथम मटि मटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

ललि हुँद्य पाऽठ्य अर्चुँह तोंदुँरस, रोजुँह जन्द्रस बंद कऽरिथ ।
अऽन्द्रुँह तोंन्दुँरय युथ नुँ फटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

मन्सूरन पोस्त वाऽलिथ, दोस्त वुछनय अन्दुँई ।
हटि वासुक गँगुँजटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

डे'कि वुछमस टिकुँह खावर, करतुँह बावर वर्नुँहनसुँई ।
कमि श्रोचि तुँ कमि छे़'टे, गटि हुँदे गाशरय ।।

बस्मुँह वुछिनन बस्मुँह को'रनम, इस्मि अज़म क्या वनय ।
कमि तनि तुँ कमि म्वटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

गलि नुँ पानि तुँ हो'खि न वावय, नारुँह तावुँई ज़ालि क्या ।
कुस वाटि तुँ कुस च़टे, गटि हुँदे गाशरय ।।

कावुँह टावस ज़ांह नुँ खूचुँस, छे़'टि चाजे श्रूचुँसुँई ।
रातुँह-म्वगलुँञि छ़टुँह छ़टे, गटि हंदे गाशरय ।।

राजुँह हंसस तुँ रंगुँह चरे, काव टावुँई करि क्या ।
म्वखतुँह प्वखतन रटुँह रटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

<u>भाग्यवाने</u> ज़ेरि ज़ेरे, प्रेयमुँह हेरे शेरि मंज़ ।
नेरि तमुँना नारुँह छ़टे, गटि हुँदे गाशरय ।।

गोवे'न्दस नादुँह बे'न्दस, स्वछ़े'न्दस ललुँहविथ ।
मनि अन्दर ख्वनि रटे, गटि हुँदे गाशरय ।।

१११ - करय जुव जान फिदा

करय जुव जान फिदा, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

छु प्रोन यखलास असि द्वन, तमिय गव शस्तुँरस स्वन ।
कऱ्यथ कमुँह चालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

करव नऽव आऽशिनाऽवी, पज़्या नतुँह बे वफाई ।
गऽयस मतवालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

म्य वुछिमय चालुँह चाने, वच्यथ कचि शीनुँह माने ।
ज़लुँक्य् छिम नालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

ज़लुँई ज़ल साऽर्य्सुँई गोम, पऽयिथ थव कोंदुँह छम आऽम ।
बन्यम शिवालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

छु शीवुँई गंगि अन्दर, अमा छुय श्यामुँह सुन्दर ।
बऽनिथ कलुँहवालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

द्युतुथ यस पूरि पूरुँई, को'रुथ तस चूरुँह चूरुँई ।
करय सवालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

निज़्यम म्यति सूँत्य पानस, गऽछ़िथ पथ आसमानस ।
चुँ नाऽली नाल मत्यो, लजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

वुछुम ग्वडुँह अनिग्वटुय, यो'ताञ गटि गाश फो'टुय ।
छु हर म्वखुँह बालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

वुछुम वे'शिरूपुँह दर्शुन, अमा गव पोशि वर्शुन ।
ग्वरुँई दयालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

द्युतुम सर पादुँनुँई तल, वुछिम तति नारुँह वुजुँहमल ।
बुँ कोता'ह चालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

बन्योमुत ज़ल ओसुम, तमिय सूँत्य नार कोसुम ।
गऽलिथ क्या गालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

बन्योमुत दुरदानय, तमिय नाव भाग्यवानय ।
चो'लुम मलालुँह मत्यो, लऽजिस कमि ज़ालुँह मत्यो ।।

❀ ❀ ❀

११२ - अवल तुहुन्द म्य फाल

अवल तुहुन्द म्य फाल वुछुम, त्रिकाल दृष्टी खुलेयम ।।

दो'यिम साऽरुँई दुई ये'लि गऽजिम, स्यो'वुम सिरिये स्वखस वोत ।
चो'हरुम चरागाना वुछुम, त्रिकाल दृष्टी खुलेयम ।।

पँज पऽतरि ग्युन्दुम शशकल चे'यम, सतुक स्वभाव सूहम सू ।
अष्टाबुज़ी अशरथ वुछुम, त्रिकाल दृष्टी खुलेयम ।।

नवन द्वारन नादार वुछुम, दऽहवय वुछिम दावादार ।
का'हनोव बाहवऽञ बुरजन वुछुम, त्रिकाल दृष्टी खुलेयम ।।

त्रियोदशी तृकुँर वुछिम, चो'दुँहशि ज़ूने तोलुन क्या ।
पुनिम पूरण परम वुछिम, त्रिकाल दृष्टी खुलेयम ।।

तस भाग्यवानी यस भाग्य आमुत तल रागि हुन्दुय रवारव ।
स्वठकुक शँकर शिञस वुछुम, त्रिकाल दृष्टी खुलेयम ।।

११३ - म्य जूग्य् द्युत जूग्य् पावर्रुई

म्य जूग्य् द्युत जूग्य् पावर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

पछ़ करतुँह म्याऽनिस वनुँहनसुँई, क्या ज़ानुँह जे़'वि प्यठ अनुँहनसुँई ।
बूज़िथ करिय कुस बावर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

ज़रुँह ज़रुँह ज़र छुन हालि म्य, ओला वुछमय प्यठ तालि म्य ।
दम दिथ हँसुँञ छिम पर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

दम दिथ बुँ खऽच़सय ह्यो'रकुनुय, सूहस तुँ हमस को'र कुनुय ।
यारन म्य कऽरनम यावर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

क्या अन्दर क्या न्यबर्रुई, डीशिथ बुँ छस बे खबर्रुई ।
छुम रऽछ़रुन मा रावुँहर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

छु शे'यि रूज़िथ यियि को'त, म्य सूँत्य पानस नियि को'त ।
दऽज़् रज़् नेर्यस मा वर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

गव छ्यूयनुँह म्य सोरुय योरुकुय, गव कनुँह म्य आलव तोरुकुय ।
खस पावर्रुई व्वञ आवर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

जाया म्य वूछिम क्या ज़बर, नय शुमशानय नय कबर ।
शा'हन छि शाऽह टावर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

कें'ह सर कऽरिथ छिय ब्वन कुनुय, कें'ह फेर्रुँहवुँञ छिय च़्वन कुनुय ।
केंच़न छि गाऽर्मुँच़ कावर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

केंच़न छि आकाशस मुदय, तिमुँनुँई छु प्रकाशिय उदय ।
रठ मूरुँखन निशि माहवर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

यियि मूरखन दयी लये, चे'यि लोलुकुय लोला मये ।
ज़यि ज़ागि सूँती जे़वर्रुई, दो'ह रात वुछुमय खावर्रुई ।।

च्यव <u>भाग्यवानव</u> सुय मयी, क्या चीज़ छुय हातम तयी ।
ज़ुरुँह ज़ुरुँह सुय ज़ुरुँह ज़ेवरई, दो'ह रात वुछुमय खावरुँई ।।

लोलन गंऽडुँई अनुँवार म्य, गोवे'न्दुँह नावुँई सार म्य ।
वावस ति कऽरमय वावरुँई, दो'ह रात वुछुमय खावरुँई ।।

❖❖❖

११४ – कति आयस को'त लऽजिस

कति आयस को'त लऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

शिवन को'रनम शक्तिपातय, ग्वरुँ दातय वुछमय म्य ।
सत ग्वरुँ चरनन कोनो लऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

शक्ती गऽयम मे'हरबानुँई, ग्वरव ज़ानुँई कऽरहऽय म्य ।
गटि गऽजिस ज़ूने फऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

ग्वरुँई बब तय ग्वरुँई माऽज, कुनिय थाऽज्य् खे'यिय म्य ।
छे'टि वानि पर्नुँनि तऽमिय छे'जिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

ग्वरुँ सुँज़ि कऽज्य् आयि लल आकाऽशी, सुय नकाऽशी छ़ारुन छुम ।
लूकुँह हुँज़ि निंद्यायि कान्दुँर्य खऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

गरनुँह आयस तो'न्द्रस चायस, करान द्रायस सूहमसू ।
बऽनिथ भस्मा'ह शीवन मऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

शीवुँई अन्दर शीवुँई न्यबर, ज़ेर क्या ज़बर सूहमसू ।
यि कथ वे'प्या नादान दो'जिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

दमुँह दमुँह दो'मुम दमन हाले, वुछुम आले गुपिथ पान ।
पर ये'लि आयम वुफिथ चऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

स्वनि कऽरमय स्वनस सरतल, तमिय बरतल आऽसुँस बो ।
असन तुँ गिन्दन सरस सऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

गोवे'न्दुँह नावस बो'रुम लोलुय, कुकिलि ओलुय वुछुम म्य ।
हा हू रो'टुम तुँ ज़ांह ना कऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

कृष्णन मुक्ती शिवन भक्ती, ग्वरव युक्ती दिचुँई म्य ।
आगरह ग्रजुन जाँह मा डऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

वनुन ज़्यूठुय बोज़ुन क्रूठुय, सार म्यूठुय सारिञ छुय ।
पनुन माज़ ह्युन पानय पुजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

खाऽरिथ दरस ह्युन छुय परस, बुँ मा मरस कर्‌यम क्या ।
मुरा त्रावुन वावस तुँ वऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

यि कथ बूज़िथ ह्यतो पो'तुय, कदम लो'तुय लो'तुय त्राव ।
दोरुँई त्राऽवुँम साऽरुँई गजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

सम्सार छुय मो'धुर मसुँई, च्यवान रसुँई लो'गुई क्या ।
अमि माये क्राये तऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

दितस दकय यिर्नुँहय्यय पखय, खाऽरिथ नखय त्रावुन ब्वन ।
युथ अदुँह हज छुय यिवान हाऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

वन क्या करनय शुर्य् क्या बाऽचुँई, ज़ाऽचुँई काँ'ह ना मीलिथ छुय ।
बुडिथ दपुँनय अर्कुँल डऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

हरुँह करतो घरुँह घरुँह मशिय, कवो पो'शिय राऽवुँई राथ ।
शुर्य् बाऽच़ दपुँनय ने'न्द्र गऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

छो'पि हुँदि मंत्रुँह करतय यादुँई, सतग्वरुँ पादुँई छऽलिथ च़्य ।
रूपन तऽम्यसंद्य दुपय दऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

सतग्वरुं मन्त्र च़्यतस को'रुम, म्य तस ओसुय आगरुँह म्युल ।
वज़ुरुँचि नज़रे थज़रस लऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

सीनुँह बुं सीनुँह रऽटनस नालय, दो'गुन शालय वो'लनय म्य ।
खरुँह खरुँह को'रनम थरुँह मा लऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

दयिय दियिय नीरिथ न्यासय, नतुँह क्रुहुँ सासा छुँऽडिथ क्या ।
गंऽडिथ गावा जंगल च़ऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

ग्वर छुम मीलिथ दानस दानस, ग्वर छुम पूँचिमिस प्राणस मंज़ ।।
वग भाग्यवानस रटुँञ तऽजिस, कऽम्य ज़ालन वऽजिस बो ।।

❀ ❀ ❀

जो समय चला जाता है वह फिर हाथ नही आता। इसलिए ध्यान रखो कि समय नष्ट न होने पावे। गये हुये समय को वापस लाने की शक्ती स्वयँ ब्रह्मा में भी नहीं है। जो समय गया वह गया। फिर न बालक होंगे, न बूडे जवान होंगे। जो समय मिला है इसे काम में लाओ। और जो कुछ करना धरना है, अभी करो।

❀ ❀ ❀

११५ - वायय सूहम तारुँह

वायय सूहम तारुँह मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।
ज़िन्दुँह पानुँह रटव गार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

यिज़िहे मंज़ लो'कुँहचारुँह मत्यो, आऽसुँस ये'लि बेमार ।
दिज़िहे अमृत धार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

बुजिरस ज़ोनुथ नुं चारुँह मत्यो, ओसुय नुं फेरुँनस वार ।
पानय छुख उमेदवार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

ओसुख गुलि बेखार मत्यो, गुलुक ति चोलुम नुं बार ।
लोलन कऽर्यनम पारुँह मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

आऽसुँस कुन्दनकार मत्यो, ज़रगर ज़ोरावार ।
ज़रुँह ज़रुँह कऽडुँनस नारुँह मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

कऽर्य्नम नकशि निगार मत्यो, पानय बाऽनीकार ।
हर च्यथ हर दरबारुँह मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

रूज़िथ छस खुमारुँह मत्यो, हटि छुम शोरुँह शा'हमार ।
बीन बाजि वाय वारुँह वारुँह मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

वायुन सूँत्य ओ'मकारुँह मत्यो, वुछि कँह आसि गाशदार ।
सहारुँह करि आहार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

मनसूर खो'त बरदार मत्यो, ड्यूंठुम ये'लि सु अनवार ।
कस सूँत्य करि गुफ्तार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

लल दऽज़ तो'न्दुँरकि नारुँह मत्यो, गोशिनुँई पोशि सब्ज़ार ।
तोशिना आयि अनवार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

तस दो'पुख मारि कुलमार मत्यो, माऽर्य् ये'म्य् नारुँह फुकार ।
शीतल शा'ह वो'ञ खार मत्यो, ने'न्दरि गछू बेदार ।।

राधायि छोवुय बहार मत्यो, रक्षमण छय प्वखतुँहकार ।
मालि मंज़ लालि जवहार मत्यो, ने'न्दरि गछ़ू बेदार ।।

भाग्यवानन दरबारुँह मत्यो, आसन लोलुँह शहार ।
तऽथ्य दो'पुख सीरि सरकार मत्यो, ने'न्दरि गछ़ू बेदार ।।

११६ - भवानि कऽरमुँच़ उमेदवाऽरी

भवानि कऽरमुँच़ उमेदवाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।
ज़ोतुँहवुँनि कथुँह हे'छि तोतुँह गूफ्ताऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

हे'रि ब्वनुँह होवुँनम चरागानय , शिव-निर्वानय म्यूलुम म्य ।
यादाश वुछमस यादावाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

सतग्वरुँदीवन वो'नुँनस पानय, सूँत्य जानानय छ्युतुँनय म्य ।
खेरस कऽरमय शेरुँह-सवाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

तुलिथ परदस ग्युन्दुमय नरदस, सोंतस तुं हरदस ख्वरदुँह कलान ।
गगनस कऽरमय अऽगनुँह सवाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

नअ वुछुम गगनुँई न वुछुम अऽगनुँई, त्रे'गुनुय वुछुमय त्रे'न दीशन ।
शशकलि मटुँहनुँई अटुँह चाऽर्य् चाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

भागा'ह को'रनम भाऽगरुन छ्युतुँनम, वादा ह्यो'तनम वऽहदतुँहकुय ।
संतन तुं सादन हुँज म्य जिमुँहवाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

कें'ह संत वुछिमय ज़लह रो'स नावे, कें'ह छिय तों'न्दुँनि तावे मंज़ ।
तवुँह छम दिलुँहसुँई बेकराऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

अशिवानि तार छ्युत म्य सतुँहचे नावे, कुनि कुनि तावे छे'तह गव नार ।
प्रेयमुँक्य् पर वुछिम पर-उपकाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

तवुँह दिच़ म्य प्रेयमस दस्त बरदाऽरी, ग्वरुँनुँई पथ हे'चुँम खाऽरिये ।
हरशि आयि भाग्यवान शा'हसवाऽरी, भवानि मुच़रिम ताऽर्य्ये ।।

११७ - ग्रायि लज्यम आयि परन

ग्रायि लज्यम आयि परन द्रायि हिन्दुस्ताऽनिये ।
जाम चे'यम राम परन नाम रोज़न म्याऽनिये ।।

रव छ़ोरुय प्रव हरन शिव लो'बुम पाऽनिये ।
कृष्णॖह वरनय वे'शिन लो'बुम नशि नुं ज़ाह यिछ़ वाऽनिये ।।
यम ज़ीनिथ भ्रम चो़'लुम खम को'रुम ग्वरुं ध्याऽनिये ।।।

स्वनि हुन्दुय खारुॅह ओसुम वारुॅह खर्चुॅस हाऽनिये ।
कतुॅरुकुय ताऽमीर कऽरिज़्या हट छँाडय छाऽनिये ।।
नो'व च़्य नकला क्या बनोवुथ प्रोन पराताऽनिये ।।।

ज़रुॅह ज़ेवर सूॅत्य तुलुम कूॅत्य छिम कुरबाऽनिये ।
शेरि ज़ीनिथ शेर गऽयस हेर आऽसुॅम काऽनिये ।।
ज़फ कऽरिथ ज़पुॅहमाल तुजिम नाऽल्य् छ़ुॅञ नाराऽनिये ।।।

चाह खऽनिथ कऽम्य् दुआ लो'बुय पान ह्युतुन पाऽनिये ।
झूठ वऽनिथ लूठ को'रुॅनम पऽरियि पऽरिस्ताऽनिये ।।
दरदुॅह बागस हिय म्य फो'जिम ती म्य वो'नुम लाऽनिये ।।।

रव बुये शिव बुये ओ'म छअ म्याऽनी वाऽनिये ।
ओ'म जऽ़पिथ ओ'मकार खो'नुम तवुॅह म्य ज़ीनिम वाऽनिये ।।
अशबुके अशवानि छऽजिम छय नुं ज़ां'ह डलवाऽनिये ।।।

वावुॅहसुॅई मंज़ नाव रऽटुॅम नाव छुम भाग्यवाऽनिये ।
वावुॅहसुॅई आहार को'रुम सार वुछुम फाऽनिये ।।
शीवुॅह सुन्द शा'हमार गों'डुम नार छुस हाराऽनिये ।।।

कुकिलि हुॅंद्य हिव्य् पऽर्य् त्राऽविम जूर्य् गोवे'न्द साऽनिये ।
आयिनुॅई मंज़ जाय रऽटुॅन हे'छिन कुरानखाऽनिये ।।
ललि कुन अदुॅह दोलुॅह वुछुनय लोलुॅह मऽजनूनखाऽनिये ।।।

११८ - छु सुबुँहुक वाव कऽरिथ

छु सुबुँहुक वाव कऽरिथ पाऽराव आमुत
हने हने स्वने आमुँताव चा़मुत ।।

अन्दर अऽचि़थ स्वन्दर जामय छु पाऽरान
न्यबर नेरन रहे बन्दर छु शेरान ।
छ्वने बो'स्तूर र्वन्यन ठऽहराव खामुक, हने हने स्वने ...

छि ब्वनकुन दरदुँह बागस पोशि चमन
वुछान ह्यो'रकुन लगस ना मांऽजि़ नमन ।
दऽछित्र खोवुँर्य् अऽछन मंज़ भाव आमुत, हने हने स्वने ...

ज़रस ज़रस सरस प्यठ ज़र म्य शूभान
माहे ताबान मुकर्टुँह मे'हवर म्य शूभान ।
अथन छुय वीद कथन छुम दाव आमुत, हने हने स्वने ...

कंऽदीलस मंज़ च्य लो'दुथ हूज़ लो'टुय
कलुँह वऽतरे सऽतरे अऽथरि चो़'टुय ।
सतन वतन तम्युक ना नाव आमुत, हने हने स्वने ...

थव्या कोँ'ह गऽज्य्गा'हस मंज़ हूज़ जथुँई
खो'तुस पाफा कथा रूज़ पतुँह वथुँई ।
तबादलुँह छुख कटस ह्यथ गाव आमुत, हने हने स्वने ...

म्य वो'नुमय टाठि म्याने पार्युँसुँई प्यह
बुँ आऽसुँस आब गंऽडनस नारुँहसुँई रे'ह ।
कुलाबस प्यठ खऽसिथ जलाव आमुत, हने हने स्वने ...

दिया़ कां'ह पोशि बागस नारुँह सगुँई
ति डीशिथ नारुँहचिय म्य रऽट यि वगुँई ।
गंऽडिथ गुल्य् रोज़ छु नावन भाव आमुत, हने हने स्वने ...

म्य कजिमय दानिमंज़य हामुँह ब्यो'नुय
चुँ आऽसिथ वीर को'डुँमय सीर नो'नुय ।
बऽनिथ बुलबुल च़्य मंज़ बुलाव आमुत, हने हने स्वने ...

खबर छय कें'ह, कें'हस छुख बेखबर
म्य छुख ना टोठ तवय छुम जे़रुँह ज़बर ।
खबर तोरुँच्य् म्य निशि ह्यथ काव आमुत, हने हने स्वने ...

म्य गोमुत वार्दुँह सोरुय पूरि पूर्रुँह
लाइट त्रावुम वज़न छुम सन्तूरुँह ।
अथन दा'न किशवरुँञ ह्यथ खाव आमुत, हने हने स्वने ...

च़्य सिवा पार्दुँनुँई दो'न लगुँह किथुँ बो
गंऽडिथ सामानुँह रोजुन राथ तय दो'ह ।
दुतरफाना छु दो'न हुन्द नाव आमुत, हने हने स्वने ...

जंऽगी सामानुँह पाऽरिम जंगुँह बापत
रंऽगीनुँह बोड ल्यूखुम रंगुँह बापत ।
संऽगियन मंज़ छु म्योनुय नाव आमुत, हने हने स्वने ...

म्य निशि मा छुय असतुकुय अख निशानय
तम्युक जामय च़्य सुवुँमुत पाऽञ पानय ।
छ्रुँनिथ छुय नाऽल्य् च़्य तमिकुय खाव आमुत, हने हने स्वने ...

कडुन छुय त्यलि गिंदव आकाश हाले
गिंदिथ बाले च़लन छुख नालि नाले ।
गलन छस छुय पनुन स्वभाव आमुत, हने हने स्वने ...

निमथ कौशव रऽटिथ अजुध्यायि अन्दर
छु रामुन राज हावय पंऽज़्य् तुँ वान्दर ।
कसम रामुन अ़न्दर तिलाव आमुत, हने हेने स्वने ...

स्वने हुन्द बुथ वुछुन वो'त्र ज़ां'ह तिनो छुय
मने थव कन म्य छम तस रामुँनिय दुँय
बसंत बऽनिथ बसंतुँह काव आमुत, हने हने स्वने ...

वतन प्यठ ऋष्य् तुँ मुनी म्य प्रारान
मनस मंज़ रक्षमनी हुन्द ध्यान धारान ।
गाऽमुँच़ कृष्णस छु सुय आव आव आमुत, हने हने स्वने ...

अथन क्यथ ह्यथ छि आर्मुत्य पोशमालय
बरव शाऽदी रटुँत्र असि नाऽल्य् मालय ।
स्वन्दर मने मनस मिलाव आमुत, हने हने स्वने ...

गछ़व अजुध्यायि रोज़ुन बिन्द्राबन
चो'लुम वो'त्र शाफ छु च़ापुन नागर पन ।
म्य छिम धन्य् भाग्यवानी नाव आमुत, हने हने स्वने ...

❀❀❀

अग्नि के पास बैठने से गर्मी, जल के पास सर्दी, दीपक से प्रकाश, फूलों से सुगन्धि स्वयं बिना किसी मेहनत के हासिल होती है, और हर वस्तु अपने चारों ओर अपने प्रभाव का केंद्र बनाती है। इसी प्रकार संतों और फकीरों में अद्यात्मिकता का होना प्राकृतिक नियम है। जो मनुष्य इन के सतसंग का लाभ उठाता है वह यूँही उन प्रभावों से बिना किसी मेहनत के लाभ उठाता है।

❀❀❀

११९ - छुम हावस लाऽजिनस दावस

छुम हावस लाऽजिनस दावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।
स्वन यीरुँह गऽयि सीरुँह कथुँह भावस, छे'नुँह कावस गव बुलबुल ।।

गछि कुठिनुंइ मंज़ वथुँहरावस, ग्वरुं वावुक छुम सिल सिल ।
ग्वड्डुँह सरुँहसुँई ज़र पाऽरावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।

पादिकमलन च्यश्मुँह वथुँरावस, को'ल गोमुत ओस बुलबुल ।
सर थो'द छुम किथुँह न्यमुँहरावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

ज्ञानुँह गावन द्वध चावुँहनावस, ध्यानुँह जसुदायि निशि सुम्बुल ।
महिरावुन अदुँह याद पावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

गोहारी गीत ये'लि गावस, मुहारी मोती फो'ल ।
छस नुं राधा नाव मन्दुँछावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

नागर पन बनुँह करुँहनावस, आगरुँह छुम फो'ल्लुमुत कुल ।
स्यन्द सागर ब्यन्द अदुँह हावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

मनि रक्षमन खो'नि ललुँहनावस, वनि क्या छस पर्नुँनिय बुल ।
खानुँह अऽन्द्रय दानुँह मा त्रावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

गीतायि हुन्द हीथ करुँहनावस, सीतायि पे'यि कागुँज़स मील ।
पीताम्बर मंज़ तिलावस, ओस कावस तुं हँसम म्यिुल ।।

ते'लि ओसुम मंज़ चिकुँहचावस, ये'लि दिलुँहसुँई ओसुस शिल ।
तीर अथुँह गोस सीर व्यछुँहनावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

ब्यन ज़ोनुम ख्यन च्यन त्रावस द्यन रातस नावस पान ।
पुन पूरण दरमय मावस, ओस कावस तुं हँसस म्यिुल ।।

दीशि त्यागुक ओसुम नुं हावस, कीशि प्यतुंरुन पानस प्योम ।
कीशन सूंत्य कीश गंडुंनावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

ग्वडुंह चायस तोन्दुरुंह तावस, अदुंह छावस सूहम सू ।
बुंजिबासी खाऽस्य् गरुंहनावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

रूह थो'वुंमस रामीश्वरुंसुंई, दिह दीशान्तरुंसुंई मंज् ।
काकुंह कबजुंह छुम कऽब्लिंहकिस नावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

दो'न दीशुक आमुत आलव, स्वन शालव दाऽसी थऽव ।
वुछ अचानक अजघर लावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

स्वनुंह दादे दित्य् म्य बारव, ती चाऽन्द्रमुंह तारव बूज् ।
रातुंह-क्रूल क्या वुजुंहनावि कावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

लल वाऽचुंई सऽतिमिस पडावस, हल को'रनय सम ज़ाफरान ।
कल कऽरनय अऽलिफस तुं वावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

युथ मन्सूर ओस प्यठ धारस, तिछ् लल आऽस नारस मंज् ।
ज़्यादुंह क्या वनुंह आदमि-खावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

सत जीनिथ रथ गोम बाने, च्यव लाऽल मिरजाने ती ।
सासि मऽजनून बासि बुलावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

भागि भाग्यवान आयि मऽजनूनस, जीत जुलाई जूनस मंज् ।
कति वुछमय सत-स्वभावस, ओस कावस तुं हँसस म्युल ।।

१२० - पीरन हाऽवुॅम तीरन्दाऽज़ी

पीरन हाऽवुॅम तीरन्दाऽज़ी, दय गोम राऽज़ी भय गोम दूर ।।
ज़ोति ना ज़ेबा तोति माऽज़्य माऽज़ी, दय गोम राऽज़ी भय गोम दूर ।।

ग्वडुॅन्युक निशानुॅह पोवुम मोशन, तोशान छस छुख नुॅ पोशनपाय ।
रिंदि लो'ब फिंदि अकि गुपिथ तुॅ गाऽज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

दो'युम त्रोवुम आकाशि मंडुॅलस, अनमोल कंडलस रऽटुॅमय जाय ।
अवलय अऽनिमय उमरि-दराऽज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

काया कल्पस ज़ोनुथ नुॅ चारय, दुआयि दुबारय करुॅनोवमख ।
यारन कऽरनम चारयसाऽज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

त्रे'गुन त्रिशूल सूॅत्य छुम पानस, स्वशील थानस शक्ती तुॅ शिव ।
शाज़न शक्ती तुॅ बाज़न बाऽज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

चूरिम फेरुन छुम चो'वापोरुय, सुय ज़ो'रुह शोरुय बूज़ुम म्य ।
कें'ह पोशि पूज़ायि कें'ह मुफ़ुॅत्य तुॅ काज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

पाँचुॅवय पाँडव छाँडान आयस, पन्जपऽतरि गिन्दुम सायस तल ।
पास पास रूदिम तास नवाऽज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

शशकल चे'यिमय शर्नुॅहवुॅत्र तरफन, हातम हरफन लेखुॅनुॅह आव ।
तोशिना रोशिमति पोशि फय्याज़ी, दय गोम राऽज़ी ...

सथ रंग दितिमय सतॅवुॅन्ज जामन, स्वय मनि कामन आऽसुॅम म्य ।
रंऽगिमुॅत्य म्य अवल वो'नुॅमय अऽज़िय, दय गोम राऽज़ी ...

आऽठव कऽर्यमुॅत्य् म्य पोशन गों'द्यी, नवन अऽन्दी द्रायस बो ।
दऽहवय दोर्गुॅन्यार गऽयि काऽस्य् काऽसी, दय गोम राऽज़ी ...

का'हनाऽव्य् हाऽविम का'हवय कूनुॅई, वुछमय ज़ूनुॅई आखताबय ।
पूरुॅह पूरुॅह गऽयि म्य पूरणमाऽसी, दय गोम राऽज़ी ...

बोज़ <u>भाग्यवानी</u> दो'न आनमाऽनी, नवि नो'व जवाऽनी स्व सोरि नुॅ ज़ांह ।
नतुॅह यिथय पर्तुॅकालि काऽत्या आऽसी, दय गोम राऽज़ी ...

१२१ - सथ ताज दितिम

सथ ताज दितिम सतग्वरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।
मे'हराजुँकिय मिनिस्टरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

ग्वरुँवुँई लाऽजिस दावुँसुँई, ग्दरुँवुँई को'रुँहऽम हावुँसुँई ।
अदुँह शो'द्ध गऽयम अन्ता'हकरण, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

सरखम कऽरिथ तल पादुँनुँई, रोजुन संत : तुँ साधुँनुँई ।
दिन धन्य् धन्य् पुञ पाप हरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

निन्द्रायि दकुँह बेमारुँनुँई, बे'यि कुनि कुनि हुशियारुँनुँई ।
बोज़ कुनि कुनि रऽटिहाऽस चऱण, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

छय निन्द्रा त्रियि भावुँहसुँई, टोठेयि बसंतुँह-कावुँहसुँई ।
कुनि वुनुँह वाऽजिन नदुँहरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

गम त्रियुँनुय हुन्द ओस म्य, त्रियुँनुय यि संकट कोस म्य ।
पुरूषन अचुन छुनुँह पर घरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

सुय ब्योल आयस गालुँहने, कृष्णस ति मदुँह निशि वालुँने ।
शाठन लगुन शेरे नरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

रक्षमञ अन्तर-ध्यानुँसुँई, वाऽचुँई पनुँनिस थानुँहसुँई ।
बा-शान थऽव श्यामुँहस्वन्द्रन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

छुय शिव-शक्ती दोस्त म्य, मोकूल अनमोल पोस्त म्य ।
वुछुमय नुँ युथ ज़न्मातरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

छुय शक्ती हुन्दुय थान म्य, तवुँह किञ नाव भागयवान म्य ।
म्वखतार थऽवनस शंकरन, गरि गरि ग्वरुँनुँई गछ़ शरण ।।

❁ ❁ ❁

१२२ - यारन कऽरनम आरफताऽरी

यारन कऽरनम आरफताऽरी
वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।
केंचन पशि पशि दऽद्य लशि नाऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

ग्वडुँह ग्वडुँह हाऽवनम ज़ोरावाऽरी
काऽचा'ह खाऽरी तुलुँनाऽवनस ।
हाऽर बीठ तख्तस काऽर माऽर्य् माऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

ग्वडुँह ग्वडुँह होवुँनम कलमुक नोखुँई
न्यूमस तुँ वुछमय दोखयबाज़ ।
वीरन ति तीर लाऽय मीर शिकाऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

ग्वडुँह ग्वडुँह होवुँनम क्वसुँह छम दाऽसी
अदुँह वनवाऽसी को'रमय म्य ।
खामन वुछिमय नुँ नामावाऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

ग्वडुँह ग्वडुँह होवनम आऽकुँल पानुँई
युथ नादानुँई वुछुमय नुँ का'ह ।
रूज़ुँसस सायस आयस अनुँहवाऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

सदा सदाशिवनि जाये
सुय उपाये को'रमस म्य ।
सत मेलि सतुँसुँई नतुँह छिम भाऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

बसुँहवुन ब्रहस्पत कऽहिमे जाये
बागुँह भूमिकाये नागरपन ।
बन्दुँह करि अन्दुँहवन्द बन्दुँह बरदारी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

भागि आयि भाग्यवानि भक्तावारी
वक्तस रूज़् प्राऽर्य् प्राऽरिये ।
बालुँहमा'ह म्यूलुस कलमकाऽरी, वनी वनहाऽरी तोतुँह गुफ्तार ।।

१२३ - नवि सालुँह म्यूलुम

नवि सालुँह म्यूलुम वतुँनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।
म्वखतस छ्यफ दिच् फोतुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

स्वनुँ वाजि मारन शोलुँह म्य, दुनिया वुछन दोलुँह म्य ।
कन थवतुँह डायन कथुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

जंग को'र म्य दयस सूँतिय, पयस आऽसिम कूँतिय।
ये'लि बोज़न त्यलि मतुँनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

भूमास्वरुँने कोरे, अमा छुन्यम क्रेरे ।
फल गोख मीलिथ दतुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

रा'ह राधाये सर खमुँई, चा'ह पेश अनन आहऽमुँई ।
शा'ह द्युत म्य शक्तीनाथुँनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

कृष्णस ग्वडुँहनिचि वाऽनिये, वादा को'र पटुँहराऽनिये ।
वथ हाव चुँई वतुँहगतुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

सुय वादुँह आयस पालुँने, राक्षस ब्योल गालुँहने ।
को'र यी प्रज़ापतुँनई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

कुमुर बनिथ आयिसय, अमर तीरुँथस चायिसय ।
दया म्य कऽरनम दातुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

चऽज्य् गटुँह फो'ल्लुमुत गाशी, सिरियन त्रोव प्रकाशी ।
छु यूगियन मंज़ यतुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

सतग्वरुँनुँई युन सालुँहुँसुँई, आवाहन लूकुँहपालुँहसुँई ।
मरमत कऽरुँन वतुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

यन्द्राजुँह वो'थुमुत न्यन्दुँरे, वरशुन को'रुन स्वन्दरे ।
मनमोहन प्यठ रथुँहनुँई, नव नवरऽतनुँई अथुँहनुँई ।।

वरशुन गव हनि हने, कृष्णस तुं बे'यि रक्षमने ।
अन म्यूल अनन्त अनार्थुंनुंई, नव नवरऽतनुंई अर्थुंहनुंई ।।

रथुंहबान वुछुम खावरुंई, बूज़िथ करयम कुस बावरुंई ।
रामस ति सो'थ द्युत सतुंनुंई, नव नवरऽतनुंई अर्थुंहनुंई ।।

सत भाग्यवाने नालुंह छुय, दयस ति सुय दुम्बालुंह छुय ।
अपरू अपिज़्यत सातुंनुंई, नव नवरऽतनुंई अर्थुंहनुंई ।।

* * *

१२४ - ग्वरव को'रुंहऽम सर्व मंगल

ग्वरव को'रुंहऽम सर्व मंगल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।
यिमय मुशकिल तिमय गऽयि हल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।।

ग्वरुंई वुछुमय म्य तालेवर, यिमव पूरुम ज़रो ज़ेवर ।
बलुंहवीरुन म्य द्युतुंहम बल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।।

दयस रूदुम म्य दुम्बालय, दो'गुन द्युतुहऽम म्य दुशालय ।
स्वखन बूज़िथ नखन द्वन वल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।।

ग्वरुंई मादर ग्वरुंई प'दर, म्य दितिहऽम हैंसनुंई हुंद्य पर ।
अमन आकाशे मंडल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।।

ग्वरव द्युतुहऽम सुबुंहकि वक्तय, शुमालुक शेम पनुन तखतय ।
हदन शन बोलुंवुंञ सथ ज़ल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।।

ग्वरन पथ कऽर म्य कुरबाऽनी, तमिय नाव भाग्यवानी छुम ।
सु पटुंह लीखिथ मुक्कटस तल, वतन थो'वुंहऽम लतन द्वन तल ।।

* * *

१२५ - वर द्युत म्य ग्वरव

वर द्युत म्य ग्वरव हर दवा बुँय दाद्यन तय ।
समन्दरव तार द्युतुम सूँत्य् संतन तय ।।

दय छुम गवा'ह यस नुँ आसिय द्वन मिलुँवन तय ।
तऽम्य्सुन्द छु रवा रोजि़ राऽनियि तल ग़ऽदन तय ।।

रामन सीता ये'लि त्राऽवुँई दँडक-वन तय ।
नामन लेखुँहनुँह ते'लि आमुत रामायन तय ।।

सासन अन्दर आसन दोर ते'लि कृष्णन तय ।
पूशीदुँह कथन रूशिथ आऽसुँस रक्षमन तय ।।

पा़यस पे'यिय आयस दिनि सारिञ छे़'न तय ।
सदाशेवन थो'व यि सदा मनमोहन तय ।।

तोशुन द्यो'तुन पोशि नूलन प्रभातन तय ।
चो़'ल रोशि मत्यन रोशुन करुँह नामुँह सुमरन तय ।।

गिन्दुँनि गछ्छुन जि़न्दुँह पानय बिन्द्राबन तय ।
आगरवाने सूँत्य् सो'गुम नागरपन तय ।।

शिवस सूँत्य शो'लुँह माऽरिम शुमशानन तय ।
तऽतिय वुछुम कुस म्य ओ'सुय दो'स्त दुशमन तय ।।

सरतल छय गछ़न स्वनुँह दादे आऽसिथ स्वन तय ।
सुय ब्योल गाऽलिथ को'र म्य दयस आवाहन तय ।।

शीवन को'रुम शक्तीपातुँई द्वन दीदन तय ।
शक्ती द्युतुम भक्ती हुन्दुई वर आदन तय ।।

वुछ भाग्यवाने कऽर यि दया दयालन तय ।
सुय सूद द्यो'तुम बूद कऽरिथ नाबूदन तय ।।

१२६ - म्य ज्ञानुॅह रव

म्य ज्ञानुॅह रव उदय गोम, सु दय गोम दयाये ।
नव बा नव निशानुॅह प्योम, सु दय गोम दयाये ।।

जंऽगी जामुॅह पाऽरिथ कूॅत्य, संऽगी सूॅत्य तुलिय म्य ।
अभय वरुॅह म्य भय च्योम, सु दय गोम दयाये ।।

दयालुॅह सुंद ब़ोज़ुन प्योम, सोज़ुन प्योम महावीर ।
नीरिथ बे-हदय गोम, सु दय गोम दयाये ।।

को'रुन लँाऽकि समा'ह, यकदमा'ह ज़ोल शमा'ह ज़न ।
वुछन नेकुॅह बदुॅई गोम, सु दय गोम दयाये ।।

अगर कँा'ह छ़ारे'स चारुॅह, सु कति वारुॅह रोज़िय ज़ाँ'ह ।
ह्यमस जान यमस काम, सु दय गोम दयाये ।।

शिजिय शिञ च़वपाऽर्य् गोस, यपाऽर्य् बोज़् तराना ।
बल्योम दिल दो'दुमुत ओम, सु दय गोम दयाये ।।

च़्य पथ गथ करुॅञ छा, छअ मा व्यथ शोँ'गिथ ज़ाँ'ह ।
सोफ्यन ति ग्वफि खुदा प्योम, सु दय गोम दयाये ।।

सतग्वरुॅ वाकुॅह सत सिर्लुॅह सिर्लुॅह, कऽहिम किर्लुॅह म्यूलुय म्य ।
संग गोम दिल न रंग गोम शोम, सु दय गोम दयाये ।।

ज़िन्दय पानुॅह गिन्दय ना, ज़ुव तय जान वन्दय ना ।
अन्दयवन्द छ़ुॅ वन्दय नोम, सु दय गोम दयाये ।।

छय भाग्यवान भागस मंज़, आदनुॅह लल त्रागस मंज़ ।
सदा आबि मदुॅई च्योम, सु दय गोम दयाये ।।

✽✽✽

१२७ - ही मनोहरुँह

ही मनोहरुँह सूँत्य ग्वरुँवरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।
पाद पैंछी नाद नद-हरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

ग्वडुँह पुर्छुमस क्या क्या करुँह, सेतारुँह स्वर बन म्य ।
चो'ल मरुँह मरुँह रूद्य अमरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

कीशन मंज़ बुँई किशवरुँह, धन्य धन्य धन्य धन म्य ।
मंज़ आगरुँह कऽर्य् म्य गरुँह-गरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

वो'न म्य आगस मंज़ माघस, आधि अधोर धन म्य ।
सूँत्य सत्य्वान साये सरुँह, घरुँह बिनन्द्राबनुँह म्य ।।

आगस खुशी ईकादशी, तनहा रोजि़य तन म्य ।
दऽह दशिहार बसि भास्करुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

साज़ वायान साज़न्दरुँह, राज़न दोर कन म्य ।
मीर पखचन ज़र छु ज़रुँह ज़रुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

स्वन गऽयि ब्वन वेशियिकि वरुँह, दीशि निशि कऽर छे'नुँह म्य ।
नोख म्यूलुम शोख शवहरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

आसन म्य दोर चानि आसरुँह, शाज़न द्युन वर म्य ।
मील मऽस्ती दिल दिलावरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

युन छु खासन कुल दासन, बाऽज्य् दिनि भूषन म्य ।
पाऽरुन छुम पायि ता सरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

अज़ खानय परुँवानय, म्यूलुम आगमुँह म्य ।
जानानस जान दफ्तरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

न बुं अऽलिफस न बुं वावस, न छु गुण तुं अगुण म्य ।
न बुं काबस न बुं काफरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

रात द्यन च्योम खूनि जिगरुँह, क्षे'णुँहसुंई मा छे'न म्य ।
वीरि मंज़ च्योम शीर मादरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

सूँत्य सूँत्य छुम ज़रुँह जे़वरुँह, कूँत्य ज्ञाऽनीगण म्य ।
कुनिरुँकि डरुँह वुनि थरुँह थरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

हनि हनि ओ'न वनि रक्षमनि, तनि मीजिम तन म्य ।
मुच़र्यम तञि वो'ञ मा डरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

बूद बंदानुँह बराबरुँह, तन मन द्युत धन म्य ।
तवुँह <u>भागयवान</u> अंतुँहं ऊपरुँह, घरुँह बिन्द्राबनुँह म्य ।।

❁❁❁

१२८ - सुय मनोहर सुय शँकर

सुय मनोहर सुय शँकर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।
बाज़ बाहम म्य बराबर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

फुर्टुँहमुत ओस म्योन ज़े़वर, खासुँह ज़रगर सूँत्य छुम ।
काफ ता काफ करि कर कर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

ज़ूनि गो'रनम चूनि जऽरिथ, कुनि अन्दन तुं अन्ज़ुँल्यन ।
कुनि सीनस सूँत्य सिफर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

कुनि मिहुँनस कुनि म्वखुँतस, कुनि वखतस प्रारुँहवुन ।
कुनि सीनस सूँत्य सिफर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

मुहाफिज़तुक मूलुँह माया, छों'जि छाया काऽसुँनम ।
छ़रि कथुँह छनुँह सरि बाज़ार, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

कुनि आशक कुनि माशोक, कुनि ताशोक तो'हफुँह म्योन ।
कुनि रुकिथ राहि बन्दर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

कुनि ह्युतुँनम वीद-पुरान, कुनि कुरानखान सुय ।
पासुँवान कुनि खास दफ्तर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

कुनि वुछुम लोलुँह बऽरिथ, कुनि वुछन दोलुँह छुम ।
कुनि रवा रव रहबर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

कुनि वुछुम ज़ोरावर, कुनि रोपोशन अन्दर ।
कुनि रूदुम न्यो'मुँरिथ सर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

वो'नुमुत छुम बारम्बार, छुम नुँ वनुँहनस वार वो'ञ ।
कूँत्यन करय ज़ेर ज़बर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

कुनि वुछुम चरसुँह बंऽगी, कुनि रंऽगी जामुँह म्योन ।
रंगि रोशन संगि मर मर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

आयि वाऽणी स्वय भनाऽनी, भाग्यवाऽनी सूँत्य ग्वरन ।
नूर चे'शिम नामावर, सुय सतग्वर सूँत्य छुम ।।

१२९ - छ़ाँडान जानानुँह तय

छ़ाँडान जानानुँह तय, दिल गोम देवानुँह तय ।
लोलुँहकि अफसानुँह तय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

ग्वरुँवुँई ह्युतुहाऽम हाऽविथ, निशानुँह ह्युतुहाऽम पाऽविथ ।
लीखिथ छु आदमि रतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

बाऽगरान वुछुम मयी, म्य क्यिुत हातमि तयी ।
दो'पुँनम प्याला च्यतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

ग्वडुँह ग्वडुँह ह्युतुँमस दकय, यो'ताम आयम पखय ।
वोज्ञ छुम लारान पतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

मुश्ताक ओसुम कमन, ज़ुलफन तुँ बे'यि माँऽज़ि नमन ।
नारुँह म्य बरिमस वतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

मुदा करिमस जुदा, यिमऩ ओसुम फिदा ।
मेलन नुँ कयामतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

वो'लुमुत छु कमि माये, वुछमस हरकुनि जाये ।
नय बरतन तुँ नय बतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

कीशव रऽटिथ न्योवुम, पानस निशि थोवुम ।
जबरूत जबरीलुँह तय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

पानस च्यो'न छुम ज़लुँई, द्रन पादन हुन्द मलुँय ।
अऽलिफुँकि मीमुँकि खतय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

गस ग्वर मे'हरबानुँई, तस नाव प्यव भाग्यवानुँई ।
धरमुँकि दौरानुँह तय, दिल गोम देवानुँह तय ।।

१३० - ग्वरव दाज द्युतुम

ग्वरव दाज द्युतुम ताज, रवा राज करुन छुम ।
शा'ह छुम सूॅत्य मा'ह मे'हराज, रवा राज करुन छुम ।।

ग्वडुॅञ दोखुॅह दिचोम स्वनि, ति मा बनि स्व यियि ज़ाँह ।
तलपाताल तस ता'हराज, रवा राज करुन छुम ।।

खूलिथ दिल सोरुय वनुॅह, मीलिथ स्वनुॅह कर्‌यम ब्यो'न ।
ह्यमख दूरि दो'गुन बाज, रवा राज करुन छुम ।।

क्या को'र स्वनि सुमित्रायि, कोशिल्यायि द्वन लालन ।
यूसुफ काऽद खऽज़रि ख्वाज, रवा राज करुन छुम ।।

भयानक गोलुम ब्योल, रो'दुम ओल पनुॅहनुय ।
खाऽरिथ ब्रोंठुॅय माऽरिथ माश, रवा राज करुन छुम ।।

कमन सूॅत्य करयम खे'लुॅह, बुॅ मन जे'लुॅह द्रायस बो ।
फेरस पो'त होरस दाश, रवा राज करुन छुम ।।

आदन बाऽजिस आयस रो'बुॅह, को'रुन तो'बुॅह कथन द्वन ।
वीरस को'र म्य सीरस फाश, रवा राज करुन छुम ।।

मुच़र्‌यम तञि गैंज्यम रो'ञि, दितुम धन्य दयालन ।
सवा सव दवा आज, रवा राज करुन छुम ।।

रामुन राज्य न्यूमस लूटुॅह, को'रुम शूट समन्दर ।
छु ला इला ला इलाज, रवा राज करुन छुम ।।

घरस बारस को'रुमख शिञ, वो'नुम नारस आयस वुञ ।
काऽसुॅम गटुॅह आऽसुॅम लाज, रवा राज करुन छुम ।।

बार बार पुछ्छुम वक्तस, भक्तस ब्वद्ध छुॅ खऽदमतगार ।
बिहिथ तखतस को'डुम वाश, रवा राज करुन छुम ।।

ओसुस खम छमा छम, बोज़ुन ओस दमा दम ।
कोसुस दयन ओसुस खाश, रवा राज करुन छुम ।।

छु भाग्यवानि सुय सहारुँह, ये'म्य् संसार बनोवुय ।
यि मॊजि क्रेंख बमन वाज, रवा राज करुन छुम ।।

❀ ❀ ❀

१३१ - कदम तुलुम सु दम खो'टुम

कदम तुलुम सु दम खो'टुम, बदम रो'टुम म्य सू सू ।।

अवलि प्रभातस मन ये'लि नोवुम, ते'लि छोवुम म्य सू सू ।
ग़टे कुठिस अन्दर छ़ो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

सतग्वर स्वाऽमियस निशे वुछुम, अदय हे'छुम म्य सू सू ।
तऽनिथ द्वध अदुँह पानय मो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

सूहम दाने द्वध ये'लि मो'न्दुम, अदुँह म्य अंद्योम लान्युन न्याय ।
अदुँह म्य अंऽदरिम सोरुय छो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

ग्वरुँसुँई भोवुम ग्वरुँनुँई होवुम, ज़ाँ'ह नय रोवुम म्य सू सू ।
ज़ाँ'ह नय पाऽनिस अन्दर फो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

सतग्वरुँ दीवुँई ये'लिय टोठ्योम, ते'लिय मेठ्योम म्य सू सू ।
केंछ़ा छो'टुम तुँ केंछ़ा रो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

ग्वरुँ सुन्द दामानय ये'लि रोटुम, तेँ'लिय वो'टुम सू हम सू ।
नारुँकि ज़ोरय सोरुँय हो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

भाग्यवान माले हलुँमस रो'टुम, तमिय खो'टुम सू हम सू ।
सतग्वरुँ दामानय म्य रो'टुम, बदम रो'टुम म्य ...

१३२ - दर्दानुँह डुमर सोवुम

दर्दानुँह डुमर सोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।
वरदीपोश वुज़ुँनोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

सर्दी ताऽपिस्तानस, अरदऽल्य् थो'वुम पानस ।
वरदानुँह गरदिश द्योवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

रात द्यन कमर गंऽड़िथ, युन त्रे'यलू ो छ़ंऽडिथ ।
नमरूद निशानुँह पोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

शनुँहवुँज़ हदन फीरिथ, च़ो'शुँवुँज़ वीदन चाऽरिथ ।
नारस ति नज़रानुँह द्योवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

आकाश वुछुम पाताल, शशपन्जस गोम दुखाल ।
बादल बरतन पोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

बर-तन वुछिम जामय, दत तन लीखिम नामय ।
सुय गीत गाहे ग्योवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

रचि़ रचि़ वुछुमस रचुँनुँई, मंज़ रचुँनायन नचुँनुँई ।
रचुँहफो'ल्ल रचि़ रचुँहनोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

दऽस्यूती दऽस्यपूस्य् कऽरिथ, हऽस्यूती तुँ मऽस्यूती हऽरिथ ।
अलूक्य् आश्चर होवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

जीतिथ को'डुम जंडय, ऐला अलम अखंडय ।
ओ'म पायिदानस थोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

यस ग्वर मे'हरबानुँई, तऽस्य् नाव प्यव भाग्यवानुँई ।
बा-शान शा'ह शोलुँहनोवुम, मरदानुँह कदम त्रोवुम ।।

❀ ❀ ❀

१३३ - रामन होवुम नूरि अनवारय

रामन होवुम नूरि अनवारय, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।
आमन कऽरनस दस्तबरदारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

दो'पुँनम कन थव शा'ह सवारय, ग्वडुँह रठ् मालि सरकारुँई म्य ।
म्वखतार वुछनम अमुँहसिपारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

तखुँह प्यठुँ होकुँम म्वखुँ बाज़ारुँई, भत्तुँह बऽड्य हटि गों'ड हारुँई म्य ।
वर्ख्रुँह पनुँनि द्युतुनम बो'ड दरबारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

नाव म्योन थो'वनम जटादारुँई, पटुँह म्यूलुम सरकारुँई म्य ।
हटुँह कटुँह नटुँहवर बन्दुँह-बरदारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

दाव आम कथुँहनुँई त्रोव रफ्तारुँई, होव मनसूरन दारुँई म्य ।
तुल तीर कमान को'र म्य शिकारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

छ्लुँह अकि को'रमय डल शिकारुँई, ख्यलुँहसुँई को'र पुचुँपारुँई म्य ।
कमलुँई वुछिमय ज़लुँह निशि न्यारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

यि वो'नुम ग्वरुँकुँई तथ लो'गुम नुँ चारय, त्राऽविथ लोन दुबारय म्य ।
रऽक्षमणि मनमोहन कृष्णुँह अवतारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

नांम म्याऽञ रोज़न गामुँह शहारुँई, खामन हुन्द ओस बारुँई म्य ।
प्वखुँतन नो'ख्रुँह छुय बो'ड अहंकारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

खामन पियुर म्य जामन प्यारुँई, सू-हम-सू रूद सारुँई म्य ।
प्वखुँतन थो'नमय नुँ वनुँहनस वारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

बेकुँलन आमुत लोलुँह बहारुँई, वुछुमय बरखुरदारुँई म्य ।
आऽकलन गाशस निशि गटुँहकारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

कें'ह वनुँ कें'ह छुम नुँ वनुँनस वारुँई, तवुँह लो'ग नामुँ निगारुँई म्य ।
वतुँनम सबरुँक्य् खबरदारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

केंच़व मय च्यव लाऽलो निहारुँई, कें'ह वुछ निराहारुँई म्य ।
केंच़न सुलि यिथ गुल ति गऽयि खारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

भाग्यवानि को'रमुत ग्वरुँवुँई प्यारुँई, जटि गंग हटि शा'हमारुँई म्य ।
व्वटि अकि तार लो'ग अपरम्पारुँई, लऽक्षमण द्राव गमखारुँई म्य ।।

❀❀❀

१३४ - यियि कर गुलुँनुँई क्राव

यियि कर गुलुँनुँई क्राव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

कुकिले बूल्य् करुँनाव, सुलि वुज़ुँनाव मत्यो ।
गूवे'न्दुँह-गू ललुँहनाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

तन दिथ मन वुज़ुँहनाव, मन पाऽराव मत्यो ।
स्वन द्वन कनुँनुँई छाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

हरुँहकुय हर मे'ति चाव, ज़र प्रज़ुँलाव मत्यो ।
ज़र प्यठ सरुँहसुँई थाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

वर दिथ बर मुच़ुँराव, सरुँखम त्राव मत्यो ।
हरुँह मंज़ घरुँहसुँई थाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

तनि सूँत्य तन मिलुँनाव, बन अर्दुँह वाव मत्यो ।
सन ब्वन च्यन दऽरियाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

वावस सूँत्यन वाव, नूरुँह दऽरियाव मत्यो।
गूरुँह सूँत्य द्वन मिलुँनाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

तऽमिसुँई छु भाग्यवान नाव, युस च़्य पर्तुँ द्राव मत्यो ।
गोवे'न्दुँह गीतुँई गाव, हिय फ्वल्लुँनाव मत्यो ।।

❀❀❀

१३५ - बुॅई करदुॅह बुॅई खुरदुॅह कलान

बुॅई करदुॅह बुॅई खुरदुॅह कलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।
अशि वाने लशि नार छलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

ज़ानि कुस दर्द दिलुक माने, लूटुॅह न्यूमुत लाऽल मिरजाने ।
अदलि जहाँगीरुन ऐलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

मस्त युस गव लोलस अन्दर, तस क्या करि मस्जिद मन्दर ।
नय ईश्वर नय शाहि-जीलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

लोल म्यूलुम स्यद्यन-सादन, च्यव शीरीनि बे'यि फरहादन ।
पानि बदल द्वध आव कुलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

लोलन कऽर्य काऽत्याह खस्तय, लोल त्रोवुन अस्तय अस्तय ।
यूर्गुॅह इस्म भस्म मलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

राग त्रावुन वाऽराग रटुन, जान मऽशिरिथ जानानुॅह खटुन ।
कुन बऽनिथ कुन छुनुॅह च़लान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

फुल शापस ह्यो'तुॅमस बदल, कुल सऽखियन अऽनिमस वदल ।
रो'खुॅह रूगुॅहकि रोज़न गलान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

नोट नाचस महलख रस, सोठ रऽक्षमणि कृष्णुॅह भगवानस ।
हूरुॅह वुछ्यम दूरि च़लान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

आम यावुन श्रावुॅनि हिये, यियि तऽम्यसुॅई यस दय दिये ।
तुलि कुलाब गुलाब फ्वल्लान, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

<u>भाग्यवाऽनी</u> सतग्वर वाऽनी, ये'म्य् म्य काऽसुॅई करमुॅच़ हाऽनी ।
ग्वरुॅ वाक्य् दुल्हा दुल्हन, दाऽद्य लदन दाऽद्य आयि बलान ।।

१३६ - वतन शुरुम सतुक सामानुँह

वतन शुरुम सतुक सामानुँह पुरुम, हतन ग्यूरुम सतुक सामानुँह पुरुम ।।

जंगस द्रायस रंगस बेरंग बनोवुम
जऽगिथ आयस रंगस सूँत्य् मिलुँनोवुम ।
यि कुल डीशिथ कुकिलि हुंद ओल पुरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

दमस रूजुँस शमस कऽरिथ गिरिफ्तार
खमस मीलिथ ओ'मस ग्यूलुम बुँ यकबार ।
म्य छुम वरदान चमारस जान चूरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

ग्वरन हुँद्य पाद छऽलिम अशिवानि सूँतिय
सतन हुँज़ सन अऽनिम हमियानि सूँतिय ।
छुँनिम स्वन तल पलव सूँत्य् क्रूर पुरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

थो'वुम तथ ठान सुलयमाऽनी निशानय
म्य सतग्वरुँ सूँत्य आमुत पाऽञ पानय ।
यिमव ग्यूरुम तिमन छ़लुँह कलुँह मुरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

म्य धन्य धन्य धन्य गऽयम आकाश वाऽनी
वुछिम भूतीश्वरुँञ राऽञ्जुँञा भवाऽनी ।
बिहिथ तख़्तस तमिय म्य म्वखतुँह वुरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

सदा सूहार ह्युतुनम सूँत्य पानय
तमन्ना तो'हफुँह तुमन ताबानय ।
म्य त्रो'पुँरिथ पाश स्वनन ह्वन दाश हुरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

ह्यकन नुँ ज़ाँह गऽछ़िथ तथ दीशिसुँई कुन
छु ये'ति तस कीशिसुँई हमेशि रोज़ुन ।
गऽछ़िथ शब्बानुँह ह्वन हुन्द खानुँह लुहरुम, हतन ग्यूरुम सतुक ...

शिवन शक्ती रऽदुँनस नाऽल्य् नालुँह
दुरोये पानुँह वो'ल्लुहऽम दुशालुँह ।
सऽती त्रियि सत्यवानुन रथुँह जूरुम, हतन ग्युरुम सतुक ...

छु ग्वरुँनुँई नाव म्योनुय सूँत्य सूहम
छु ग्वरुँनुँई नाव म्योनुँई इस्मि-अज़म ।
भवानी <u>भाग्यवाऽनी</u> ज़ांह ना सूरुम, हतन ग्युरुम सतुक ...

❀❀❀

१३७ - यनुँह म्य स्वनि हुँद्य

यनुँह म्य स्वनि हुँद्य सथ ता'ह ज़ाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।
स्वनुँह दादि काऽच्या'ह गऽयि बुबाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

मऽछ हिश ज़ाऽजिम दऽछिनिस तापस, अदुँह आम वापस जानि जानान ।
खशमुक खञजर च्यश्मन हाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

वारुँह बोज़ वो'रुँह माजि हुंद विश्वासुँई, राम वनवासुँई करुँनोवुन ।
स्वनुँह दादि काऽत्या'ह घरुँह गऽयि खाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

तवुँह तीरुँह तरकश पाऽरुम पानस, सूँत्य जानानस जों'गुमय म्य ।
लछि बजुँह लानऽच् वुछिमस नाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

नागर अछरव कजिमस नालय, दुआयि दुखालय को'रमस म्य ।
चीनस चकापोरुँच चाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

चीनुक मय च्योम चीनी सुरायि, तवुँह जायि जाये टोठ्योम दय ।
गा'ह मय मदहम गाह मशाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।

वर म्यूल रऽक्षमनि ज़र चो'ल त्रियिनुँई, केंच़न रयिनुँई गों'डुंनख नार ।
नारुँह सूँत्य वाऽलिमख वारुँह परगाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

हनि हनि रऽक्षमनि सूँत्य कऽर्‍य साऽरिय, तोतस सूँत्य आसि हाऽरुँई ज़न ।
स्वनुँह दादि आयख ज़न महाकाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

यस त्रियि बालुँह पानुँह जानाँकुँह छेरुँकुँह ओस, तस कति अन ओस पानी याद ।
माल तऽस्य् ह्युतुमय ह्योतुँमस नुँ माऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

ज़े'वि सूँत्य वनि युस ननि तस पानय, ताऽपिस्तानय तूफानय ।
नेरि कमि वति अर्दुँह फेरि बाऽल्य् बाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

आव मन्मोहन, रव रथुँह बानय, नव निशानय सू हम सू ।
शिव ह्यथ पानय शाहानुँह डाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

यस भाग्य आयस तऽस्य् भाग्यवाऽनी, अमृत वाऽनी भवाऽनिये ।
कें'ह बनेयि शीतल कें'ह ज्योति ज़ाऽली, तनुँह छिम कनुँनुँई वाऽलिये ।।

जिस बात की इच्छा सच्चे हृदय से होती है, वह अवष्य पूर्ण होकर रहती है। जिस समय मनुष्य में सच्ची तलब सच्ची तडप होगी, प्रकृती माता उसको पूर्ण करने का स्वयं प्रबन्ध करेगी। हृदय में केवल सच्ची इच्छा उत्पन होने की देर है, सारी सामग्री स्वयं ही एकत्र होजाती है।

१३८ - ही च़राच़र छस बुॅ अमर

ही च़राच़र छस बुॅ अमर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।
भूगुॅह बऽरिथ शोख शवहर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

भक्ती हुन्द तुल म्य कदम, सूॅत्य शक्तीनाथुॅसुॅई ।
बोलि कुकिल सूॅत्य कुमर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

खोफि खशम सूॅत्य खावर, तोफुॅह ह्यथ तोफुॅहखानसुॅई ।
जामि जमस नामि नदहर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

बूद बाहम छस बुॅ अन्दर, पेचुॅहसुॅई पेचानुॅसुॅई ।
नूरि अनवर नामावर, रोज़ुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

सूॅत्य दित्यूहऽम कूॅत्य दफ्तर, क्या करन अनज़ानुॅसुॅई ।
क़रनुॅह कुलहुम हावि आश्च़र, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

आऽस्य् यिमय पेशि दिलबर, लऽद्य म्य तिमय गानुॅहसुॅई ।
दाश होरुन मोशि मादर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

जीत जीतिथ छम खुशाऽली, छुॅञ म्य कनन वाऽलिये ।
आसि यस ज़र छौंडि ज़रगर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

फोनुॅहसस़ सूॅत्य छय <u>तारा</u>, अख इशारा वो'न यि म्य ।
कुस छु दिल तय कुस दिलबर, रोजुॅह अमरनाथुॅसुॅई ।।

१३९ - बुँ मस च्यथ गऽयस

बुँ मस च्यथ गऽयस मतुँवालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

यि मस फ्यूरुस मो'ये मो'ये, यि कुस ज़ाने यि कुस च्यये ।
यि मस गछ़ि च्यो'न पनुँनि शेये, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

प्रेयमुँह मस सतग्वरन सूजुम, म्य तमिकुय पाऽगाम बूज़ुम ।
अम्युक कूँमत छु ज़ुँई लालुँई, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

यि मस ह्यथ आव सुबुहुँकि वक्तय, यि मस युस चे'यि सु नेक भक्तय ।
यि मस आपुँरस छु ज़न म्वखुँतय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

यि मस ह्यथ आव सु जानानय, यि मस युस चे'यि वुछस पानय ।
म्य मस च्यव वुछुम दानुँह दानय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

म्य ज़रुँह ज़रुँह होव ज़रगरुँनुँई, खबरदारन छु खबर करुँनुँई ।
पे'यस पादन गऽयस शरनुँई, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

बुँ मंज़ ध्यानस छसन गारन, तमिय छस खूनि दिल हारन ।
सु मा आशिकस म्य छुम प्रारन, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

दप्योमस बालुँह बावस मंज़, करान ओस दूरि अमिकुय संज़ ।
यि मस ह्यथ आव रो'टुम नालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

छे' क्या तस कोंकुँलन चाऽली, यिमय कोंकल गऽयम नाऽली ।
कनन छिम दूर तुँ कनुँहवाऽली, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

ओ'नुन अमृत बानस क्यथ, छु जानानय पानय ह्यथ ।
छि मंज़ बानस बऽरिथ खानय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

कुनुय अमृत कुनुय बानय, छि क्या खानय ब्यो'न ब्यो'न तथ ।
तऽमिस त्युथ युथ यँ'मिस ज़ानुँई, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

बुँ आऽसुँस अमृतस प्रारान, छु त्रे'न लूकन योहो'य छ़ारान ।
अमिय बापत अच़न गारन, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

यो'हो'य अमृत छु नागन मंज़, बिहिथ सतज़न छि बागन मंज़ ।
म्य मों'गुमस ना बऽरिथ प्यालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

अऽछव किञ दारि खून होरुम, सदाशिवस हलम दोरुम ।
यि सतग्वर आम ह्यथ पानय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

वनन गवरी सदाशिवस, चुँ पानय लोलुँह मस ह्यथ गछ़ ।
सदाशिवन ह्युतुम पानय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

सदाशिवस जटाधाऽरी, म्य क्युत अमृत को'रुन जाऽरी ।
च़ऽजिम सख्ती तुँ बे'यि खाऽरी, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

सदाशिवुँई छु ध्यानस मंज़, करान ओस म्यानि मयिकुय संज़ ।
दितम दर्शुन रटथ नालग, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

यि त्रथ हाऽवुँम म्य सतग्वरुँनुँई, यमस मा आसुँह वो'ञ डरुँनुँई ।
दया कऽरनम म्य ज़रगरुँनुँई, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

खबर सोज़्यम वे'शम्बरुँसुँई, सु शे'छ सोज़्यम ज़रगरुँसुँई ।
अपोर लो'ग तार समन्दरुँसुँई, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

मंगन आऽसुँस बे'ये बे'ये, सु ओ'मकारुँई ओ'नुम लये ।
च़ो'लुम भये च़ो'लुम भये, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

म्य सूँत्य् न्यूमस पनुन लालुँई, को'रमस सु ति हवालय ।
ग्वरन वो'लुनम म्य दुशालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

ग्वरन दो'पुनम चुँ छख भाग्यवान, ग्वरस सूँती करन मान मान ।
ग्वरस वन्दुँह ना बुँ पादन प्राण, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

ग्वरव कोसुम म्य करमुन खुर, दयन दो'पुनस बुँ ज़ोनुँनस शुर ।
प्रेयम च्योम प्रेयमुँके नालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

प्रेयमुँह द्वध च्युतुमस प्रेयमुँह सूँत्य, रट्यम ना नालुँह पानस सूँत्य ।
ग्वरुँनुँई को'रनम मे'हरबाऽनी, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

सु दय वुछुमय पऽतिमि प्यारे, म्य मय ओ'न पर्नुँनि अनवारे ।
सदाशेवस लो'दुम बारे, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

पनुन सतग्वर पयस ओसुम, सु संकट कऽम्य्सना कोसुम ।
दयस रूदुय सु दुम्बालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

ग्वरन दोपुनम तमिय भाग्यवान, ज़रन कऽरनम म्य सिरुँची ज़ान ।
वन्दस पादन बुँ जुँई लालय, सु मस प्यालय आमो ह्यथ ।।

❀❀❀

१४० - कुन छुय बोज़ान

कुन छुय बोज़ान कुत्र सुँद्य ज़ाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

भाग्यवान गऽयायि मुर्य् दाऽर्य् दाऽरी, सतग्वर कास्यम खाऽरिये ।
खोरन त्राऽविमस लोलुँह अऽष्य् टाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

गर्मुँहकुय बोर ओ'न बम बापाऽरी, भवाऽत्र थऽच्च साऽर्य् साऽरिये ।
भाग्यवान नाव को'रुस कृष्णुँह मुराऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

भवानि नावुँह आऽस्य गर्मुँहकी बाऽरी, मऽट सूरिस साऽर्य् साऽरिये ।
वुछ किछ़ आसन दुष्मनधाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

गम च़ऽल्य् साऽरी सतग्वरधाऽरी, गोवे'न्द थो'क चाऽर्य् चाऽरिये ।
मटि प्यठुँह वाऽलिनस ग़र्मुँहकिय बाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज याऽरिये ।।

वऽलिमुॅत्य् आऽसिनस हॅनि हॅनि साऽरी, जोदन तसरुपदाऽरिये ।
भाग्यवानि काऽसुॅम साऽरुॅई खाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

भाग्यवान नाव को'र कृष्णुॅ मुराऽरी, गम काऽस्य कालुॅह सम्हारिये ।
भाग्यवानि दुष्मन थऽक्य् प्राऽर्य् प्राऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

मालित्र अऽम्यसुॅद्य म्य कलमस ताऽरी, तिमुॅनई कऽम्य् काऽस खाऽरिये ।
भवानि करेयम वरफ्ताऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

अकि अकि कऽडिमय घरुॅह मंजुॅह साऽरी, ज़ाऽलिम जोर्दुॅकि नारुॅहये ।
गर्मुॅहकुय बोर न्युव कऽम्य बापाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

भाग्यवानि वो'न द्युत मंज़ शहाऽरी, मंज़ चाऻयि ज़रगरदाऽरिये ।
निशानुॅह द्युतुनस अहद ज़रगाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

अर्दुॅह भाग्यवान चाऻयि सतग्वरदाऽरी, सतग्वर लूस प्राऽर्य् प्राऽरिये ।
अथ कुॅयत छोंॅडुन कालुॅह सम्हाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

भाग्यवान रूजुॅस मुर्य् दाऽर्य् दाऽरी, गवरीयि आयि ज़ारुॅह पाऽरिये ।
बे'नि छम पर्नुॅनी करतस याऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

बालुॅह पानुॅह ह्यचुॅनय साऽत्र गमखाऽरी, थऽचिय पोश चाऽर्य् चाऽरिये ।
पूज़ साऽत्र कऽरुॅनय लाऽलो नहाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

कीशवुॅह कासुस गर्मुॅह किय बाऽरी, पथ गछि़ दुष्मनदाऽरिये ।
वापस वऽलिनस दुष्मन साऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

शीवस मो'गुॅनय पर्नुॅनि राजि रे'त्रे, यिछ़ दुष्मनबाय अऽनी कर ।
थरि मंज़ह गुलुॅहसुॅई छुॅनिनस खाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

भाग्यवानि चो'शुॅवय वीद व्यस्ताऽरी, ज़न वऽत्र कृष्णुॅह मुराऽरिये ।
भयिसुॅई ज़य को'र कालुॅह सम्हाऽरी, कुत्र कऽर कुत्र सुँज़ याऽरिये ।।

❀ ❀ ❀

१४१ - छूवपि हुँदे सालुँह

छूवपि हुँद्ये सालुँह म्य यितो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

ग्वरुँ वर छुम छूवपय छूवपय, छूवपुँह कऽरिथ रोज़तो ।
छूवपि हुंदुय प्याला च्यतो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि हुँदिस सालस निमथ, छो'पुँह का·थ रात दो'ह ।
छूवपि हुँजुँय न्यामऽच़् ख्यतो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि हुँदी जामय सुवय, कामुँह दीवय हो तुँ हो ।
छूवपि हुंदुय सौदा ह्यतो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि हुँदी दूर गरय, गूर करय चार सो ।
शीर खारो शीर च्यतो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपुँ कऽरिथ कोर गछ़ख, बोर म्योन छुय मो मो ।
योर गछ़ख तूर्यू म्य नितो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि हुंदुय मन्दर वुछुम, बोज़् स्वन्दर शोरुँह गो ।
छूवपि शोरस गोश दितो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि बालुक स्वथा'ह त्राऽविथ, बुँति तस सूँत्य् मारुँह छो'ह ।
छूवपि फिदा कऽरुँई म्य तो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि सूँत्य बेदार कऽरिथ, हावि दीदार खुश खो ।
छूवपि जामन दामा च्यतो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि सूँत्य रो'टुम नालय, दियि डालय रो-ब-रो ।
नालुँह रटथ नालन यितो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

छूवपि हरस छूवपय दरय, छूवपि हुन्दुय सोज़् तो ।
छूवपि ग्यवस जलाव दितो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

<u>भाग्यवानन</u> छे' छूवपय मुदा, छूवपि जुदा रोज़िनो ।
छूवपि हुन्दुय यनाम नितो, छूवपि आलव बोज़तो ।।

१४२ - मस दिथ कऽम्य्

मस दिथ कऽम्य् कऽरुँनस मस्तानय
रो'ट तोतन हारि हुन्द दामानय ।।

को'र तोतन पानय खम पानस
करि नज़रा मेज़स तुँ मीज़ानस ।
जान वन्दुँहयो खुश खो खोबानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

गऽर्य् तोतन ज़रुँहकिय तीरुँह नाऽरी
छुँञ न्यंगुँलिथ अकि अकि हारि साऽरी ।
तीरि मिज़गान सीरुँह कथ दुरदानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

कथुँह म्याने ज़ानतो संगि फारस
रक्तह वरनय आसम म्य मंज़ नारस ।
वक्तुँह पर्नुँने द्रायम ताबानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

दम दित्यूमय सज़ुँरन ह्यो'र क्या ब्व'न
ये'ति शे'स्तर तति तति को'रुँमस स्वन ।
ये'छि क्रालन थुर्यूमुँत्य मे'चि बानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

ये'छि तोतस पछि हुँज़ ताजदाऽरी
वारुँह वारुँह यियि सारिञ अनुँहवाऽरी ।
सद वा'ह वा'ह कद छुम म्यानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

बोल बोश म्याऽञ तोलतो लोलुँह सूँती
सीरुँह कथुँह बोज़ ज़ीरुँहबम डोलुँह सूँती ।
क्या'ह च्य म्यूलुय तोरुक निशानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

वुछ पानय कस मंज़ ताजदाऽरी
खंदुँह करुँनी छम बंदुँह बरदाऽरी ।
सीम स्वखुँनन मीम छुस दहानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

द्वन मंज़ छुय नूरस आवाहन
त्रे'न मसुँला वो'नुँनय इस्लामन ।
शे'न शशकल फीरुँम दानुँह दानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

कें'ह अनुँहाऽ कें'ह छुम नुँ वनुँहनस वार
कें'ह बूज़िथ बोजुँनय कें'ह गुफ्तार ।
कें'ह कनुँनुँई गऽयिमो कनुँवानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

कें'ह नतुँह कें'ह बूज़ुम इरशादुँई
ग्वडुँह माने अदुँह पो'र म्य सम्वादुँई ।
ग्रटुँह गुन्दुम को'डमय ख्यथ नानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

रूज़ भाग्यवान पानय पानस मंज़
युथ कुकिल छि गोवे'न्द नावस मंज़ ।
अज़ खानय म्यूलुम पर्युँवानय, रो'ट तोतन हारि ... ।।

❀❀❀

१४३ - मालुँह फिरन माल

मालुँह फिरन माल पे'यम वते, कथि कथे रूदुम यार ।
मारुँह कऽरथस खुमारुँह हते, कथि कथे रूदुम यार ।।

छ़ऽल्य् बऽल्य् कें'ह फऽल्य् आयि अथे, हू तय हू हा ताऽरमस तार ।
संगुँह सो'दुँरकि रंगुँह छिम छे'ते, कथि कथे रूदुम यार ।।

पन ताऽरिथ द्वन दितिम अथे, चो'न मंज़ छुय शे'न गुफ्तार ।
ख्यन त्रोवुम ग्वडुँहनिचि कथे, कथि कथे रूदुम यार ।।

मो'ल्य् म्वलुँहकुय फो'ल वो'वुम दते, ह्यो'ल वुछुमस बारम्बार ।
तो'र सा'ज़ा रो'ज़्या ये'ते, कथि कथे रूदुम यार ।।

दो'प म्य पीरन सीर छुय तते, ये'ति खीरस छुय आहार ।
चीर च्युतुमस ल्वते ल्वते, कथि कथे रूदुम यार ।।

दो'प म्य पीरस यिमुँह हा बुँते, लो'ब ह्यो'तुँनम गो'ब गोस बार ।
ये'लि बोज़ि तुँ ते'लि मा मते, कथि कथे रूदुम यार ।।

सन पानस वन अनह्यते, ब्यन ओसा'ह दुँहुँह निशि नार ।
च़ा'ह अऽगुँहनुँई तुँ बा दति दते, कथि कथे रूदुम यार ।।

दुँह को'डुँमय आकाश वते, नार थो'वमय खारस यार ।
बोज़ मसला रो'ज़्या तते, कथि कथे रूदुम यार ।।

छा पर्नुँनिस दकुँह ह्युन लते, परद्यन सुँत्य् छावुन बहार ।
न छि ये'ति तय न छि तिम तते, कथि कथे रूदुम यार ।।

कें'ह वुछमय सर ह्यथ अथे, वुछ कें'च़न कम सिंगार ।
रोज़ि कुनिय ये'ति तय तते, कथि कथे रूदुम यार ।।

नारुँह ज़ाऽलिय कें'ह अमि कथे, वुछं कें'च़न पे'यिय बुलगार ।
युथ छु आशिकस माशोक वते, कथि कथे रूदुम यार ।।

द्राव माशोक आशकुँ'न वते, बारि तुलुनय दो'न हुन्द बार ।
दारि ख्वन दिथ स्वन छा तते, कथि कथे रूदुम यार ।।

वुछ लऽक्ष्मी लऽक्ष्मीपते, सरसुँई प्यठ ज़रुँह सिंगार ।
चे'ष्मुँह वन्दुँहयो खशमुँह हते, कथि कथे रूदुम यार ।।

आयि भाग्यवान चाने वते, नय वुछुनय गुल नय खार ।
ख्वजि ललुँवथ ह्यति अनह्यते, कथि कथे रूदुम यार ।।

१४४ - वुछुम यार रो'छुम ख्वजि

वुछुम यार रो'छुम ख्वजि, अन्दर ईकान्तुंसुंई ।।

ओ'मुँहकि स्वरुँह को'रुँमस गुरुँह, सूहम तारुँह चाऽरिथ छय ।
सोरुय ननि म्य क्या छे'जि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

वुछ्यम हुरुँह गंऽडिथ दऽर्य्, छऽरिय म र्य् रछिञ क्या ।
हऽरिथ मो'र वुछ बा अनि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

वुछ पुरुँह नूर सुय जो'हूर, पच्छिम पूर दक्षिण कुन ।
उत्तरा खंड खो'वुँरि कनि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

सतग्वर नाव हय ललुँहवुन, चलिय ओ'न वुछख नो'न ।
म्य तस तन लाऽजिय तनि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

तुलिथ परदुँह वुछुन वारुँह, कम्यो नारुँह दऽजिथ प्योख ।
कऽरिथ गथ शमा'ह बनि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

बँगाऽल्य् बोलि अन्दर नाद, सुय सम्वाद बूजुम म्य ।
युथ राधायि बे'यि रऽक्षमणि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

म्यचे सूँत्य् गऽयम म्यऽच, चानिय सऽच मों'गुम जल ।
समन्दरस रूजुँस चे'नि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

आगर वानि सो'गुम डूर, कथ क्युत क्रूर खनुन छुम ।
ख्यथ ये'म्य् थो'व सु क्या रनि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

कर्पुस्य् पोशि वुछुम रंगुँह, तमिय रंगुँह रों'गुय म्य ।
वो'ल्लुम तनि म्य क्या छे'नि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

छा मिरजान छा दुरदान, वुछिम स्वन पशेमान ।
न्यूमस लुटुँह कऽमिस वनि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

स्वय ज़ान भाग्यवान बनि, यि कमि वारुँह गरुँहनुँह आव ।
ओ'नुथ अनि गो'रुथ रो'जि, अन्दर ईकान्तसुंई ।।

१४५ - चे'शमुॅह बुॅ वन्दय

चे'शमुॅह बुॅ वन्दय चे'शर्मुह वुछिमय स्वरमाऽलिये ।
रुमन गुमय बुमुॅह वुछिमय कज़ाऽलिये ।।

हा गोवे'न्दय मस्त बुॅ कऽरथस मस प्याऽलिये ।
मस गऽयि तिमय यिम च़्य वुछिथ च्यनुॅहवाऽलिये ।।
केंच़न फंदय केंच़न आख खयाऽलिये ।।।

केंच़न शोखुॅई तोखि दुनिया छुख नाऽलिये ।
कें'ह अस्तुॅह अस्तय खस्तुॅह कऽरिथ उबाऽलिये ।।
कें'ह म्यचि़ हुँदी यऽच़ थुरिथ मो'लाऽलिये ।।।

कें'ह आयि ओरय कें'ह च़्य नियथ सवाऽलिये ।
कें'ह रंगुॅह रंगय चंगुॅह वायान बंगाऽलिये ।।
कें'ह खऽत्य् आकाश कें'ह वऽथिय पाताऽलिये ।।।

कें'ह वऽल्य् लोलन कें'ह च़्य रूशिथ मलाऽलिये ।
कें'ह घरुॅह मंज़य हर चाऽविथ हरद्वाऽरिये ।।
कें'ह अन्द वाऽतिथ बन्द कऽरिय चंडाऽलिये ।।।

कें'ह हूरुॅह रोये पूरुॅह कऽरिथ मुतवाऽलिये ।
नूरानुॅह हाऽविथ चूरि च़ऽजिख जंगाऽलिये ।।
वज़ान ग्रज़ान वावुॅह अऽन्दुॅर्य् वुज़माऽलिये ।।।

छुय कदि शम्शाद अदुॅह बदवल जमाऽलिये ।
प्ऽठ आसुॅमानस वारुॅह वुछुमख मशाऽलिये ।।
मंज़ दुरदानस जानानस छख नाऽलिये ।।।

शमा'ह रोयस वुठ वुछिमय व्वज़ाऽलिये ।
ज़न कन्दुॅह फऽल्य् दन्द अन्दुॅहवन्द छिय तंदाऽलिये ।।
व्वडि च़्य उडिञ पूरुॅह पच्छिम शुमाऽलिये ।।।

छख शिलुँह पदमान दिल च्य न्यूथम आकाऽलिये ।
अमि सिलसिलय दिल छु मेलान यऽच़काऽलिये ।।
बन माशोकुँई आशिकन मय कर खाऽलिये ।।।

वुछ <u>भाग्यवानन</u> क्रऽर यि दया दयाऽलिये ।
प्यठ वे'मानन हँसन हुँद्य छिख आऽलिये ।।
गुलि ज़ाफरानन सूँत्य् वुछमख मसवाऽलिये ।।।

❋ ❋ ❋

शरीर की सम्पूर्ण शक्तियां मन की दासी हैं।
उन को ऐसी शिक्षा देनी चाहिये कि वह सब मन के आधीन रह कर उस की हर आज्ञा का पालन करें।
क्या कभी यह सम्भव है कि सेवक स्वामी का कहा नहीं माने और उस के सामने उस के घर को बरबाद करता रहे? कदापि नहीं।
फिर क्यों हम इस शारीरिक सेवक को जिस से हमारा मतलब शारीरिक बल से है, इतना ढीठ़ बनायें कि वह इस शरीर की पूर्णता से देख रेख न करे क्योंकि यह हमारी आ़त्मा का घर है।
यदि स्वामी अपने घर की ओर से उदासीन रहे तो सेवक भी सम्भवतः उसी हालत में रहेगा।

❋ ❋ ❋

'मन-पम्पोश' किथुँ पाऽठ्य परव
('मन-पम्पोश' कैसे पढ़ें)

-अ	नअ (नहीं)	छअ (है)				
ऽ	घऽर (घडी)	अऽड (आधी)	लऽर (मकान)	हऽर (लकडी)	दऽर (सख्त)	
ाऽ	दाऽर (खिडकी)	काऽन्य् (कानी)	गाऽर (सिंघाडा)	हाऽर (मैना)	लाऽर (ककडी)	
-व	ग्वर (गुरू)	ख्वर (पैर)	क्वकुर (मुंगा)			
ो'	खो'र (शैतान)	गो'र (बनाया)	दो'र (सख्त)	को'र (कड़ा, किया)	ह्यो'र (ऊपर)	
	रे'ह (शोला)	ये'लि (जब)	के'न्ह (कुच्छ)			
-य	ग्यल (झूठ)	चयल (दबाव)	द्यल (छिलका)	त्यलि (तब)		
	दित्य् (दिय)	तस कित्य् (उस के लिए)	यीत्य् (इतने)	मील्य् (मिले)		
	म्य (मुझ)	च़्य (तुझ)	म्याऽन्य् (मेरे)	चाऽन्य् (तेरे)		
ॗ	बुॅ (मैं)	चुॅ (तुम)	रुॅत्य् (अच्छे)	ल्वकुॅट (छोटी)	ल्वकुॅट्य् (छोट)	खुॅर (फिसलन)
ॗ	कूॅत्य् (कितन)	सूॅत्य् (साथ)	तूॅर (सर्दी)			

Printed by Ramesh Tickoo
(Regional Computer Centre, 145-A Old Janipur, Jammu)

श्री कृष्ण यूनिवर्सल (विश्व) पंचांग

"चित्रापक्ष" निरयण, सायन व सूर्यकेन्द्रीय

सं. 1997 ई.

कम्प्यूटर द्वारा गणित किया गया दैनिक भूकेन्द्रीय चन्द्र व ग्रह स्पष्ट विकलाओं तक। इस बार भी दिल्ली का भूपृष्ठीय दैनिक चन्द्रमा भी विकलाओं तक दिया गया है, जा

सारे विश्व में और कहीं नहीं हैं। साथ में शर, क्रान्ति, तिथि नक्षत्र, योग, करण, व्रत-त्योहार आदि भी। विशेष विवरण के लिए कृपया पिछला आवरण पृष्ठ देखें।

©

गणित कर्त्ता एवं प्रकाशक
अवतार कृष्ण कौल
श्रीकृष्ण पब्लिशिंग हाउस
24, श्रेष्ठ विहार, दिल्ली-110092 (भारत)
मूल्य: हिन्दी संस्करण: 40 रुपए / 8 डालर; अंग्रेज़ी संस्करण: 50 रुपए / 10 डालर